ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारत को आज तकनीकी और सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनना होगा @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 26 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-7 | अंक-265

मुकेश अंबानी से खीझ भी रहा और रिश्ते भी बढ़ा रहा ट्रंप

अंबानी समूह ने रूस से 33 अरब डॉलर का तेल खरीदा

नई दिल्ली/वाशिंगटन, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के रूस से तेल खरीदने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तन-बदन में आग लगी हुई है। जबकि यूरोपीय देश भी रूस से तेल खरीद रहे हैं और अमेरिका के भी रूस के साथ व्यापारिक संबंध बने हुए हैं। ट्रंप-पुतिन की मुलाकात में साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने यह खुलासा किया था कि यूक्रेन-रूस संघर्ष के बीच भी अमेरिका का व्यापारिक संबंध कायम है। पुतिन के इस वक्तव्य का डोनाल्ड ट्रंप खंडन नहीं कर पाए थे। भारतीय पूंजीपति मुकेश अंबानी का रिलायंस कंपनी समूह रूस से बड़े पैमाने पर तेल की खरीद कर रहा है। इससे भी अमेरिकी प्रशासन को बड़ी बेचैनी हो रही है और ट्रंप की तरह बेसिर पैर बयान देने वाली चौकड़ी रिलायंस इंडस्ट्रीज के खिलाफ भी बेजा वक्तव्य दे रही है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने पिछले महीने कहा कि भारत के कुछ सबसे अमीर परिवार यूक्रेन युद्ध से मुनाफ़ा कमा रहे हैं। सहमे हुए बेसेंट ने किसी का नाम तो नहीं लिया, लेकिन उनका इशारा मुकेश अंबानी की ही तरफ था। अमेरिकी अखबार वाशिंगटन पोस्ट कहता है कि मुकेश अंबानी एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं, जिनकी अनुमानित कुल सम्पत्ति 100 अरब डॉलर

रिलायंस ने ट्रंप-लाइसेंस के लिए दिए 1 करोड़ डॉलर

से अधिक है। अंबानी के साम्राज्य का मुकुट रत्न वह संस्थान है जो कच्चे तेल को ईंधन उत्पादों में परिशोधित (रिफाइन) करता है और भारत की बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने के साथ-साथ दुनियाभर में निर्यात भी करता है। हाल के वर्षों में, रिलायंस ने अधिकांश कच्चा तेल रूस से रियायती दामों पर खरीदा है। अमेरिका कहता है कि यह अंबानी के लिए वरदान और बढ़ते अंतरराष्ट्रीय अलगाव के दौर में मास्को के लिए जीवन रेखा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूसी तेल खरीदने के लिए भारत को दंडित करने और भारत से अपनी ऊर्जा आपूर्ति में विविधता लाने का दबाव बनाने के चक्कर में खुद ही कूटनीतिक संकट में बुरी तरह फंस गए हैं। अमेरिका सरकार द्वारा हासिल की गई सूचना के मुताबिक रिलायंस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर पूर्ण आक्रमण के बाद से रूस से लगभग 33 अरब डॉलर का तेल खरीदा। इस खरीद पर ब्रिटिश थिंक टैंक, रॉयल यूनाइटेड सर्विसेज इंस्टीट्यूट के वित्त एवं सुरक्षा केंद्र के निदेशक टॉम कीटिंग को बहुत मिर्ची लगी। उसने कहा, यह 33 अरब डॉलर क्रेमलिन को जाता है। आप युद्ध को वित्तपोषित कर रहे हैं। इस बयान पर रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कहा कि रूसी तेल की उसकी खरीद यूक्रेन-रूस संघर्ष पर किसी ▶10पर

वांगचुक को मिल रही विदेशी फंडिंग सीबीआई जांच के दायरे में

लद्दाख को काठमांडू बनाना चाहती थी कांग्रेस

लेह, 25 सितंबर (एजेंसियां)। लद्दाख के हिंसक प्रदर्शन के अगुआ नेता सोनम वांगचुक की संस्था के खिलाफ विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) उल्लंघन को लेकर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 10 दिन पहले ही जांच शुरू कर दी थी। विदेशी फंडिंग को लेकर हो रही इस जांच में कई सफेदपोश लोगों के शिकंजे में आने की आशंका है। इस डर ने लद्दाख को हिंसा की आग में झोंकने का काम किया। इसमें कांग्रेसियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। उन्हें लगा कि लद्दाख को काठमांडू बनाने का उन्हें मौका मिल गया। हिंसा में कांग्रेस पार्षद की सक्रिय भूमिका के प्रमाण सामने आ चुके हैं।

सोनम वांगचुक ने यह स्वीकार किया कि करीब 10 दिन पहले सीबीआई की टीम उनके संस्थान हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव लद्दाख (एचआईएएल) पहुंची थी। सीबीआई ने बताया कि यह जांच गृह

हिंसा में शामिल कांग्रेस पार्षद की वीडियो फुटेज वायरल

कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी थी हिंसा की खुली धमकी

मंत्रालय की शिकायत पर की जा रही है। आरोप है कि संस्थान बिना एफसीआरए की अनुमति लिए विदेशी फंड प्राप्त कर रहा है। मामले में जांच जारी है, हालांकि अभी कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। वांगचुक ने कहा, तीन ऐसे मामलों को विदेशी योगदान समझ लिया गया, जबकि वे सेवा समझौते थे जिन पर सरकार को टैक्स भी चुकाया गया था। ये समझौते संयुक्त राष्ट्र, एक स्विस विश्वविद्यालय और एक इटालियन संगठन से जुड़े थे। इटालियन संगठन से वांगचुक को हो रही फंडिंग खास तौर पर रेखांकित करने वाली जानकारी है। सीबीआई टीम ने एचआईएएल और स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख से 2022 से 2024 तक की फंडिंग से जुड़े दस्तावेज मांगे हैं। वांगचुक का कहना है कि सीबीआई अधिकारी 2021 और 2020 के खातों के साथ-साथ संस्थान से जुड़े स्कूलों के कागजात भी मांग रहे हैं।

लब्बोलुबाव यह है कि लद्दाख में कल हुई हिंसा की तैयारियां काफी पहले से चल रही थीं और इसे लेकर कांग्रेस पूरी तरह कटघरे में है। ▶10पर

लेह को नेपाल और बांग्लादेश बनाने की साजिश थी : उपराज्यपाल

लद्दाख के उपराज्यपाल कवींद्र गुप्ता ने लेह में हो रहे प्रदर्शन को साजिश का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन में लोगों को भड़काने की कोशिश की जा रही थी और इसे बांग्लादेश और नेपाल में हुए प्रदर्शन की तरह बनाने की कोशिश की गई। उपराज्यपाल कवींद्र गुप्ता ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन इसे शांतिपूर्ण ढंग से ही करना चाहिए। पिछले दो दिनों में लोगों को भड़काने की कोशिशें की गई हैं, जो इस प्रदर्शन को संदिग्ध बनाती हैं। उपराज्यपाल ने कहा, यदि अधिकारियों ने समय पर कार्रवाई नहीं की होती तो प्रदर्शनकारियों ने पूरे लेह शहर को नुकसान पहुंचा दिया होता। उपराज्यपाल ने यह भी कहा कि प्रदर्शन में बाहर के लोगों की भागीदारी की जांच की जाएगी।

उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी में बोले प्रधानमंत्री

चिप से लेकर जहाज तक भारत में बनना चाहिए

ग्रेटर नोएडा, 25 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी-2025 का उद्घाटन किया। ग्रेटर नोएडा में हो रहे इस ट्रेड शो में प्रदेश के उद्यमियों को वैश्विक मंच मिलेगा। उनके साथ सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती है। उन्होंने हमें अंत्योदय का मार्ग दिखाया। अंत्योदय का अर्थ है, सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति का उत्थान, सबसे गरीब व्यक्ति तक विकास पहुंचना, सभी भेदभाव समाप्त हो, यही अंत्योदय है, और अंत्योदय में ही सामाजिक न्याय को बल मिलता है। आज भारत विकास के इसी मॉडल को दुनिया को दे रहा है। मुझे खुशी है कि 2,200 से ज्यादा प्रदर्शक यहां अपने उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस व्यापार मेले का कंट्री पार्टनर रूस है, यानि इस व्यापार मेले में हम एक समय-परीक्षित साझेदारी को और मजबूत कर रहे हैं। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सरकार के सभी सहयोगियों को बधाई देता हूं।

पीएम मोदी ने कहा, आज सरकार मेक इन इंडिया, मैनुफैक्चरिंग पर इतना जोर दे रही है। हम चिप से लेकर जहाज तक, सब कुछ भारत में बनाना चाहते हैं, इसलिए हम आपके व्यापार में आसानी के लिए काम कर रहे हैं। सरकार आपके

पुर्जे-पुर्जे पर मेड इन इंडिया की छाप होनी चाहिए

साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है, लेकिन सरकार की कुछ अपेक्षाएं भी हैं कि आप जो भी निर्माण कर रहे हैं, वह सर्वोत्तम गुणवत्ता का हो। आज देशवासियों के मन में ये बात है कि स्वदेशी उत्पादों की गुणवत्ता निरंतर बेहतर हो, इसलिए गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा, आज पूरे भारत में जितने मोबाइल फोन बनते हैं, उसमें से 55 प्रतिशत मोबाइल उत्तर प्रदेश में बनते हैं। यूपी अब सेमीकंडक्टर सेक्टर में भी भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूती देगा। ▶10पर

सीडीएस जनरल अनिल चौहान का कार्यकाल 2026 तक बढ़ा

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान का कार्यकाल बढ़ा दिया है। रक्षा मंत्रालय ने सीडीएस जनरल अनिल चौहान के कार्यकाल को बढ़ाने की मंजूरी दे दी। अब वे 30 मई 2026 तक या अगले किसी भी आदेश तक सीडीएस और सैन्य मामलों के विभाग (डीएमए) के सचिव के पद पर बने रहेंगे। जनरल अनिल चौहान को सितंबर 2022 में देश का दूसरा सीडीएस नियुक्त किया गया था।

रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सरकार ने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के रूप में कार्यरत जनरल अनिल चौहान के सेवा विस्तार को 30 मई 2026 तक या अगले आदेश तक के लिए मंजूरी दे दी है। सीडीएस जनरल अनिल चौहान जनरल बिपिन रावत के दिवंगत होने के बाद अक्टूबर 2022 में देश के दूसरे सीडीएस नियुक्त हुए थे। मौजूदा आदेश के मुताबिक जनरल चौहान 65 साल की आयु तक पद पर बने रहेंगे। ▶10पर

एक देश एक चुनाव पर जेपीसी ने आर्थिक विशेषज्ञों से बात की

एक चुनाव से देश की जीडीपी को होगा 1.5% लाभ

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। एक देश-एक चुनाव विधेयक की जांच कर रही संसदीय समिति (जेपीसी) ने बुधवार को आर्थिक विशेषज्ञों से बात की। विशेषज्ञों ने समिति को विधेयक को लेकर अहम सुझाव दिए। समिति अध्यक्ष और सांसद पीपी चौधरी ने कहा कि एक देश-एक चुनाव से जीडीपी को 1.5 फीसदी या लगभग सात लाख करोड़ रुपए तक का लाभ होगा।

एक देश-एक चुनाव संसदीय समिति ने 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया, अर्थशास्त्री डॉ. सुरजीत भल्ला और योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष मोंटेक सिंह अहलूवालिया के

एक बार का चुनाव केंद्र और राज्य दोनों को स्थिरता देगा

विचार सुने। समिति के अध्यक्ष ने कहा, देश में लगभग हर साल चुनाव होते हैं। अगर लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होते हैं तो इससे धन की बचत होगी। हमने आज आर्थिक विशेषज्ञों को बुलाया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का दृष्टिकोण है कि धन का उपयोग विकास के लिए किया जाना चाहिए। यह चर्चा का विषय है। अभी कुछ भी अंतिम नहीं है। अगली बैठक अक्टूबर के अंत तक हो सकती है।

16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने बताया कि वित्त आयोग भी 2024 के आम चुनाव और उसके बाद होने वाले राज्य चुनावों से प्रभावित हुआ है। इसके चलते परामर्श प्रक्रिया में देरी हुई। आचार संहिता के बार-बार लागू होने से नीति निर्माण में बाधा आती है। खरीद और परियोजनाओं के क्रियान्वयन में देरी होती है, और सरकारों के लिए प्रभावी सुधारों की अवधि कम हो जाती है। उन्होंने कहा कि वहीं पांच साल में एक बार होने वाला चुनाव ▶10पर

अब चलती ट्रेन से भी लॉन्च होगी अग्नि-प्राइम मिसाइल

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने अग्नि प्राइम मिसाइल की ट्रेन से लॉन्चिंग का सफल परीक्षण कर लिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मध्यम रेंज की अग्नि प्राइम मिसाइल को रेल आधारित मोबाइल लॉन्चर सिस्टम से दागा जा सकेगा। यह अगली पीढ़ी की मिसाइल ट्रेन से ही लॉन्च होकर 2000 किलोमीटर तक की रेंज में किसी भी लक्ष्य को भेद सकती है।

राजनाथ सिंह ने कहा, इस मिसाइल को कई और अहम विशेषताओं से सुसज्जित है। इसे आज विशेष रूप से डिजाइन किए गए रेल-आधारित मोबाइल लॉन्चर से किया गया। यह अपनी तरह का पहला लॉन्च है, जो कि बिना किसी पूर्व शर्त के रेल नेटवर्क पर चलने की क्षमता रखता है। इस सफल उड़ान परीक्षण ने भारत को उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल कर दिया है, जिनके पास मोबाइल रेल नेटवर्क से मिसाइल लॉन्च करने की क्षमता है। रक्षा मंत्री ने बताया कि इस प्रणाली से कम ▶10पर

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा

बेअंत सिंह के हत्यारे को फांसी क्यों नहीं दी?

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 1995 में पंजाब के मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के दोषी बलवंत सिंह राजोआना की दया याचिका पर फैसला सुनाने में अत्यधिक देरी पर सवाल उठाया। जस्टिस विक्रम नाथ की तीन सदस्यीय पीठ ने केंद्र से पूछा, उसे अब तक फांसी क्यों नहीं दी गई? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? कम से कम हमने उसकी फांसी पर रोक तो नहीं लगाई है, ऐसा हमें लगता है।

अदालत ने केंद्र को स्पष्ट कर दिया कि अगली सुनवाई पर उसे स्पष्ट निर्देश दिए जाने चाहिए क्योंकि वह मामले को स्थगित नहीं करेगी। 25 नवंबर, 2024 को केंद्र ने कहा था कि मौत की सजा पाए दोषी राजोआना की ▶10पर

नैस्डैक की ताजा थ्रेट इंटेलिजेंस रिपोर्ट से महत्वपूर्ण खुलासा

शिक्षण संस्थानों पर हर सप्ताह 7000 साइबर हमला

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। दुनियाभर में साइबर अपराधियों का सबसे अधिक निशाना शिक्षा क्षेत्र बन रहा है। भारत के शिक्षा संस्थान इन हमलों का सबसे ज्यादा शिकार हो रहे हैं। साइबर सुरक्षा कंपनी नैस्डैक (चेक प्वाइंट सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड) की ताजा थ्रेट इंटेलिजेंस रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों पर औसतन हर सप्ताह 7,095 साइबर हमले हुए।यह आंकड़ा सरकारी संस्थाओं और कंज्यूमर गुड्स कंपनियों से भी अधिक है। वैश्विक स्तर पर यह क्षेत्र स्वास्थ्य क्षेत्र के बाद दूसरे स्थान पर है।

सरकारी संस्थानों पर हर सप्ताह होता है 5,140 साइबर हमला

रिपोर्ट के अनुसार, शिक्षा क्षेत्र के बाद सबसे अधिक हमला सरकारी संस्थानों (5,140 हमले प्रति सप्ताह) और कंज्यूमर गुड्स एवं सेवाएं (3,889 हमले प्रति सप्ताह) पर हुआ। इससे साफ है कि अलग-अलग उद्योगों पर साइबर खतरों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। समग्र रूप से भारत में पिछले छह महीनों में हर सप्ताह औसतन 3,233 साइबर हमले हुए, जो वैश्विक औसत 2,002 हमलों से काफी अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि शिक्षण संस्थानों पर साइबर हमलों की संख्या बढ़ने के पीछे कई अहम कारण हैं। ▶10पर

काउंटिंग प्रक्रिया में हुआ बड़ा बदलाव

बिहार चुनाव से लागू होगा

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने डाक मतपत्रों की गिनती में पारदर्शिता लाने के लिए नई व्यवस्था लागू की है। अब ईवीएम की गिनती का दूसरा अंतिम चरण तभी होगा जब डाक मतपत्रों की गिनती पूरी हो जाएगी। यह व्यवस्था सबसे पहले बिहार विधानसभा चुनावों में लागू होगी। डाक मतपत्रों की संख्या बढ़ने के मद्देनजर आयोग ने पर्याप्त टेबल और गिनती कर्मी लगाने के भी निर्देश दिए हैं। लोकसभा और विधानसभा चुनावों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग ने डाक मतपत्रों की गिनती की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित कर दिया है। अब गिनती के दौरान यह सुनिश्चित किया जाएगा कि डाक मतपत्रों की गिनती पूरी होने से पहले ईवीएम की गिनती का अंतिम चरण शुरू न हो। ▶10पर

रील स्मार्ट, मास्टर इंस्टाग्राम विद द प्रोज नामक वर्कशॉप का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो महिला विंग, बेंगलूरु साउथ ने दिजीनारी के अंतर्गत एक प्रेरणादायी वर्कशॉप, रील स्मार्ट, मास्टर इंस्टाग्राम विद द प्रोज का आयोजन बुधवार को आदर्श कॉलेज (न्यू ब्लॉक) में किया।

इस सत्र का संचालन जॉइंट सेक्रेटरी साक्षी नाहर ने किया, जिसमें 120 सदस्य शामिल हुए और यह जानने को उत्साहित दिखे कि किस प्रकार इंस्टाग्राम व्यवसाय और व्यक्तिगत ब्रांड को बदल सकता है। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र के उच्चारण और गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने स्वागत भाषण में बताया कि इंस्टाग्राम ने विशेष रूप से महिला उद्यमियों को सशक्त बनाया है, चाहे छोटे स्तर पर हों या बड़े, अब महिलाएँ घर बैठे ही अपना व्यवसाय शुरू कर सकती हैं, उसका विपणन कर सकती हैं और आगे बढ़ा सकती हैं। उन्होंने कहा, यह मंच केवल पहचान ही नहीं देता, बल्कि अनगिनत महिलाओं के लिए आर्थिक आत्मनिर्भरता भी लेकर आया है। दिन का मुख्य आकर्षण रही सुष्मिता सेठिया, इन्फ्लुएंसर, ट्रेनर, मॉमी ब्लॉगर और कंटेंट क्रिएटर की ऊर्जावान और रोचक प्रस्तुति। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा कर सभी को बताया कि कैसे उन्होंने कंटेंट क्रिएशन के जुनून को पेशे में बदला। सुष्मिता ने कहा कि अब इंस्टाग्राम विकल्प नहीं, बल्कि हर उद्यमी के लिए जुड़ने, दिखाने और बढ़ने का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने सदस्यों को एक स्टेप-बाय-स्टेप रोडमैप समझाया, बिजनेस अकाउंट बनाना, प्रामाणिक प्रोफाइल तैयार करना और ब्रांड को दर्शाने वाला कंटेंट तैयार करना। उन्होंने निरंतरता पर जोर देते हुए कहा, हर दिन कम से कम एक रील, एक स्टोरी और एक फीड पोस्ट जरूर करें ताकि आप प्रासंगिक बने रहें।

साथ ही उन्होंने कंटेंट कैलेंडर बनाने की सलाह दी और यह भी सिखाया कि आकर्षक वीडियो कैसे शूट करें, कैप्शन और ट्रेंडिंग साउंड का उपयोग कैसे करें तथा पोल, प्रश्नोत्तर और डीएम के जरिए फॉलोअर्स से कैसे जुड़ें। सत्र केवल मूलभूत बातों तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने यह भी समझाया कि ब्रांड्स के साथ सहयोग कैसे करें, एनालिटिक्स का स्मार्ट उपयोग कैसे करें और रचनात्मकता को कमाई में कैसे बदला जाए। सुष्मिता ने अपने उद्बोधन को इन शब्दों में समेटा, इंस्टाग्राम आपका डिजिटल बिजनेस कार्ड है, यदि आप इसे समझदारी से इस्तेमाल करें तो यह आपके लिए अनगिनत द्वार खोल सकता है।

वर्कशॉप की कन्वीनर वनीता बच्छावत ने ट्रेनर का परिचय कराया, जबकि को-कन्वीनर तरुणा मेहता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। वाइस चेयरपर्सन नीलम शांड ने जे पॉइंट पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा जैन व्यवसायों को बल्क ट्रेड, टेंडर एक्सेस और भरोसेमंद नेटवर्किंग से सशक्त बनाता है। फ्री रजिस्ट्रेशन और ग्लोबल मार्केटप्लेस के साथ यह अवसरों को विकास में बदलता है। इसका उत्सव अभियान, भारत का सबसे बड़ा 90 दिवसीय डिजिटल उत्सव, एकता, गौरव और फैशन, फूड व इलेक्ट्रॉनिक्स पर विशेष डील्स लाकर जैन व्यवसाय पारिस्थितिकी तंत्र को नई ऊँचाई देता है। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए श्रमण आरोग्यम एपेक्स कन्वीनर सुनीता गांधी, कोषाध्यक्ष संगीता पारख और मैनेजमेंट कमेटी की सदस्याएँ नीशा कोठारी, संगीता सियाल, नीतू गुलेचा, हेमा सोलंकी और अस्मिता चौहान भी उपस्थित रहीं। सत्र में और आकर्षण जोड़ते हुए तावोन बाय रेखा सुराना ने गिफ्ट स्पॉन्सर के रूप में सहभागिता की, जिससे प्रतिभागी नई सीखों के साथ-साथ यादगार उपहार भी लेकर लौटे। प्रेरणा, आनंद और उपयोगी सुझावों का संगम बना यह रील स्मार्ट वर्कशॉप, जिसमें प्रतिभागियों ने जाना कि इंस्टाग्राम केवल एक सोशल ऐप्प नहीं, बल्कि गंभीर व्यावसायिक उपकरण है।

स्कूल परिसर में पेयजल हेतु जल शुद्धिकरण सयंत्र लगाया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अग्रवाल समाज मैसूरु की ओर से महाराजा अग्रसेन की जयंती के उपलक्ष में आलनहल्ली स्थित सीरवी समाज के माध्यम से संचालित शाश्वत सेवा स्कूल परिसर में पेयजल हेतु जल शुद्धिकरण सयंत्र लगाया गया। अग्रवाल समाज अध्यक्ष डॉ. श्रीकृष्ण मित्तल ने विद्यार्थियों को स्वच्छ जल पिला कर योजना का शुभारंभ किया। साथ ही सुदर्शन सेवा संस्था में अध्ययनरत विधार्थियों के शिक्षार्जन हेतु डिजिटल उपकरण देने की घोषणा की। शाश्वत सेवा स्कूल के सचिव मोटाराम सीरवी ने अग्रवाल समाज के कार्यों की सराहना करते हुए आभार जताया। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष श्रीकृष्ण ने अपने सम्बोधन में बताया कि महाराजा अग्रसेन का समाजहित में सहायता का योगदान उनके 'एक ईंट, एक रुपया' के अद्वितीय सिद्धांत में निहित है, जिसमें उन्होंने अग्रोहा में बसने वाले हर नए परिवार की मदद के लिए नगर के प्रत्येक निवासी से एक ईंट और एक रुपया देने का नियम बनाया था।

जिससे नए लोग आर्थिक रूप से मजबूत होकर बस सकें और समाज में समानता व भाईचारा कायम रहे। उन्होंने अहिंसा, समानता और सहयोग जैसे मूल्यों पर आधारित समाज की स्थापना की, जो हर समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। समाज में ऊँच-नीच के भेद को समाप्त कर सभी को समान अवसर प्रदान किया। महाराजा अग्रसेन ने यज्ञों में होने वाली पशु बलि के स्थान पर अहिंसा को अपनाया और सभी जीवों के प्रति करुणा दिखाई। अग्रसेन ने अपने शासनकाल में धर्म, व्यापार, कृषि और गौपालन के विकास के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की पुनः प्रतिष्ठा पर भी विशेष रूप से ध्यान दिया। उनका जीवन त्याग, समानता और समाज सेवा का एक आदर्श उदाहरण है। इस अवसर पर उपाध्यक्ष पवन केडिया, सचिव पंकज आर्य, सहसचिव महेश सिंहला, सदस्य बाबूलाल मित्तल, प्रमोद खेमका, महिला मंडल संयोजिका दीपा जालुका, अंजू गोयल, प्रियंका खेमका, संगीता अग्रवाल और बेला मित्तल आदि उपस्थित रहे।

शुक्ल ध्यान से खुलते हैं आत्मानुभूति के द्वार: साध्वी उपमा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजाजीनगर स्थित श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी निर्मला जी के सानिध्य में साध्वी उपमा ने पाँचवें आवश्यक कायोत्सर्ग पर प्रवचन देते हुए कहा आत्मा का स्वभाव एक है ज्ञाता और दृष्टा, अर्थात् जानना और देखना। जब आत्मा अपने स्वभाव से हटकर विभाव की ओर जाती है, तो उसमें परिवर्तन आ जाता है। उन्होंने कहा कि किसी एक आलम्बन पर मन को केन्द्रित करना ही ध्यान है। ध्यान के चार भेद बताए गए हैं, आर्त ध्यान, रौद्र ध्यान, धर्म ध्यान और शुक्ल ध्यान। इनमें से आर्त और रौद्र ध्यान आत्मा के लिए बंधन कारक हैं, जबकि धर्म और शुक्ल ध्यान आत्मा को मुक्त करने वाले हैं। शुक्ल ध्यान की साधना सर्वोच्च और कठिन है, क्योंकि यह भेद-विज्ञान की साधना है मैं शरीर नहीं, आत्मा हूँ। जब मन की अत्यन्त निर्मलता होती है, तब जो एकाग्रता उत्पन्न होती है वही शुक्ल ध्यान है। यह परिपूर्ण समाधि की स्थिति है और इसी से आत्मानुभूति के द्वार खुलते हैं। साध्वी उपमा ने आगे कहा रागी वैरागी वीतरागी तीनों की स्थिति को समझना ही आध्यात्मिक प्रगति का मार्ग है। इसी क्रम में साध्वी उपासना ने राजकुमार गोविंदसिंह की कथा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि समयानुसार निर्णय और विचार बदलना ही विवेकपूर्ण निर्णय कहलाता है। समय रहते अपने जीवन में परिवर्तन करना प्रत्येक व्यक्ति के लिए अति आवश्यक है। कार्यक्रम में साध्वी ऋषिता ने मधुर स्तवन की प्रस्तुति दी। आभार ज्ञापन युवा अध्यक्ष धीरज नाहर ने व्यक्त किया। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

स्त्री धन, शक्ति या समर्पण विषय पर विशेष सेमिनार का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा राष्ट्रीय प्रोजेक्ट श्रमण आरोग्यम के अंतर्गत स्त्री धन शक्ति या समर्पण विषय पर एक विशेष एवं प्रेरणादायी सेमिनार का आयोजन कुमारा पार्क स्थित सुराणा साधना संकुल भवन में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार महामंत्र से हुई, जिसमें लगभग 200 महिलाएँ उपस्थित रहीं और अपनी सहभागिता से आयोजन को सफल बनाया। इस अवसर पर आचार्य श्री अभयशेखर सूरिश्वरजी ने नारी के स्वभाव को सहजता और सुकोमलता का विशेषण बताते हुए कहा कि स्त्री का असली सौंदर्य उसके सहकार और समर्पण में है। उन्होंने कहा कि नारी का अस्तित्व बेमिसाल है, जो परिवार को जोड़े रखता है और संस्कार एवं सामंजस्य बनाए रखता है। आचार्यश्री ने यह भी कहा कि समर्पण ही वास्तविक शक्ति है और यदि नारी अपने जीवन में 12 व्रतों को अपनाए तो उसका व्यक्तित्व और अधिक सशक्त, पवित्र एवं समाजोपयोगी बन सकता है। साध्वी श्री संस्कार निधिश्री जी ने अपने उद्बोधन में नारी की महत्ता को दिशा-ज्ञान से जोड़ते हुए उसे हीरे समान अमूल्य बताया और जेएलडब्लू को जॉइनिंग पावर, लविंग पावर और वर्किंग पॉवर की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि नारी ब्यूटी, ड्यूटी और प्योरिटी के आभूषणों से सुसज्जित होकर जीवन को सार्थक बनाती है। साध्वीश्री ने जीतो महिला विंग के कार्यों की सराहना करते हुए समाज एवं धर्म संबंधी कार्यों में और अधिक सक्रियता हेतु प्रेरित किया तथा अंताक्षरी प्रश्नोत्तरी से महिलाओं की सहभागिता को और रोचक बना दिया।

अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने स्वागत करते हुए कहा कि जेएलडब्लू महिलाओं का एक सशक्त मंच है, जहाँ हर महिला को अपनी क्षमताओं को पहचानने और समाजहित में उपयोग करने का अवसर मिलता है। महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने मंच संचालन करते हुए कहा कि नारी जीवन में शक्ति और समर्पण दोनों का अनुपम संदेश देती है। इस अवसर पर केकेजी जोन कन्वीनर पिंकी जैन ने जे-पॉइंट उत्सव की जानकारी दी और जीतो वर्ड ऐप्प पर अपने व्यापार को जोड़ने की एवं विशेष छूट का लाभ लेने का आग्रह किया। कार्यक्रम में एपेक्स श्रमण आरोग्यम कन्वीनर सुनीत गांधी, सरिता खीवेंसरा, रेशमा पुनमिया एवं चित्रा मेहता सहित कई कार्य समिति सदस्य उपस्थित रहे। सह-संयोजिका मधु बलडोटा ने गीतिका प्रस्तुति से वातावरण को भावपूर्ण बना दिया, जबकि संयोजिका अल्का लोढ़ा ने आचार्यश्री का जीवन परिचय प्रस्तुत कर आभार व्यक्त किया।

किसी का सबसे बड़ा लक्ष्य स्वयं आत्मा का एहसास करना: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर राजेंद्र सूरि जिन गुरुमंदिर ट्रस्ट दावणगेरे के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में विराजित साध्वी भव्य गुणा श्री ने विशिष्ठ औषधियों द्वारा 108 उवस्सगहरं स्तोत्र, नमिउण स्तोत्र एवं शांतिधारा स्तोत्र अभिषेक के अवसर पर कहा कि अभिषेक स्व की चेतना आध्यात्मिक प्रकृति के साथ मिलन को दर्शाता है।

अभिषेक उस तप का प्रतीक है जो व्यक्ति को स्वयं की प्राप्ति के लिए करना होता है। अभिषेक से भक्त को यह लाभ होता है कि यह प्रक्रिया भक्त को सभी सीमाओं, नकारात्मकताओं, वृत्तियों, भ्रमों और परिभाषाओं से मुक्त कर देती है। प्रत्येक अभिषेक उपासक को स्वयं के करीब ले जाता है और परमात्मा के साथ उसके मिलन का एहसास कराता है। आत्मा का परमात्मा से अलगाव ही सभी दुखों का कारण है। अभिषेक की प्रत्येक वस्तु का एक गहरा अर्थ होता है। दूध- लंबी आयु का लाभ प्रदान करने वाला, पोषण का प्रतीक है। यह हमारे मन को

सकारात्मक विचारों, शास्त्रों के ज्ञान से पोषित करके मन को मजबूत बनाने में मदद करता है। जटामासी चूर्ण जीवन से दुःख और समस्याओं को दूर करने में मदद करता है, शीतलता का प्रतीक है।

केशर एवं केशुडा फुल - सच्चे आत्म का एहसास करने के लिए भौतिक दुनिया से वैराग्य लाता है। चंदन स्वयं को शुद्ध करने और दिव्य सुगंध से भरने का प्रतीक है। दही जीवन के खूबसूरत अनुभवों को सहेजने और संजोकर रखने की कला का प्रतीक है। शक्कर मिश्री - शत्रुता दूर करने के लिए जानी जाती है। यह हर परिस्थिति के साथ अनुकूलन करने की क्षमता का प्रतीक है। घी मोक्ष प्राप्त करने में मदद करता है। हमें याद दिलाता है कि किसी का सबसे बड़ा लक्ष्य स्वयं आत्मा का एहसास करना है।

पारसमल, मांगीलाल, वरदीचंद परिवार ने सेवा का लाभ लिया। बेंगलूरु से गुरुभक्त ने दर्शन वंदन का लाभ लिया। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ एवं ट्रस्ट मंडल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आत्म ज्ञान से ही जीवन का उद्धार संभव: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि संसार में बुहत से ऐसे लोग होते हैं जो विद्या और ज्ञान नहीं जानते हैं। बहुत सारे लोगों से तपस्या भी नहीं होती है। विद्या से संसार में पेट भरता है।

लेकिन ज्ञान अलग है जो कहता है तन अलग है आत्मा अलग है। जिसमें आत्म ज्ञान है उसके जीवन में प्रकाश आ जाता है। एक बार जीवन में प्रकाश आने पर किसी की आस नहीं होती है। जब मनुष्य के अंतर्मन में प्रकाश आ जाता है तब उसे तन धन की कोई आवश्यकता नहीं होती है। आज तन अपना है कल खराब हो सकता है। धन आज है कल नहीं होगा। इसको जानने वाला ही आत्म ज्ञानी होता है। जब मनुष्य संसार की चीजों के बारे में जान लेता है तो उसके आत्मा का कल्याण होना शुरू हो जाता है। मनुष्य जब अपनी आत्मा में लीन होता है तो उसको किसी चीज पर मोह माया नहीं होती है। आत्मा में लीन होना ही संथारा होता है। जिसके पास ज्ञान, धर्म नहीं है वह संसार में भार के रूप हैं। उनको किसी चीज का ज्ञान नहीं होता है। बस खा रहे हैं और जी रहे है। उनको धर्म ध्यान से कोई मतलब नहीं होता है। पहले के समय में लोग धर्म ध्यान के लिए सब कुछ छोड़ देते थे। लोग धर्म को पहले स्थान पर रखते थे। कमाई धमाई से पहले धर्म को मान देते थे। धर्म का असली सार विवेक ज्ञान रखना है। धर्म धर्म कहने से कुछ नहीं होता है। ज्ञान है शील है लेकिन उसको आचरण में नहीं लाया तो वो भी बेकार है। धर्म ज्ञान की बातों को आचरण में लाना जरूरी हैं। कितना ज्ञानी मनुष्य क्यूं ना हो अगर सही आचरण नहीं होगा तो सब बेकार है। ऐसे लोग हर परिस्थिति में शांत रहते है। कितना भी क्रोध आ जाए लेकिन सच्चा धर्मी मनुष्य शांत रहता है। कोई कैसा भी हो उसको सम्मान देना सीखो। सभी के प्रति आपकी भावना अच्छी होनी चाहिए। अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि अब से दीपावली तक के सभी प्रवचन रविवार सहित सुबह 9 से 10 बजे ही होगें। अब से सभी प्रवचनों में सर्वप्रथम पुच्छसणं विरतठुई का पाठ एवं 8 अक्टूबर से रोजाना उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन होगा।

अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ महिला मंडल आर.आर नगर द्वारा अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल में सह मंत्री के रूप में मधु कटारिया एवं साउथ कर्नाटका कन्या मंडल प्रभारी के रूप में रुचिका पटावरी का चयन होने पर अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ साध्वीश्री जी द्वारा नवकार मंत्र से हुआ। साध्वी श्री पुण्ययशा जी ने अपने उद्बोधन में इस आयोजन को प्रमोद भावना कार्यक्रम कहा। उपस्थित श्रावक श्राविकाओं से कहा कि आचार्य श्री तुलसी ने महिलाओं को कहां से कहां तक पहुंचा दिया है। वर्तमान में परम पूज्य गुरुदेव व साध्वी प्रमुखा जी के द्वारा महिला वर्ग के विकास व उड़ान के नए-नए पायदान प्रस्तुत किए जा रहे हैं। उत्साह, उमंग उल्लास के द्वारा ही व्यक्ति विकास के पायदानों को छूता है। मंडल व परिवार के सहयोग के द्वारा ही उड़ानें भरी जा सकती है। दायित्व मिलना एक बात है दायित्वपूर्ण कार्य करना एक बात है। संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठाशील होकर कार्य करने से ही विकास होता है। पद के लिए समय का नियोजन करें। पदलिप्सा से दूर रहकर कार्य करें। प्रतिभा व हर्ष से कार्य करें। संघ व संघपति के प्रति पूर्ण समर्पित रहे। तेरापंथ धर्म संघ में मर्यादा, आज्ञा, अनुशासन समर्पण ही विकास की श्रृंखला है। शक्ति श्रम से ही व्यक्ति हर कार्य को ठोस कर सकता है। सभा अध्यक्ष राकेश छाजेड़ एवं महिला मंडल कि मंत्री वंदना भंसाली ने शुभकामनाएं संप्रेषित करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। महिला मंडल की पदाधिकारी बहनो ने जैन पट्ट एवं बधाई पत्र के द्वारा अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन महिला मंडल की सह मंत्री आशा लोढ़ा ने किया।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान का लोगो जारी

भारत को आज तकनीकी और सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनना होगा : विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का अर्थ केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता नहीं है। भारत को आज आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, तकनीकी और सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनना होगा। नरेंद्र मोदी की इच्छा के अनुरूप, भारत तकनीक और रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। उन्होंने गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 109वीं जयंती समारोह के तहत आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान कार्यक्रम का उद्घाटन किया और अभियान का लोगो जारी किया। बाद में, आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के लिए शपथ ली गई और जगन्नाथ भवन के सामने एक पौधा लगाया गया। बाद में, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय उत्पादों की वैश्विक स्तर पर बिक्री होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने स्वदेशी की अवधारणा में आत्मनिर्भर बनने की इच्छा व्यक्त की है। स्वदेशी विचार केवल हमारे भीतर हों, तो यह संभव नहीं है। उन्होंने स्वदेशी विचारों को अपने घरों और समाज में रोपने का आह्वान किया। राष्ट्रीय स्तर पर और राज्य स्तर पर भी आत्मनिर्भरता कार्यशाला संपन्न हो चुकी है। फिर, दिसंबर माह में, आने वाले दिनों में घर-घर संपर्क के माध्यम से स्वदेशी विचारों पर और जोर देना होगा। इसके माध्यम से हम सभी को एक सशक्त भारत के निर्माण में सक्रिय होना चाहिए। उन्होंने प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता से राष्ट्र निर्माण में हमारे साथ जुड़ने की अपील की। देश के गौरवशाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रेरित नहीं होते तो यह संकल्प नहीं ले पाते कि वर्ष 2047 तक भारत एक विकसित देश बने। एक आत्मनिर्भर भारत, एक आत्मनिर्भर भारत का निर्माण हो। क्योंकि नरेंद्र मोदी एक व्यक्ति और एक शक्ति की तरह प्रधानमंत्री के रूप में देश का नेतृत्व कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय से प्रेरित थे। श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, लाल कृष्ण आडवाणी और अटल बिहारी वाजपेयी देशभक्त और राष्ट्रभक्त नागरिक बनाने के लिए कृतसंकल्प थे। उन्होंने कहा कि भारत को समृद्ध भारत बनना है, जिसके लिए एक राजनीतिक दल की आवश्यकता है, और उन्होंने जनसंघ के माध्यम से भाजपा को बनाने का कार्य किया। उन्होंने याद दिलाया कि यदि दीनदयाल उपाध्याय ने भाजपा को अस्तित्व नहीं दिया होता, तो हम सभी को बैठकर बात करने का अवसर नहीं मिलता। राजनीति में ईमानदारी, निष्ठा और सिद्धांत होने पर ही हम किसी लक्ष्य तक पहुँच पाएंगे। वह व्यक्ति हो या न हो, लेकिन स्पष्ट विचार और सिद्धांतों को रखकर दीनदयाल उपाध्याय ने जनसंघ के माध्यम से भाजपा को मजबूती प्रदान की।

जनसंघ के समय से ही भाजपा राज्य और देश में विकसित हुई है और देश के कई राज्यों में सत्ता में है। उन्होंने बताया कि भाजपा 15 करोड़ से अधिक पंजीकृत सदस्यों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में उभरी है और केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार लगातार तीन बार सत्ता में रही है। हमारी आँखों के सामने एक विशाल इमारत दिखाई दे रही है। लेकिन इमारत की नींव हमारी आँखों को दिखाई नहीं देती। इसी तरह, भाजपा आज ऊँचाई पर पहुँच गई है। उन्होंने कहा कि हमें पार्टी को संगठित करने के लिए और अधिक ताकत मिलेगी क्योंकि हम उस ताकत और प्रेरणा को याद करते हैं जो इतनी ऊँचाई तक पहुँच गई है। इस मौके पर विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, भाजपा के प्रदेश महासचिव पी. राजीव, विधायक भागीरथी मुरली, डॉ. सिद्दू पाटिल, विधायक के. प्रतापसिंह नायक, राज्य सचिव डॉ. लक्ष्मी अश्विन गौड़ा, शरणु तारिकेरी, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरिगौड़ा, आत्मनिर्भर भारत अभियान के सह-संयोजक एस.वी. राघवेंद्र और विजित किट्टूर और पार्टी नेता उपस्थित थे।

कई बाधाओं के बाद जाति सर्वेक्षण धीरे-धीरे गति पकड़ रहा: मंत्री

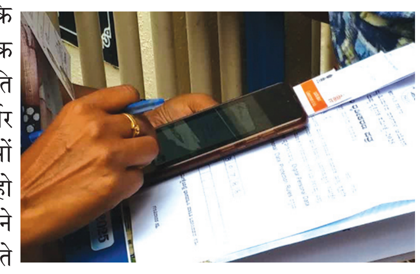

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री शिवराज ने कहा कि सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है। सर्वर समेत कई समस्याओं का समाधान जल्द हो जाएगा। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि दूसरे दिन, 71 हजार लोगों का सर्वेक्षण किया गया। गुरुवार सुबह जब जानकारी ली गई, तो दो से तीन घंटे में 1.93 लाख लोगों का सर्वेक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन औसतन 10 लाख लोगों का सर्वेक्षण करने का लक्ष्य है। सर्वर की धीमी गति की समस्या है, और इसे ठीक करने के लिए कदम उठाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि लगभग सभी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। सरकार अंतिम व्यक्ति तक सुविधाएँ पहुँचाने के उद्देश्य से सर्वेक्षण कर रही है। यह जाति जनगणना नहीं है। सर्वेक्षण के लिए तैयार किए गए 60 प्रश्नों में से एक जाति है। बाकी 59 प्रश्नों पर चर्चा क्यों नहीं हो रही है? विपक्षी दलों के पास चर्चा करने के लिए कोई विचार नहीं है। राज्य में ढाई साल के कांग्रेस शासन में लोगों का भला हुआ है और उनका झुकाव कांग्रेस की ओर है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा ने सुबह होते ही सर्वेक्षण की आलोचना शुरू कर दी है, उन्हें डर है कि अगर सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण सफल रहा और लोगों को इससे ज्यादा सुविधाएँ मिलीं, तो वे कांग्रेस की ओर झुक जाएँगे। सर्वेक्षण के पैटर्न में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसे यथावत चलाया जा रहा है। 1561 जातियों के आंकड़े संकलित किए गए हैं, यह स्वप्रेरित नहीं है। इससे पहले, कांताराजू आयोग के सर्वेक्षण में धर्म और उपजातियों की जानकारी थी। शुरुआती दौर में कुछ समस्याएँ थीं। सब ठीक किया जा रहा है। अब सर्वेक्षण सुचारू रूप से चल रहा है। यह 7 अक्टूबर तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर सर्वेक्षण निर्धारित समय में पूरा नहीं हुआ, तो समय सीमा बढ़ाने के बारे में मुख्यमंत्री से चर्चा की जाएगी। यह गलत जानकारी है कि कुछ मंत्रियों ने कैबिनेट बैठक में विरोध जताया है। सभी ने इस बात पर सहमति जताई है कि सर्वेक्षण कराया जाना चाहिए, कुछ ने इसका सुझाव भी दिया है। उन्होंने कहा कि आयोग इस पर विचार करेगा। जीएसटी के मुद्दे पर केंद्र का व्यवहार हास्यास्पद और घृणित है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा पहले टैक्स बढ़ाकर उसे महंगा करना और फिर उसे कम करके उसे बचत उत्सव के रूप में मनाना हास्यास्पद है।

पत्नी पर शक होने पर पति ने दो बच्चों की बेरहमी से हत्या कर दी

यादगीर/शुभ लाभ ब्यूरो। यादगीर ग्रामीण पुलिस स्टेशन के अंतर्गत एक व्यक्ति द्वारा अपनी पत्नी के चरित्र पर शक के चलते दो बच्चों की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या करने की हृदयविदारक घटना घटी है। तालुका के चट्टीकुनी गाँव के सान्वी (5) और भरत (3) मासूम बच्चे अपने पिता के गुस्से का शिकार हुए। शरणप्पा नाम का एक व्यक्ति अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करते हुए उससे बिना वजह झगड़ा करता था। वह आए दिन किसी न किसी बात पर अपनी पत्नी पर शक जाहिर करता था। नतीजतन, दोनों के बीच झगड़ा होता रहता था। शरणप्पा रात में भी अपनी पत्नी से झगड़ा करता था। गुरुवार सुबह करीब 6 बजे, जब उसकी पत्नी पेशाब करने के लिए बाहर गई थी, तो उसने गुस्से में आकर अपने तीनों सो रहे बच्चों पर कुल्हाड़ी से अंधाधुंध वार कर दिया और कुल्हाड़ी लेकर फरार हो गया। कुल्हाड़ी के हमले में दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य बेटा हेमंत (8) गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि माता-पिता के झगड़े में मासूम बच्चों की जान चली गई। यह खबर मिलते ही डीएसपी और पीएसआई मौके पर पहुँचे और जाँच की। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर आरोपी शरणप्पा की तलाश शुरू कर दी है।

साहित्य के नायक को दी गई श्रद्धांजलि, आज चामुंडी की तलहटी में होगा अंतिम संस्कार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कन्नड़ सारस्वत जगत के दिग्गज, प्रतिष्ठित लेखक, उपन्यासकार, सरस्वती सम्मान से सम्मानित, पद्मभूषण डॉ. एस.एल. भैरप्पा को उनके प्रशंसकों, गणमान्य व्यक्तियों, लेखकों और कलाकारों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। बुधवार को दिवंगत हुए भैरप्पा के अंतिम दर्शन गुरुवार को बेंगलूरु स्थित रवींद्र कलाक्षेत्र परिसर में आयोजित किए गए। राज्य के कोने-कोने से आए साहित्यप्रेमी, पाठक, राजनीतिक गणमान्य व्यक्ति, कलाकार, बड़े और छोटे पर्दे के अभिनेता और अभिनेत्रियों ने दिवंगत महान लेखक को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक, कन्नड़ एवं संस्कृति मंत्री शिवराज थंगदागी, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी.एन. अश्वथनारायण, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, वरिष्ठ अभिनेत्रियाँ तारा अनुराधा, मालविका अविनाश, दूरदर्शन, आकाशवाणी के कलाकार, वरिष्ठ पत्रकार और प्रशंसकों के एक विशाल समूह ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रशंसकों द्वारा भैरप्पा के उपन्यासों और साहित्य की प्रशंसा करते देखना आम बात थी।

पाठकों ने अपने-अपने तरीके से बताया कि किस प्रकार भैरप्पा ने अपने उपन्यासों के माध्यम से कन्नड़ साहित्य को समृद्ध किया। हासन जिले के संतेशिवरा गाँव, उनके गृहनगर से भी बड़ी संख्या में प्रशंसक पहुँचे थे। इसके अलावा, मैसूरु, जहाँ वे कार्यरत थे, और सुदूर सहित विभिन्न स्थानों से उनके मित्र और रिश्तेदार दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देने आए। दोपहर तक जनता के दर्शन की अनुमति थी। दोपहर में पार्थिव शरीर को मैसूरु ले जाया गया। वहाँ, शाम को कलामंदिर में जनता को उनके दर्शन की अनुमति दी गई। शुक्रवार को भैरप्पा का अंतिम संस्कार मैसूरु में चामुंडी पहाड़ियों की तलहटी में राज्य सरकार द्वारा निर्धारित सभी सम्मानों और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ किया जाएगा। इसी बीच भैरप्पा के निधन पर पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा और केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

देवेगौड़ा ने अपने शोक संदेश में कहा कि कन्नड़ साहित्य जगत के प्रख्यात लेखक, सरस्वती सम्मान पुरस्कार से सम्मानित और पद्मभूषण डॉ. एस.एल. भैरप्पा के निधन की खबर सुनकर उन्हें गहरा दुख हुआ है। कन्नड़ साहित्य जगत को उत्कृष्ट उपन्यास देने वाले और लाखों पाठकों के दिलों को छूने वाले भैरप्पा का निधन कन्नड़ साहित्य जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। देवेगौड़ा ने कहा ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और मैं भी उनके परिवार और प्रशंसकों के दुःख में शामिल हूँ।

केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा कि प्रसिद्ध उपन्यासकार सरस्वती समान पुरस्कार विजेता, जिन्होंने अपने उपन्यासों पर्व और उत्तरकांड के माध्यम से महाभारत और रामायण को पढ़ने के हमारे तरीके को बदल दिया, के निधन की खबर सुनकर गहरा सदमा पहुँचा है। मैंने भैरप्पा के उपन्यासों को ध्यान से पढ़ा है। मैं उनकी कहानी कहने की शैली और चरित्र-निर्माण की प्रतिभा से अभिभूत हूँ। वे एक सच्चे भारतीय उपन्यासकार थे, जिनका जन्म कन्नड़ की धरती पर हुआ और उन्होंने कन्नड़ में ही लिखा। उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निधन से एक बहुत बड़ा शून्य पैदा हो गया है। भैरप्पा के निधन से मुझे व्यक्तिगत रूप से बहुत दुख हुआ है।

उपमुख्यमंत्री ने कावेरी आरती की तैयारियों का किया निरीक्षण

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार से केआरएस वृंदावन में होने वाली प्रतीकात्मक कावेरी आरती के लिए स्थल का निरीक्षण किया। मंच, कावेरी आरती स्थल और दर्शकों के बैठने की व्यवस्था का निरीक्षण करने के बाद, उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कार्यक्रम को बिना किसी चूक के संचालित करने के निर्देश दिए। बेंगलूरु शहर जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड के आयुक्त राम प्रसाद मनोहर, जो कावेरी आरती समिति के अध्यक्ष भी हैं, ने उपमुख्यमंत्री को कावेरी आरती की विस्तृत जानकारी दी। उपमुख्यमंत्रियों ने कावेरी आरती के पूर्व-पूर्वाभ्यास का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान श्रीरंगपटना विधानसभा क्षेत्र के विधायक और चेसकॉम के अध्यक्ष रमेश बंदीसिद्दे गौड़ा, मांड्या विधायक पी. रविकुमार, विधान परिषद सदस्य दिनेश गूली गौड़ा, जिला कलेक्टर डॉ. कुमार, जिला पंचायत की मुख्य कार्यकारी अधिकारी के.आर. नंदिनी और जिला पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बालादंडी उनके साथ थे।

मैसूरु में भैरप्पा के स्मारक के निर्माण की घोषणा: मुख्यमंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि मैसूरु में लेखक एस.एल. भैरप्पा का स्मारक बनाया जाएगा। बेंगलूरु स्थित रवींद्र कलाक्षेत्र में उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि महान लेखक का निधन साहित्य जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

भैरप्पा ने 25 से ज्यादा उपन्यास लिखे। उनकी रचनाओं का 40 भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में अन्य लेखकों की पुस्तकों के अनुवाद का कोई उदाहरण नहीं है। उन्होंने हाई स्कूल से लेकर स्नातकोत्तर तक की पढ़ाई मैसूरु में की थी। वे कड़ी मेहनत से आगे बढ़े। वे दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर थे। वे छोटी उम्र से ही साहित्य सृजन में लगे रहे। उन्होंने कहा कि वे अध्यापन और लेखन दोनों में एक साथ सफल रहे। उन्हें पद्मश्री, सरस्वती सम्मान, नादोजा, राज्योत्सव, पंपा सहित कई पुरस्कार मिले थे। वे इन सभी के हकदार थे। उन्होंने कहा कि उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार न मिलने का दुख अभी भी है, और मेरे विचार से उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार मिलना चाहिए था। भैरप्पा और मेरे बीच मतभेद तो थे, लेकिन हमारी दोस्ती कम नहीं हुई। साहित्य और विचार अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन ऐसा कोई नियम नहीं है कि वे एक जैसे ही हों। उन्होंने कहा कि सिर्फ इसलिए कि हमारे विचार अलग हैं, इसका मतलब यह नहीं कि हमें प्रशंसक नहीं होना चाहिए। इस अवसर पर सिद्धरामैया ने भैरप्पा के परिवारजनों से मुलाकात की और अपनी संवेदनाएँ व्यक्त कीं।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

प्रियांक खड़गे ने शहर को 'सिलिकॉन बीच' बनाने का पेश किया विजन

टेक पार्क, ब्लू इकोनॉमी को बढ़ावा दिया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के आईटी, बीटी और ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खड़गे ने मेंगलूरु को एक प्रमुख तटीय प्रौद्योगिकी और नवाचार केंद्र में बदलने के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप की रूपरेखा तैयार की है और इसे भारत का संभावित 'सिलिकॉन बीच सिटी' करार दिया है। नई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, एक प्रस्तावित मेगा टेक पार्क और क्लस्टर-आधारित नवाचार निधि के समर्थन से, इस कदम का उद्देश्य बेंगलूरु से परे कर्नाटक के तकनीकी विकास का विकेंद्रीकरण करना और स्थानीय उद्यमिता, विशेष रूप से नीली अर्थव्यवस्था में, को बढ़ावा देना है। खड़गे बुधवार शाम को मेंगलूरु में दो अलग-अलग कार्यक्रमों में बोल रहे थे, जिसमें जिला पंचायत कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस और टी एम ए पाई कन्वेंशन सेंटर में ''बियॉन्ड बेंगलूरु'' पहल के तहत कर्नाटक डिजिटल इकोनॉमी मिशन

(केडीईएम) द्वारा आयोजित मेंगलूरु टेक्नोवांजा 2025 का पाँचवां संस्करण शामिल है। खड़गे ने घोषणा की कि मेंगलूरु के सबसे बड़े प्रौद्योगिकी पार्क का प्रस्ताव अगले सप्ताह के भीतर राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा। यह सुविधा 3.25 एकड़ में फैली है, जिसका निर्मित क्षेत्रफल 3.5 लाख वर्ग फुट है और इसमें 3,500 पेशेवरों के लिए कार्य क्षमता है। यह टेक पार्क मेंगलूरु-उडुपी-मणिपाल इनोवेशन क्लस्टर के लिए एक केंद्रीय अवसंरचना केंद्र के रूप में काम करेगा। यह क्लस्टर स्टार्टअप्स और अनुसंधान को समर्थन देने वाली 1,000 करोड़ रुपये की राज्य पहल के तहत पहचाने गए छह ऐसे क्लस्टरों में से एक है। खड़गे ने पुष्टि की कि 250 करोड़ रुपये की प्रारंभिक राशि पहले ही जारी की जा चुकी है। उन्होंने स्थानीय शैक्षिक और औद्योगिक हितधारकों से परामर्श करने और एक महीने के भीतर क्षेत्रीय आवश्यकताओं की एक विस्तृत सूची प्रस्तुत करने का आग्रह किया, ताकि सरकारी हस्तक्षेप स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप हो सकें। कर्नाटक की अर्थव्यवस्था में मेंगलूरु के बढ़ते योगदान पर प्रकाश डालते हुए, खड़गे ने कहा कि जहाँ बेंगलूरु राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का 40 प्रतिशत हिस्सा है, वहीं मेंगलूरु 5.4 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर है। इसके विपरीत, कलबुर्गी 1.9 प्रतिशत का योगदान देता है। मंत्री ने कहा कि मेंगलूरु के पारिस्थितिकी तंत्र में उद्यमशीलता और नीली अर्थव्यवस्था से प्रेरित आर्थिक गतिविधियों की अपार संभावनाएँ हैं और उन्होंने इस परिवर्तन को समर्थन देने के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचा प्रदान करने का संकल्प लिया। उन्होंने आगे कहा कि कर्नाटक भर में पंजीकृत 400 स्टार्टअप्स में से 81 मेंगलूरु-उडुपी-मणिपाल क्षेत्र में स्थित हैं, जिनमें से 30 महिलाओं द्वारा संचालित स्टार्टअप हैं। पिछले वर्ष इस क्षेत्र ने 3,500 करोड़ रुपये का आईटी निर्यात दर्ज किया और राज्य का लक्ष्य इस आंकड़े को दोगुना करना है, साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि रोजगार सृजन और उद्यमिता के माध्यम से स्थानीय मानव संसाधनों को बनाए रखा जाए। खड़गे ने जोर देकर कहा कि मेंगलूरु का तटीय और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र इसे नीली अर्थव्यवस्था उद्यमों के लिए एक आदर्श केंद्र बनाता है। सरकार स्टार्टअप्स को समुद्री जीवन, जलीय कृषि और महासागरीय स्थिरता से संबंधित चुनौतियों के समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है और इन मोर्चों पर काम करने वाली कंपनियों को प्रोत्साहन देने का वादा किया है। मंत्री ने यह भी बताया कि कलबुर्गी को कृषि-प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में बढ़ावा देने के प्रयास जारी हैं, जबकि मेंगलूरु को एक व्यापक क्लस्टर-आधारित विकास मॉडल के तहत समुद्री और नीली अर्थव्यवस्था पहलों के लिए तैयार किया जाएगा।

दीनदयाल उपाध्याय के मुक्ति के स्वप्न को साकार करने का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है: बोम्मई

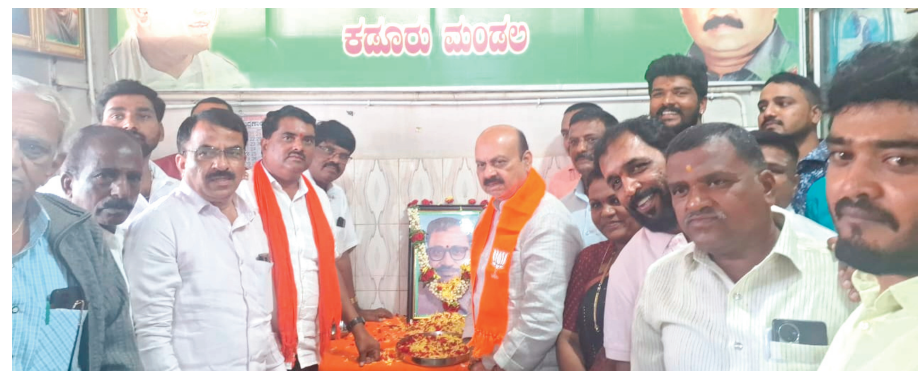

चिक्कमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि देश के 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के मुक्ति के विचारों को साकार करने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के उपलक्ष्य में चिक्कमगलूरु जिला भाजपा के कदूर मंडल द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया, उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए और भाषण दिया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक मानवतावादी थे। वे एक महान व्यक्ति थे जिन्होंने भाजपा को एक सिद्धांत और विचारधारा दी। उन्होंने एकता विकास के बारे में क्या कहा? प्रत्येक व्यक्ति के विकास के साथ-साथ समाज और देश का विकास भी होना चाहिए। उन्होंने सर्वोदय की प्राप्ति के लिए अंत्योदय का विचार दिया। उन्होंने कहा कि समाज का विकास सबसे अधिक उत्पीड़ित लोगों का आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक उत्थान करके किया जाना चाहिए, जिससे देश के संपूर्ण समुदाय और समाज का उत्थान हो और देश की एक ठोस नींव रखी जा सके।

दीन दयाल उपाध्याय ने सर्वजन हिताय कांग्रेस प्रतिरोध का सिद्धांत दिया। उनकी आकस्मिक मृत्यु आज भी अदृश्य है। हालाँकि, वे अपने विचारों और सिद्धांतों के माध्यम से आज भी हमारे बीच हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत का आर्थिक और सामाजिक विकास किया है और विश्व में भारत के नेतृत्व को सिद्ध किया है। आप सभी का कर्तव्य है कि पार्टी को संगठित करें और जिन विचारों में हम विश्वास करते हैं, उन्हें जन-जन तक पहुँचाएँ। हमें देश सेवा और देश निर्माण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मिलकर काम करना चाहिए। अगले दस वर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री ने पिछले दस वर्षों में देश के लिए एक ठोस नींव रखी है। भारत को 2047 तक एक विकसित भारत बनाना है। अब भारत दुनिया की चौथी आर्थिक शक्ति है। अमेरिका, चीन और जापान के बाद भारत है। अगले दो वर्षों में भारत तीसरे स्थान पर आ जाएगा और 2047 तक भारत दुनिया का नंबर एक देश बन जाए, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का और सभी भारतीयों का सपना है। इसे साकार करने की मुख्य प्रेरणा पंडित दीनदयाल उपाध्याय हैं। दीनदयाल उपाध्याय ने जो कहा वह एकात्म विकास और अंत्योदय है। इन्हें आगे बढ़ाने की जरूरत है। इसके माध्यम से, आइए हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रमों का समर्थन करके भारत को एक श्रेष्ठ भारत बनाने का संकल्प लें।

विद्युत कार्यों के कारण 15 दिसंबर तक दिन में ट्रेन सेवाएं रद्द

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रेल मंत्रालय ने सकलेशपुर और सुब्रह्मण्य रोड के बीच घाट सेक्शन में विद्युत लाइन कार्य के लिए 15 दिसंबर तक लाइन ब्लॉक लगाने के दक्षिण पश्चिम रेलवे के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके परिणामस्वरूप, दिन में चलने वाली कई ट्रेनों के रद्द होने की अवधि बढ़ा दी गई है। ट्रेन संख्या 16539 यशवंतपुर-मेंगलूरु जंक्शन साप्ताहिक ट्रेन 13 दिसंबर तक रद्द रहेगी, जबकि ट्रेन संख्या 16540 मेंगलूरु जंक्शन-यशवंतपुर साप्ताहिक ट्रेन 14 दिसंबर तक रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 16575 यशवंतपुर-मेंगलूरु

जंक्शन त्रि-साप्ताहिक गोमतेश्वर एक्सप्रेस 14 दिसंबर तक रद्द रहेगी, और ट्रेन संख्या 16576 मेंगलूरु जंक्शन-यशवंतपुर त्रि-साप्ताहिक गोमतेश्वर एक्सप्रेस 15 दिसंबर तक रद्द रहेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 16515 यशवंतपुर-कारवार त्रि-साप्ताहिक ट्रेन 15 दिसंबर तक रद्द रहेगी, और ट्रेन संख्या 16516 कारवार-यशवंतपुर त्रि-साप्ताहिक ट्रेन 16 दिसंबर तक रद्द रहेगी।

गृहज्योति लाभार्थियों की संख्या में कमी सुनिश्चित करने की सरकारी साजिश: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस सरकार गृहज्योति लाभार्थियों की संख्या कम करने की साजिश रच रही है। उन्होंने अपनी सोशल नेटवर्किंग साइट पर पोस्ट करते हुए कहा है कि लाखों बीपीएल कार्ड रद्द करके गरीबों की आजीविका छीन रही कांग्रेस सरकार अब 30 दिनों की बजाय 40 दिनों की बिजली मीटर रीडिंग ले रही है, लाभार्थियों की औसत बिजली खपत सीमा बढ़ा रही है और उन्हें गृहज्योति योजना से अयोग्य घोषित कर रही है। उन्होंने मुफ्त बिजली देने का वादा करके

सत्ता में आई कांग्रेस सरकार पर अब पिछले दरवाजे से एक के बाद एक गारंटी योजनाओं को बंद करने का आरोप लगाया है।

इससे पहले विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने डीसीएम डी.के. शिवकुमार पर पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास को जोड़ने वाली सड़कों पर गड्ढों की चिंता करने के बजाय, पहले अपने घर का दरवाजा ठीक करें। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, राज्य सरकार कंगाल है, उनके पास पैसे नहीं हैं। चलो खुद ही गड्ढे बंद कर लें, लोग सहयोग करें। डी.के. शिवकुमार खुद बैटरी लेकर, फ्लाइट लेकर अमेरिका जाएँ और ट्रंप के घर के सामने का गड्ढा देखें।

पहले अपना घर देखें। मोदी ने पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें सत्ता में यह देखने के लिए नहीं रखा गया है कि ट्रंप क्या कर रहे हैं। आप कहते हैं कि भाजपा सरकार ने गड्ढे बंद नहीं किए हैं। गड्ढों को बंद करना केवल अस्थायी है, स्थायी नहीं, पूरी कांग्रेस सरकार गड्ढों में है। गड्ढे मौत का जाल बन गए हैं। न केवल बेंगलूरु, बल्कि पूरे राज्य को काम करने की जरूरत है। अगर आपने 5000 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों पर डामरीकरण किया होता, तो गड्ढे क्यों पड़ते? आपने घटिया काम किया है, इसीलिए गड्ढे पड़े हैं। उन्होंने मांग की कि आज से बेंगलूरु की सभी सड़कों पर डामरीकरण किया जाए। डीसीएम ने केवल आईटी और बीटी कंपनियों को बेंगलूरु छोड़ने के लिए कहा है। आप उन लोगों को कब छोड़ेंगे जो कार और बाइक से यात्रा करते हैं? हम छुट्टी लेकर बेंगलूरु छोड़ देंगे। क्या आप कम से कम सड़कों की मरम्मत तो करेंगे?

पुरानी कहानियाँ सुनाने के बजाय विकास पर ध्यान केंद्रित करे सरकार : बी.वाई. विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने राज्य की कांग्रेस सरकार से पुरानी कहानियाँ सुनाने के बजाय राज्य के विकास पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया है। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने किसी भी आयोग को एक पैसा नहीं दिया। उन्होंने कांताराजू आयोग पर 150 करोड़ खर्च करके रिपोर्ट को कूड़ेदान में फेंक दिया। अब वे 500-600 करोड़ खर्च कर रहे हैं और राज्य में भ्रम पैदा करने जा रहे हैं। उन्होंने नागमोहन दास के मामले में भी यही

किया है। जब राज्य सरकार में भ्रम पैदा होता है और लोग विकास न होने पर गुस्सा करने लगते हैं, तो वे जातिगत भेदभाव जैसे भ्रम पैदा करते हैं। मुख्यमंत्री ने कितनी बार कहा है कि कैबिनेट कांताराजू रिपोर्ट पर फैसला लेगी? उन्होंने शिकायत की कि यह सरकार भ्रम पैदा करना चाहती है। उन्होंने जातिवाद का जहर बोने और हिंदू समाज को बांटने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह भ्रम पैदा करने के अलावा कोई विकास नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आपत्ति जताई कि राज्य सरकार न केवल बेंगलूरु शहर में, बल्कि राज्य के किसी भी जिले में सड़कों पर गड्ढे साफ करने का काम नहीं कर पाई है। मुझे नहीं पता कि अधिकारियों ने जाकर कितने गड्ढे गिने हैं। उन्होंने आलोचना की कि कई समय सीमा देने के बावजूद, यह सरकार अभी तक गड्ढों को बंद नहीं कर पाई है। इसलिए, भाजपा ने बुधवार को एक घंटे के लिए राज्य भर में सड़कें जाम कर दीं। हमने गड्ढे बंद करने और राज्य सरकार को इस राज्य की स्थिति से अवगत कराने की कोशिश की है। उन्होंने मांग की कि कम से कम अब तो राज्य सरकार को जागना चाहिए और भाषण देना बंद करके राज्य के विकास कार्यों पर ध्यान देना चाहिए। कांग्रेस सरकार बेंगलूरु के मान-सम्मान को छीनने का काम कर रही है। उन्होंने मांग की कि जल्द से जल्द गड्ढे बंद किए जाएं और बेंगलूरु के सम्मान को बचाया जाए।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत बेंगलूरु मंडल ने किया श्रमदान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के तहत, दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल ने गुरुवार को एक दिन, एक घंटा, एक साथ विषय पर एक विशाल श्रमदान किया।

यह कार्यक्रम केएसआर बेंगलूरु स्टेशन यार्ड में आयोजित किया गया और इसका नेतृत्व अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक प्रवीण कटारकी ने किया। बेंगलूरु मंडल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक इस स्वच्छता अभियान में भाग लिया। यह

श्रमदान स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत आयोजित किया गया था, जो 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक पूरे मंडल में चलाया जा रहा है। सर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलूरु छावनी, यशवंतपुर, येलहंका, कृष्णराजपुरम, बंगारपेट और हिंदूपुर सहित कई अन्य स्टेशनों पर भी श्रमदान किया गया। इसके अलावा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रभावती गजलक्ष्मी के नेतृत्व में समर्पित टीम ने बेंगलूरु के मंडल रेलवे अस्पताल में बड़े उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ श्रमदान किया।

बंदूक की नोक पर राजमिस्त्री का अपहरण और नकदी लूटने के आरोप में चार गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पीन्या पुलिस ने एक राजमिस्त्री को कार में लिफ्ट देने के बहाने कथित तौर पर अगवा करने और बंदूक की नोक पर उससे 5,000 और दो मोबाइल फोन लूटने के आरोप में चार लोगों के एक गिरोह को गिरफ्तार किया है। कनकमूर्ति, किरण, श्रीकांत और मौला सब शेख के रूप में पहचाने गए आरोपियों को 14 अगस्त को पीड़ित द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर मल्लाथल्ली स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया गया।

विजयपुरा निवासी और बेंगलूरु में काम करने वाला पीड़ित, जलाहल्ली क्रॉस पहुँचने के लिए बस का इंतजार कर रहा था। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने उसे कार से वहाँ तक छोड़ने की पेशकश की।

पीड़ित के मान जाने के बाद, आरोपी कथित तौर पर कार को डबासपेट में एक सुनसान जगह पर ले गए, बंदूक की नोक पर पीड़ित को धमकाया और मौके से भागने से पहले नकदी और दो मोबाइल फोन लूट लिए। पुलिस ने एक देसी पिस्तौल भी जब्त की है, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर आरोपियों ने पीड़ित को धमकाने के लिए किया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हथियार के स्रोत का पता लगाने के लिए जाँच जारी है।

20 अक्टूबर तक सभी निर्वाचन क्षेत्रों में जीएसटी कटौती पर चलेगा विशेष अभियान : सांसद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ सांसद बृजेश चौटा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा घोषित जीएसटी दरों में कमी देश की अर्थव्यवस्था को आकार देने में एक बड़ा कदम है। इस संदर्भ में, 20 अक्टूबर तक सभी विधानसभा क्षेत्रों में एक विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसमें जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। यहां पार्टी कार्यालय में गुरुवार को एक प्रेस वार्ता को

संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधारों ने नवरात्रि और आगामी त्योहारों को विशेष तरीके से मनाने के लिए प्रोत्साहन दिया है। व्यापारियों, उद्यमियों और ग्राहकों को लाभ होगा। भाजपा के आर्थिक प्रकोष्ठ के सहयोग से, दुकानों और बाजारों में जागरूकता कार्यक्रम और जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। उन्होंने बताया कि जीएसटी में कमी से क्रय शक्ति बढ़ी है, माँग बढ़ेगी, उत्पादन बढ़ेगा और रोजगार सृजन होगा, जिससे देश की आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी। आर्थिक प्रकोष्ठ के जिला समन्वयक, सीए शांताराम शेट्टी ने कहा कि जीएसटी में कमी से कई वस्तुओं की कीमतों में गिरावट आई है और इसका सीधा लाभ लोगों को मिलेगा। चौटा ने आगे कहा कि सिद्धरामैया सरकार लगातार हिंदू विरोधी रुख अपना रही है। भ्रष्टाचार के जरिए राज्य को लूटने के साथ-साथ, वह सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण के जरिए हिंदू समाज को बाँटने की कोशिश कर रही है। 450 करोड़ रुपये खर्च करके, सर्वेक्षण में नई जातिगत श्रेणियाँ बनाई गई हैं। उन्होंने इस विभाजनकारी प्रयास की निंदा की और अपील की कि सर्वेक्षण के दौरान सभी हिंदू धर्म के कॉलम में 'हिंदू' लिखें।

राज्यसभा जाने की होड़ और दौड़ में नेकां-कांग्रेस गठबंधन आगे

जम्मू, 25 सितंबर (ब्यूरो)।
राष्ट्रीय चुनाव आयोग द्वारा जम्मू कश्मीर से राज्यसभा की चार रिक्त सीटों के लिए चुनाव की घोषणा के साथ, नवगठित विधानसभा का राजनीतिक गणित नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) -कांग्रेस गठबंधन को स्पष्ट बढ़त देता दिख रहा है। गठबंधन को चार में से तीन सीटें मिलने की उम्मीद है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक सीट जीत सकती है।

राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान और मतगणना 24 अक्टूबर को निर्धारित है, चुनाव आयोग 6 अक्टूबर को आधिकारिक अधिसूचना जारी करेगा। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 13 अक्टूबर है, 14 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जाँच होगी और 16 अक्टूबर को नाम वापस लिए जा सकेंगे। यह चुनाव पिछले सदस्यों के कार्यकाल समाप्त होने के लगभग चार साल बाद हो रहे हैं, जिससे संसद के ऊपरी सदन में केंद्र शासित प्रदेश का प्रतिनिधित्व बहाल हो गया है। आयोग की अधिसूचना के अनुसार, चारों सीटें तीन अलग-अलग चुनावों के माध्यम से भरी जाएंगी। पहली दो सीटों के लिए एक-एक और बाकी दो सीटों के लिए एक संयुक्त चुनाव। जम्मू कश्मीर विधानसभा में वर्तमान में 88 विधायकों की प्रभावी संख्या है, जिसमें दो रिक्त सीटें और आप विधायक मेहराज मलिक की नजरबंदी शामिल है, जो जन सुरक्षा अधिनियम के तहत मतदान के पात्र हैं।

नेकां के नेतृत्व वाले गठबंधन, जिसमें 41 नेकां विधायक, छह कांग्रेस सदस्य, पांच समर्थक निर्दलीय और एक माकपा विधायक शामिल हैं, के पास 53 वोट हैं, जो उसे भाजपा के 28 विधायकों पर निर्णायक बढ़त देता है। छोटे दलों और निर्दलीय विधायकों के शेष छह-सात विधायक तटस्थ रुख अपनाए हुए हैं।

आंकड़ों के आधार पर, पहली दो सीटें संभवतः निर्विरोध, नेशनल कांफ्रेंस गठबंधन को मिलने की संभावना है। तीसरी सीट भी गठबंधन के पक्ष में रहने की उम्मीद है, जहां 29 प्रथम वरीयता के वोट मिलने का अनुमान है। संयुक्त चुनाव के माध्यम से तय होने वाली चौथी सीट भाजपा के पक्ष में जा सकती है, जिसके पास 28 वोट हैं। पार्टी टिकट के लिए सबसे आगे चल रहे उम्मीदवारों में नेशनल कांफ्रेंस के लिए डा फारूक अब्दुल्ला और सज्जाद किचलू शामिल हो सकते हैं।

कांग्रेस गठबंधन की तीन सीटों में से किसी एक पर, संभवतः मुख्य भूमि जम्मू या दक्षिण कश्मीर से, उम्मीदवार उतार सकती है, जबकि नेशनल कांफ्रेंस क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने के लिए चौथी सीट के लिए किसी युवा चेहरे पर विचार कर सकती है। भाजपा ने अपने उम्मीदवारों का खुलासा नहीं किया है, हालांकि रणनीतिकार सुनील कुमार शर्मा पार्टी की प्रचार रणनीति का नेतृत्व कर रहे हैं।

भारत अपनी मजबूत आर्थिक बुनियाद से अनिश्चितता में भी जुझारू बना रहा: सीतारमण

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत अपने मजबूत वृहद-आर्थिक बुनियादी पहलुओं के दम पर जुझारूपन दिखाने में सफल रहा है।सीतारमण ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र के 91वें स्थापना दिवस समारोह में कहा कि पिछले एक वर्ष में वैश्विक माहौल में अनिश्चितता बढ़ी है और उसका असर विभिन्न देशों पर महसूस किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, ''लेकिन इन सबके बीच भारत की मजबूती अलग नजर आती है। मजबूत वृहद-आर्थिक बुनियाद, युवा जनसंख्या और घरेलू मांग पर अधिक निर्भरता भारतीय अर्थव्यवस्था की मुख्य ताकत है।''

वित्त मंत्री ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भी यह मजबूती बनी रही और इस अवधि में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही।

उन्होंने कहा, ''यह महज संयोग नहीं है। यह सक्रिय राजकोषीय एवं मौद्रिक नीतियों, साहसिक संरचनात्मक सुधारों, बड़े पैमाने पर भौतिक एवं डिजिटल बुनियादी ढांचे के निर्माण, बेहतर शासन और प्रतिस्पर्धा में वृद्धि का परिणाम है।''

इस मौके पर वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को अधिक ऋण देने पर जोर दिया। उन्होंने बैंकों से शिक्षा ऋण को भी प्राथमिकता देने का आग्रह करते हुए कहा कि शिक्षा ऋण का कोई भी आवेदन अस्वीकार नहीं होना चाहिए।

नागराजू ने बैंकों से कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों में ऋण प्रवाह बढ़ाने का आग्रह किया। हालांकि इसके साथ उन्होंने कर्ज की गुणवत्ता को लेकर सतर्क रहने के लिए भी कहा।

उपराष्ट्रपति ने तिरुमाला मंदिर में पूजा-अर्चना की

तिरुमाला, 25 सितंबर (एजेंसियां)।
भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने बुधवार रात तिरुमाला मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर की पूजा-अर्चना की। उपराष्ट्रपति का पद संभालने के बाद यह तिरुमाला मंदिर और आंध्र प्रदेश की उनकी पहली यात्रा थी।

मंदिर के प्रवेश द्वार पर पहुंचने पर उनका स्वागत मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, टीटीडी अध्यक्ष बी आर नायडू और कार्यकारी अधिकारी अनिल कुमार सिंघल ने किया।

संन्यासी मंडपम में भगवान वेंकटेश्वर की पूजा करने के बाद उपराष्ट्रपति को रंगनायकुल मंडपम ले जाया गया, जहां वैदिक विद्वानों ने वेदसिर्वाचनम आशीर्वाद दिया और टीटीडी अध्यक्ष और कार्यकारी अधिकारी ने उन्हें मंदिर के प्रसादम और भगवान की तस्वीर भेंट की।

इससे पहले, उन्होंने श्री वकुलमाता, विमान वेंकटेश्वर स्वामी, भष्यकरला सन्निधि और योग नरसिम्हा स्वामी के उप-मंदिरों के दर्शन किए। बाद में, उपराष्ट्रपति ने पेड्डा शेष वाहन सेवा में भी हिस्सा लिया।

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति सरकोजी को जेल

पेरिस, 25 सितंबर (एजेंसियां)।
पूर्व फ्रांसीसी राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी को पेरिस की अदालत ने पांच साल की सजा सुनाई है। कोर्ट के बाहर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए सरकोजी ने खुद को निर्दोष बताया। कहा कि मैंने कोई गुनाह नहीं किया और आज मेरा नहीं बल्कि फ्रांस का अपमान हुआ है। उन्होंने ये भी कहा कि वो जेल की सजा सिर ऊंचा करके कुबूल करते हैं।

उन्होंने कहा कि वे मैदान छोड़कर कर भागेंगे नहीं, उनका पता सर्वविदित है, और एक सार्वजनिक व्यक्ति होने के नाते, वे अपनी जिम्मेदारियों से बच नहीं सकते। अदालत द्वारा उन्हें जेल भेजने के फैसले की आल-ोचना करते हुए उन्होंने कहा, अगर वे चाहते हैं कि मैं जेल में सोऊं, तो मैं जेल में सोऊंगा, लेकिन सिर ऊंचा करके।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि चूंकि उन्हें जेल जाने से पहले अदालत में पेश होना होगा, इसलिए उम्मीद है कि आलोचकों को भी अपनी बात रखने का भरपूर समय मिलेगा। जो लोग मुझसे इतनी नफरत करते हैं, वे

सोचते हैं कि वे मुझे अपमानित कर सकते हैं। आज उन्होंने फ्रांस को, फ्रांस की छवि को अपमानित किया है।

उन्होंने इस फैसले को अन्याय बताया और कहा कि उन्हें अपनी बेगुनाही का पूरा यकीन है और वे अपील करेंगे।

आरोप है कि दिवंगत लीबियाई तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी ने 2007 में सरकोजी को राष्ट्रपति पद के चुनाव में धन मुहैया कराया था और बदले में सरकोजी ने वैश्विक मंच पर उनकी साख बचाने का दावा किया था।

पेरिस की एक अदालत ने पूर्व फ्रांसीसी राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी को आपराधिक षड्यंत्र रचने का दोषी पाते हुए पांच साल की सजा सुनाई है और उन्हें जेल भेजने का आदेश दिया है। अदालत ने आदेश दिया कि सरकोजी को बाद में हिरासत में रखा जाए, और अभियोजकों को पूर्व राष्ट्राध्यक्ष को अपनी सहूलियत के मुताबिक एक महीने के भीतर जेल जाने की तारीख चुनने को कहा है।

अगर 70 वर्षीय सरकोजी इस फैसले के खिलाफ अपील भी करते हैं, तो भी यह फैसला लागू रहेगा। अगर उन्हें जेल जाना पड़ा, तो वे आधुनिक फ्रांस के इतिहास में जेल जाने वाले पहले राष्ट्रपति होंगे। उन पर 100,000 यूरो (117,000 डॉलर) का जुर्माना भी लगाया गया है और उन्हें सार्वजनिक पद धारण करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

एक बार फिर कानूनी विवाद में फंसे आर्यन खान समीर वानखेड़े ने किया मानहानि का मुकदमा

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)।
अभिनेता शाहरुख खान के बेटे और वेब सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के डायरेक्टर आर्यन खान एक बार फिर से कानूनी विवाद में फंसते दिखाई दे रहे हैं। आईआरएस अधिकारी समीर वानखेड़े ने दिल्ली हाईकोर्ट में मानहानि का एक मुकदमा दायर किया है। समीर वानखेड़े का कहना है कि रेड चिलीज की वेब सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' ने एंटी-ड्रग एजेंसियों और कानून

प्रवर्तन की छवि खराब की है और जनता का भरोसा तोड़ा है।

उनका कहना है कि सीरीज में कुछ अश्लील और अपमानजनक दृश्य हैं, खासकर एक पात्र राष्ट्रीय प्रतीक 'सत्यमेव जयते' के नारे का अपमान करता है। इसके कारण सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की धाराओं का उल्लंघन हुआ है। समीर वानखेड़े की याचिका में कहा गया है कि इस वेब सीरीज में उन्हें और उनके समर्थकों को अपमानित किया गया है, जबकि समीर वानखेड़े और आर्यन खान से संबंधित मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट और मुंबई की एनडीपीएस की एक विशेष अदालत में सुनवाई जारी है। समीर वानखेड़े ने अपनी याचिका में शाहरुख खान और गौरी खान के स्वामित्व वाली रेड चिलीज इंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड, मेमोरियल बिल्डिंग और अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने अदालत से सीरीज पर स्थायी रोक लगाने और 2 करोड़ रुपये हर्जाने की मांग की है। साथ ही उन्होंने हर्जाने की रकम टाटा मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल में दान करने का प्रस्ताव रखा है।

इससे पहले भी यह सीरीज एक कानूनी विवाद में फंस चुकी है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मुंबई पुलिस से अभिनेता रणबीर कपूर, वेब सीरीज के निर्माताओं और नेटफ्लिक्स के खिलाफ केस दर्ज करने की सिफारिश की थी। यह मामला धूम्रपान से जुड़े नियमों के उल्लंघन से जुड़ा है। दरअसल, 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के एक सीन में रणबीर कपूर ई-सिगरेट पीते दिखाई दे रहे हैं। इस सीन में किसी तरह की लिखित चेतावनी भी नहीं दिखाई गई है। इसी दृश्य की शिकायत करते हुए एक शख्स विनय जोशी ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को एक पत्र लिखा था।

लैंड फॉर जॉब केस में 13 अक्टूबर को आएगा फैसला

बिहार चुनाव के बीच लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव के लिए टेंशन

पटना , 25 सितंबर (एजेंसियां)।
नौकरी के बदले जमीन मामले में 13 अक्टूबर को कोर्ट फैसला सुनाएगा। यह फैसला दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनाया जाएगा। कोर्ट ने आदेश दिया है कि लैंड फॉर जॉब मामले के तमाम आरोपी जिसमें आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को भी फैसला सुनाते वक्त कोर्ट में मौजूद रहने को कहा गया है।

कोर्ट शेड्यूल के मुताबिक 13 अक्टूबर को सुबह 10 बजे राउज एवेन्यू कोर्ट लैंड फॉर जॉब मामले में फैसला सुनाएगा। यह फैसला सीबीआई की विशेष कोर्ट में सुनाया जाएगा। यह फैसला जज विशाल गोगने की कोर्ट में सुनाया जाएगा।

बता दें कि 24 सितंबर को लैंड फॉर जॉब मामले में फैसला सुनाया जाने वाला था। इसके लिए दोपहर दो बजे के करीब कोर्ट की कार्यवाही शुरू हुई। इसके बाद फैसला सुनाने के लिए दोपहर ढाई बजे का समय तय किया गया। लेकिन बाद में कोर्ट ने लैंड फॉर जॉब मामले में फैसला सुनाने के लिए 13 अक्टूबर की तारीख तय कर दी। कोर्ट ने कहा कि फैसला सुनाते वक्त तमाम आरोपियों को कोर्ट में पेश होना होगा।

खासकर उन आरोपियों को हर हाल में पेश होने को कहा गया है जिनके खिलाफ सीबीआई ने चार्जशीट फाइल की है।

यहां गौर करने वाली बात यह है कि राउज एवेन्यू कोर्ट जब 13 अक्टूबर को लैंड फॉर जॉब मामले में फैसला सुनाएगा उस वक्त बिहार में चुनावी सरगर्मी अपने चरम पर होगी। ऐसे में अगर कोर्ट का फैसला लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव के खिलाफ जाता है तो यह बड़ा चुनावी मुद्दा बन सकता है। एनडीए के तमाम नेता पूरे बिहार चुनाव के दौरान इस मुद्दे को लालू परिवार के खिलाफ प्रचारित कर सकते हैं।

भाजपा के खिलाफ लड़ने के लिए सिर्फ 6 सीटें मांगी थीं, मगर राजद का अब तक जवाब नहीं: ओवैसी

पूर्णिया , 25 सितंबर (एजेंसियां)।
एआईएमआईएम पार्टी के सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी मंगलवार शाम किशनगंज पहुंचे। वे अपने चार दिवसीय सीमांचल न्याय यात्रा पर हैं। बुधवार को उनके 9 कार्यक्रम निर्धारित हैं। इसी क्रम में उन्होंने प्रेस वार्ता की। प्रेस वार्ता में ओवैसी ने राजद से गठबंधन को लेकर कहा कि हमने उनके सामने प्रस्ताव रखा था और बीजेपी से लड़ने के लिए सिर्फ 6 सीटें मांगी थीं, लेकिन अब तक उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला है। किशनगंज में पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान मेडिकल कॉलेज की मांग को लेकर उन्होंने कहा

कि मैंने कोई घोषणा नहीं की थी बल्कि कोशिश करूंगा कहा था, और कोशिश अब भी जारी है।

रूईधासा में सभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा, ङ्गमेरे भाई, ताकत की बुनियाद पर सीमांचल की आवाज पर हमें पूरा यकीन है कि यहां की जनता हमारे साथ है। एआईएमआईएम के वजह से वोट नहीं कटता, तुम्हारा वोटर जाके मोदी की गोद में बैठ गया है इसलिए वोट कट जाता है। मैंने आज तक कभी बीजेपी का साथ नहीं दिया। तीन तलाक का विरोध किया।

ओवैसी ने आगे कहा, ङ्गहां, मैं हैदराबाद से आया हूं, चांद से नहीं आया हूं। जो हरियाणा से आकर बिहार में एमपी बन जाता है उससे तुम्हारे पेट में दर्द नहीं होता, लेकिन मुझसे होता है। जब तक जिंदा हूं सीमांचल आता रहूंगा। उन्होंने किसान के उदाहरण देते हुए कहा, जब किसान जमीन में बीज बोता है तो आसमान की तरफ देखकर कहता है कि रहमो-करम फरमा दे। उसी तरह मैं भी ऊपर वाले से कह रहा हूं, इंशाअल्लाह आपका लीडरशिप यही रहेगा। बीजेपी सेक्युलरिज्म और संविधान को खत्म करना चाहती है।

सीएम नीतीश ने की सौगातों की बौछार, रोहतास को दिया 921 करोड़ रुपये की 124 योजनाओं का तोहफा

रोहतास, 25 सितंबर (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सासाराम में एनडीए कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 2005 में सरकार बनने के बाद से ही राज्य में कानून का राज है। हम लगातार 20 वर्षों से विकास कार्य में लगे हैं। पहले की सरकार में कोई काम नहीं हुआ। लोग शाम के बाद घर से बाहर नहीं निकलते थे। समाज में हिंदू-मुस्लिम का झगड़ा होता था और शिक्षा, सड़क, बिजली, स्वास्थ्य आदि का बुरा हाल था। उन लोगों ने बिहार के लिए कोई काम नहीं किया, लेकिन जब हम लोग सरकार में आए तो हर क्षेत्र में विकास कार्य तेजी से शुरू कराया गया। आज प्रदेश में किसी प्रकार का डर या भय का वातावरण नहीं है। लोग प्रेम, भाईचारे और शांति के साथ रह रहे हैं और हिंदू-मुस्लिम का झगड़ा भी नहीं होता।

कार्यक्रम के दौरान मंच पर पूर्व सांसद महाबली सिंह, पूर्व विधायक राजेश्वर राज, पूर्व विधायक अशोक कुमार, जदयू जिलाध्यक्ष अजय कुशवाहा, प्रदेश नेता डॉ. निर्मल कुशवाहा, पूर्व मंत्री मुरारी प्रसाद गौतम, पूर्व विधायक जवाहर प्रसाद, पूर्व मंत्री जयकुमार सिंह, ललन पासवान, सत्यनारायण यादव, श्याम बिहारी राम, भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष पटेल सहित काफी संख्या में जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शुरुआत में ही हमने बड़े पैमाने पर नए स्कूल खोलकर नियोजित शिक्षकों की बहाली की। आज प्रदेश में 2,80,973 नियोजित शिक्षक सरकारी शिक्षक बन गए हैं।

बड़े पैमाने पर कब्रिस्तानों एवं 60 वर्ष से पुराने हिंदू मंदिरों की घेराबंदी की जा रही है। इसके अलावा स्वास्थ्य सेवाओं में भी बहुत सुधार किया गया है। अस्पतालों में मुफ्त दवा और इलाज की पूरी व्यवस्था है और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हर महीने औसतन 11,600 मरीज आते हैं। आज प्रदेश में 12 मेडिकल कॉलेज हैं और 20 का काम चल रहा है। वहीं रोहतास के बारे में उन्होंने कहा कि जिले में इंजीनियरिंग कॉलेज, महिला आईटीआई, जीएनएम संस्थान, पैरामेडिकल संस्थान और पॉलिटेक्निक संस्थान की स्थापना की गई है।

राज्य में बड़ी संख्या में सड़कों और पुल-पुलियों का निर्माण कराया गया है।

अंत्योदय को राष्ट्रोदय में बदलने का मंच है यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो: योगी

ग्रेटर नोएडा/लखनऊ, 25 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस 2025) के मंच पर अंत्योदय के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय की पावन जयंती पर उन्हें याद किया। बोले कि उन्होंने अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के बारे में 70 वर्ष पहले नया चिंतन दिया था। उन्होंने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो अंत्योदय को राष्ट्रोदय में बदलने का विशिष्ट अवसर है। यह अवसर केवल ट्रेड शो का नहीं, बल्कि वर्तमान आर्थिक चुनौतियों का सामना करने के साथ ही आत्मनिर्भर भारत के स्वदेशी मॉडल व मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड के पीएम मोदी के विजन का स्वरूप भी है। यूपीआईटीएस के तीसरे संस्करण में 80 देशों के साढ़े पांच सौ से अधिक बायर्स भी हिस्सा ले रहे हैं। यूपी के सभी 75 जनपदों से 2250 से अधिक एग्जीबिटर्स सहभागी बने हैं। ब्रांड यूपी के उत्सव की चर्चा कर योगी ने कहा कि पिछले आठ-साढ़े आठ वर्ष में आई औद्योगिक क्रांति, परंपरागत उद्यम को फिर से दिया गया जीवनदान यूपी की समृद्ध-सांस्कृतिक विरासत तथा सामाजिक विविधता को ट्रेड शो प्रतिबिंबित कर रहा है। इसके जरिए यूपी को देश व दुनिया के सामने शोकेस करने का बेहतरीन प्लेटफॉर्म प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (तृतीय संस्करण) के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। उन्होंने फिरोजाबाद के शिल्पियों द्वारा बनाई गई मां दुर्गा की प्रतिमा प्रधानमंत्री को भेंट की। सीएम ने पार्टनर कंट्री के रूप में रूस के साथ ही यूपीआईटीएस में आए 532 से अधिक फॉरेन बायर्स का भी स्वागत किया। सीएम ने कहा कि यह आयोजन नए भारत के नए यूपी व विकसित भारत के विकसित यूपी को बढ़ाने में कारगर साबित होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म लागू करने के उपरांत यूपी में प्रथम आगमन पर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। गरीब, किसान, महिला, युवा, मध्यम, व्यापारी, लघु एवं कुटीर उद्योग सहित सभी वर्ग व समुदायों को दीपावली का बेहतरीन उपहार देने के लिए उन्होंने यूपी वासियों की तरफ से पीएम का आभार जताया। सीएम ने कहा कि अपैरल व टेक्सटाइल, लेदर उत्पाद, हस्तशिल्प व कारपेट में यूपी देश में शीर्ष पर है। बदलते वैश्विक आर्थिक परिवेश की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने के लिए प्रधानमंत्री जी ने जीएसटी रिफॉर्म्स के माध्यम से बहुत ही महत्वपूर्ण व क्रांतिकारी कदम उठाया है।

सीएम योगी ने कहा कि जुलाई 2017 में वन नेशन, वन टैक्स लागू हुआ था। टैक्स के अलग-अलग चार स्लैब थे, लेकिन नए सुधार के अंदर अब दो स्लैब ही जीएसटी रिफॉर्म के माध्यम से दिखेंगे। इसमें अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। पिछले चार दिनों के अंदर हम लोगों ने अहसास किया है कि मार्केट में नई जीवंतता आई है। उपभोक्ता का बाजार की तरफ तेजी से रूख हुआ है। गरीब, श्रमिक, व्यापारी, किसान हर तबके को जीवनदान मिला है। इससे व्यापक पैमाने पर रोजगार सृजन के साथ-साथ यूपी जैसे राज्य के लिए ओडीओपी सेक्टर के उद्यमियों को नया जीवनदान प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम ने 10 वर्ष पहले कहा था कि भारत के युवा को अब जॉब सीकर नहीं, बल्कि जॉब क्रिएटर बनना होगा। पीएम स्टार्टअप, पीएम स्टैंडअप योजना, पीएम इंटर्नशिप समेत अनेक योजनाओं ने बैकबोन का कार्य किया है। यूपी में हम लोगों ने सीएम युवा उद्यमी योजना के माध्यम से युवाओं को नया उद्यमी बनने की तरफ कदम उठाया है। 24 जनवरी 2025 को यूपी स्थापना दिवस पर यह स्कीम लागू हुई थी। एक वर्ष से भी कम समय में अब तक 90 हजार से अधिक युवा इस स्कीम का लाभ ले चुके हैं।

सीएम योगी ने कहा कि उद्यम पंक्ति में खड़े अंतिम हुनरमंद कारीगर व हस्तशिल्पी के उत्थान के लिए पीएम अत्यंत संवेदनशील हैं। परंपरागत कारीगरों व हस्तशिल्पियों को पीएम विश्वकर्मा योजना उपहार में दी गई है। राज्य सरकार की ओर से संचालित ओडीओपी के साथ ही विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के माध्यम से चार लाख से अधिक हस्तशिल्पियों व कारीगरों को ट्रेनिंग देकर, वोकल फॉर लोकल मंत्र को स्वदेशी का संकल्प देकर हुनरमंद कारीगरों को नया बाजार उपलब्ध कराने का प्लेटफॉर्म बना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 77 जीआई उत्पाद के साथ यूपी देश का शीर्ष जीआई कैपिटल बना है। 75 नए उत्पादों को जीआई टैग प्राप्त हो, इसके लिए इस वर्ष आवेदन करने जा रहे हैं।

धरोहर के रूप में मौजूद प्रदेश में हजारों वर्ष की विरासत को इसके माध्यम से सजाने, संवारने व संरक्षण करने का कार्य करने जा रहे हैं। यहां भी 60 से अधिक जीआई टैग के स्टाल देखने को मिलेंगे। यूपीआईटीएस में स्टार्टअप, ओडीओपी, उभरते एक्सपोर्टर्स, महिला, नए उद्यमी, हस्तशिल्पी, आईटी-इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, कौशल विकास, महिला स्वयंसेवी समूह, वन व पर्यावरण विभाग के उत्पाद व प्रयास भी प्रस्तुत किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से फरवरी 2023 में यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का शुभारंभ हुआ था। इसमें 40 लाख करोड़ का निवेश प्रस्ताव यूपी को प्राप्त हुआ।

इनमें से 12 लाख करोड़ से ऊपर के प्रस्ताव धरातल पर उतर गए हैं। कुछ उद्यमों में प्रोडक्शन भी प्रारंभ हो चुका है। उन्हीं में से पांच लाख करोड़ का नवंबर में ग्राउंड ब्रेकिंग करने की तैयारी चल रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में परंपरागत एमएसएमई उत्पाद (96 लाख से अधिक यूनिट) में प्रत्येक यूनिट को सामाजिक सुरक्षा की गारंटी देते हुए यूपी में आगे बढ़ाने का कार्य हुआ है। दो करोड़ से अधिक युवा रोजगार व नौकरी प्राप्त कर रहे हैं। यह यूपी के अंदर कृषि के बाद रोजगार का दूसरा सबसे बड़ा केंद्र बना है। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में इस सेक्टर की बड़ी भूमिका है। लैंडबैंक की चर्चा करते हुए सीएम योगी ने कहा कि यूपी ने कुछ प्राइवेट इंडस्ट्रियल पार्क की स्कीम बढ़ाई है, जिसमें अब तक 11 प्लेज पार्क स्थापित हो चुके हैं। इसके माध्यम से भी यूपी ने तेजी के साथ निवेश को आमंत्रित किया है और रोजगार के नए अवसरों का सृजन किया है।

सीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार ने लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर हर जनपद में 100 एकड़ में इंडस्ट्रियल व इम्प्लायमेंट जोन विकसित करने की योजना बढ़ाई है। इसमें स्वरोजगार व वेज रोजगार से संबंधित सभी विभागों-एमएसएमई, स्किल डेवलपमेंट, खादी-ग्रामोद्योग, बैंक व श्रम एवं सेवायोजन के कार्यालय स्थापित करने की योजना है। रोजगार या उद्यम स्थापित करने के इच्छुक युवाओं को यह जोन स्किल डेवलपमेंट के साथ ही रोजगार-उद्यम स्थापित करने में मदद देगा। सीएम ने बताया कि यूपी आज आईटी, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग का ग्लोबल हब बन रहा है। देश की मोबाइल फोन मैनुफैक्चरिंग का 55 प्रतिशत तथा मोबाइल कंपोनेंट मैनुफैक्चरिंग में 50 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी यूपी की है। सेमीकंडक्टर में देश-विदेश की अग्रणी कंपनियां यूपी में निवेश कर रही हैं। इस क्षेत्र के महत्व को देखते हुए प्रदेश सरकार ने आईटी क्षेत्र को भी इंडस्ट्री का दर्जा प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रोड, एयर, रेल व वाटर कनेक्टिविटी में यूपी अग्रणी स्थान पर है। यूपी निवेश का आकर्षक डेस्टिनेशन बना है। प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति चुस्त दुरुस्त है। दूसरे देशों पर निर्भरता को कम करना और स्वदेशी साधनों का बेहतर उपयोग प्रधानमंत्री का आह्वान है। आत्मनिर्भर व विकसित भारत के लिए इंडस्ट्री, एकेडमी इंस्टीट्यूशन्स, रिसर्च व डवलपमेंट सेंटर सहित समाज के सभी अंगों को समेकित रूप से मिलकर कार्य करना होगा। ट्रेड शो इसके लिए बेहतरीन मंच बनकर उभरा है। सीएम ने उम्मीद जताई कि पीएम के मार्गदर्शन व नेतृत्व के कारण यूपी बीमारू राज्य से उबरकर विकसित भारत के ग्रोथ इंजन की प्रभावी भूमिका का निर्वहन कर पाएगा।

इस अवसर पर योगी सरकार के मंत्री राकेश सचान, नंदगोपाल गुप्ता नंदी, स्वतंत्रदेव सिंह, धर्मपाल सिंह, बेबीरानी मौर्या, एके शर्मा, डॉ. संजय निषाद, दयाशंकर सिंह, कपिलदेव अग्रवाल, असीम अरुण, ब्रजेश सिंह, सांसद महेश शर्मा, सुरेंद्र नागर आदि उपस्थित थे।

बुंदेलखंड में एएसआई संरक्षित किलों का अधिग्रहण चाहती है यूपी सरकार

लखनऊ, 25 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार, विरासत स्मारकों के पुनरुद्धार और पर्यटन को बढ़ावा देने की योजना पर काम कर रही है। इसके तहत सरकार सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत ऐतिहासिक किलों और इमारतों को विरासत लक्जरी होटलों, सांस्कृतिक केंद्रों और संग्रहालयों में बदलने का काम कर रही है। पहले चरण में, राज्य भर में ऐसी 11 सम्पत्तियों की पहचान की गई है।

राज्य के पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया, जिस तरह राजस्थान में किलों को विरासत संपत्तियों के रूप में विकसित किया जाता है, संरक्षित किया जाता है वह राज्य के लिए राजस्व सृजन का एक अच्छा स्रोत भी बनता है। उसी तरह हम उत्तर प्रदेश के किलों के लिए भी ऐसा ही करने की तैयारी कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में बहुत संभावनाएं हैं क्योंकि हमारे पास कुछ अच्छी विरासत सम्पत्तियां हैं जिनमें लोगों ने पहले ही रुचि दिखानी शुरू कर दी है।

मंत्री ने कहा, राज्य भर में हमने 31 सम्पत्तियों की पहचान की है जिनमें से चार को हमने पीपीपी मॉडल पर आवंटित कर दिया है और कई लोग रुचि दिखा रहे हैं।

हमारा उद्देश्य इन सम्पत्तियों की मदद से राजस्व वृद्धि में तेज़ी लाना है और हमें उम्मीद है कि ये सम्पत्तियां विशेष रूप से राज्य के बुंदेलखंड क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में योगदान देंगी क्योंकि इन सम्पत्तियों पर आने वाले आगंतुकों से स्थानीय विक्रेताओं और व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा।

इस महीने की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2022 में बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दिए गए सुझाव का हवाला दिया। इसमें उन्होंने बुंदेलखंड के किलों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की संभावनाओं का पता लगाने का सुझाव दिया था जैसा कि कई यूरोपीय देशों में किया जाता है। सीएम आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर चार किलों सहित 5 स्मारकों को विकास और संरक्षण के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को हस्तांतरित करने की मांग की थी। ये पांचों स्मारक संस्कृति मंत्रालय के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के संरक्षण में हैं।

अपने पत्र में, योगी आदित्यनाथ ने बुंदेलखंड को भारत का दिल बताया। उन्होंने इस क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर सामने लाने के लिए बुंदेलखंड के प्राचीन स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों के पुनरुद्धार की आवश्यकता पर बल दिया। 16 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी को लिखे अपने पत्र में, मुख्यमंत्री ने बताया कि बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के दौरान, प्रधानमंत्री ने बुंदेलखंड के महलों, किलों और स्मारकों के संरक्षण, संवर्धन और विकास को प्रोत्साहित किया, उन्हें पर्यटन के विश्व मानचित्र पर स्थापित किया और उनका विकास किया।

सीएम आदित्यनाथ ने कहा, इसके परिणामस्वरूप राज्य सरकार के स्वामित्व वाले स्मारकों के संरक्षण, संवर्धन और विकास की पहल की गई है। इससे बुंदेलखंड के स्थानीय निवासियों को आजीविका के साधन उपलब्ध होंगे और इसकी ऐतिहासिक विरासत का समुचित संरक्षण हो सकेगा।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि पर्यावरण नियोजन एवं प्रौद्योगिकी केंद्र, अहमदाबाद द्वारा एक सर्वे और अध्ययन किया गया था, जिसने अपनी रिपोर्ट में 31 स्थलों का चयन किया और उनकी क्षमता, संरक्षण और विकास के लिए एक रूपरेखा और कार्ययोजना प्रस्तुत की। अध्ययन में बताया गया है कि इन 31 स्थलों में से 5 स्थल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संरक्षण में हैं। इनमें तालबेहट किला (ललितपुर जिला), कालिंजर किला (बांदा), मड़फा (चित्रकूट) और बरुआ सागर झांसी के घाट की सीढ़ियां शामिल हैं।

1.91 लाख बालिकाओं ने सीखी बैंकिंग की बारीकियां

परिषदीय और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों को मिला अवसर

लखनऊ, 25 सितंबर (एजेंसियां)। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन के लिए चल रहे मिशन शक्ति विशेष अभियान वर्ष 2025-26 के पांचवें चरण ने गुरुवार को एक नया इतिहास रचा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 20 सितम्बर को शुभारम्भ किए गए इस चरण के अंतर्गत गुरुवार को प्रदेशभर के परिषदीय और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों की कक्षा 6 से 8 की कुल 1.91 लाख बालिकाओं ने अपने-अपने क्षेत्रों की विभिन्न बैंक शाखाओं का भ्रमण किया।

यह कार्यक्रम केवल एक भ्रमण नहीं रहा, बल्कि भविष्य की आत्मनिर्भर नारी शक्ति की सशक्त नींव रही, जहां छात्राओं को बैंकिंग व्यवस्था, वित्तीय सेवाओं और डिजिटल बैंकिंग की बारीकियों से रूबरू कराया गया। ज्ञातव्य हो कि इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को बचत, बैंकिंग प्रक्रिया और डिजिटल सेवाओं से परिचित कराना था। छात्राओं को खाता खोलने की प्रक्रिया, पासबुक, चेकबुक और एटीएम कार्ड के उपयोग की जानकारी दी गई। साथ ही जमा-निकासी पर्ची भरने की विधि, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई और इंटरनेट बैंकिंग जैसी डिजिटल सेवाओं का भी प्रत्यक्ष अनुभव कराया गया।

इस दौरान बचत और निवेश योजनाओं पर विशेष जोर दिया गया, जिससे छात्राएं समझ सकें कि छोटी-छोटी बचत भविष्य में बड़े लाभ का आधार बन सकती है। बैंक अधिकारियों ने उन्हें फिक्स्ड डिपॉजिट और आवर्ती जमा जैसी बुनियादी निवेश योजनाओं की जानकारी दी। इसके साथ ही वित्तीय सुरक्षा और ऑनलाइन सतर्कता के उपाय भी समझाए गए, ताकि वे सुरक्षित तरीके से लेन-देन कर सकें। बैंक भ्रमण के दौरान बालिकाओं में गजब का उत्साह देखा गया।

बैंक की शाखाओं में पहुंची बालिकाएं, बैंक अधिकारियों के साथ संवाद कर अपनी जिज्ञासाएं शान्त करती नजर आई। छात्राओं ने उनसे उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे। बैंक अधिकारियीं ने भी उनके प्रश्नों का उत्तर सरल भाषा में दिया। इस अनुभव ने न केवल उनके ज्ञान को समृद्ध किया बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ाया।

बैंक भ्रमण के दौरान बालिकाओं ने बचत खाता खोलने की प्रक्रिया और उसमें लगने वाले दस्तावेजों के बारे में जाना। बच्चियों ने जाना कि पासबुक, चेकबुक और एटीएम कार्ड का उपयोग किस तरह से किया जाता है। जमा और निकासी की पर्ची कैसे भरी जाती है और बैंकिंग लेन-देन की प्रणाली कैसे चलती है। मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई और इंटरनेट बैंकिंग जैसी डिजिटल सेवाएं कैसे काम करती हैं। बचत और निवेश योजनाओं का महत्व और उनका दीर्घकालिक लाभ क्या है? और ऑनलाइन धोखाधड़ी और एटीएम सुरक्षा से संबंधित सावधानियां क्यों जरूरी हैं।

आजम खां ने पार्टी बदलने के कयासों को गलत बताया

रामपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। सपा नेता आजम खां ने दलबदल के सारे कयास खारिज कर दिए। आजम खां ने कहा कि हम चरित्रवान लोग हैं। बिकाऊ नहीं हैं। उन्होंने अखिलेश यादव पर कहा कि वह बड़ी पार्टी के बड़े नेता हैं, मेरे जैसे छोटे आदमी के लिए कुछ कहा तो उनका बड़प्पन है। आजम खां ने जेल से रिहा होने के एक दिन बाद कहा कि टिकट तो हम अपनों को नहीं दिलवा पाए तो उनको क्या दिलाते। एसटी हसन हमारे बड़े भाई हैं। सपा नेता ने कहा कि साल 2017 के बाद से लेकर अब तक यह बात भी सामने आ गई जो लोग अब तक मुझे नहीं जानते थे, वह भी जानने लगे। आजम ने कहा कि उन्हें तो अभी यह भी सोचने का मौका नहीं मिला है हम क्या करें। उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव के बयान पर कहा, अखिलेश बड़ी पार्टी के बड़े नेता हैं। मेरे जैसे छोटे आदमी के लिए कुछ कहा है तो उनका बड़प्पन है। उन्होंने दूसरी पार्टी में जाने के सवाल पर कहा कि आग न लगाओ। उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव से बातचीत पर कहा कि अभी उनसे बात नहीं हुई है। सपा नेता आजम खां ने पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव से बातचीत पर कहा कि यकीन मानिए जेल में मोबाइल चलाने की इजाजत नहीं होती है। पिछले पांच साल के दौरान वह अपनी पत्नी तक का नंबर भूल गए। पांच साल से जो शख्स मोबाइल से दूर रहा वह भला नंबर कैसे याद रखता। मोबाइल चलाना तक भूल गए। पांच साल तक एक छोटी सी कोठरी में रहे। सियासी रूप ही मर गया। सपा नेता आजम खां ने अपने ऊपर किए गए मुकदमों के सवाल पर कहा कि यदि मुकदमों में कोई दम होता तो वह आज बाहर नहीं होते।

संपादकीय

नीतीशे सरकार, भ्रष्टाचार की बहार!

हम एक मुद्दत से बिहार के चुनावी हालात का विश्लेषण करना चाह रहे थे। बिहार में संभवतः नवम्बर में विधानसभा चुनाव होने हैं। कई मुद्दे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत मां को लेकर राजद के कार्यकर्ता 3-4 बार गालियां दे चुके हैं। कैसे लोग हैं? दो नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और राहुल गांधी-'वोट चोरी' और बिहार के कथित अधिकार सरीखे मुद्दों पर यात्राएं संपन्न कर चुके हैं। बिहार देश का सबसे गरीब और पिछड़ा राज्य है, लेकिन राजनीतिक तौर पर बेहद सचेत और परिपक्व है। जातियों और सांप्रदायिकता में पूरी तरह विभाजित है। बिहार पर करीब 3.16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। औसत प्रति व्यक्ति आय 3000 रुपए माहवार है। यानी 100 रुपए रोजाना...! यह तो गरीबी-रेखा से निचले और भी निचले स्तर की आय है। ऐसे राज्य में एक मंत्री पर 200 करोड़ रुपए के जमीन घोटाले के आरोप लगें और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खामोश रहें। जांच एजेंसियां निष्क्रिय रहें और एक अदद प्राथमिकी भी दर्ज न की जाए, तो आश्चर्य और क्षोभ की कोई सीमा नहीं रह जाती। 'जन सुराज पार्टी' के संस्थापक प्रशांत किशोर ने मंत्री अशोक चौधरी पर 200 करोड़ रुपए की जमीन के मामले में हेराफेरी के गंभीर आरोप लगाए हैं। पैसे और दस्तावेजों का उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट और बेटी के नाम किस तरह हस्तांतरण किया गया, उसके ब्यौरे भी प्रशांत ने दिए हैं। कमाल है, किसी आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय की नींद नहीं टूटी? मंत्री ने प्रशांत किशोर को 100 करोड़ रुपए की मानहानि का कानूनी नोटिस भिजवाया है। अदालत में 17 अक्तूबर को पेशी है। गंभीर आरोप भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल पर भी लगाए गए हैं कि उन्होंने एक मेडिकल कालेज पर कब्जा किया है। नीतीश सरकार में भाजपा कोटे के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर एक कांग्रेस नेता की हत्या के छींटे अब भी हैं। प्रशांत ने खुलासा किया है कि उनका असली नाम राकेश कुमार है। फिर नाम बदल कर सम्राट कुमार मौर्य किया गया और अब सम्राट चौधरी है। आखिर यह फ्रॉड क्यों करना पड़ा? मंत्री मंगल पांडे पर भी कर्ज लेने के घपले का आर्थिक आरोप है। दिलचस्प यह है कि जनता दल-यू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार और भाजपा के पूर्व केंद्रीय मंत्री आर.के. सिंह समेत एनडीए के कुछ नेताओं ने आरोपित मंत्रियों को सार्वजनिक तौर पर सफाई देने की मांग की है। अलबत्ता वे अपने पद छोड़ दें। ये बेहद गंभीर राजनीतिक बयान हैं। नीरज कुमार ने इसे 'अग्निपरीक्षा' का दौर माना है। सरकार, अदालत और आलाकमान क्या कार्रवाई करेंगे, यह दीगर बात है, लेकिन भ्रष्टाचार अचानक बिहार चुनाव का 'धुरी मुद्दा' बन गया है। नीतीश कुमार 'सुशासन' की राजनीति के प्रतीक माने जाते रहे हैं, लेकिन अब विपक्षी राजद कैग की रपट के आधार पर उनकी सरकार के खिलाफ 71,000 करोड़ रुपए की गड़बड़ के आरोप चस्पां कर रहा है। भाजपा पलटवार कर प्रशांत किशोर को बिहार का सबसे बड़ा 'नटवरलाल' करार दे रही है। एनडीए और इंडिया गठबंधन वाले दल एक-दूसरे को 'जंगलराज' का पर्याय करार दे रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी उद्घोष करते रहे हैं-'न खाऊंगा और न खाने दूंगा।' वह एनडीए के शीर्षस्थ नेता हैं। चुनाव से ऐन पहले भ्रष्टाचार के ऐसे गंभीर आरोप लगे हैं, लिहाजा उनकी कार्रवाई की अपेक्षा यह देश करता है। बिहार में अदाणी समूह को 1000 से अधिक एकड़ ज़मीन मात्र 1 रुपए की लीज पर आवंटित की गई है। विपक्ष इसे भी बड़ा भ्रष्टाचार मान कर प्रचार कर रहा है। कमोबेश जनता को खुलासा किया जाए कि ऐसी जमीनें 1 रुपए की लीज पर क्यों दी जाती हैं? 1940 के बाद कांग्रेस ने अपनी सर्वोच्च संस्था 'कांग्रेस कार्यसमिति' की बैठक बिहार में की है और भ्रष्टाचार को भी 'वोट चोरी' की बुनियाद करार दिया है। यदि बिहार का चुनाव भ्रष्टाचार और बेरोजगारी पर ही लड़ा गया, तो हम इसे सकारात्मक, क्रांतिकारी, परिवर्तनकारी चुनाव मानेंगे। इनमें स्वास्थ्य, शिक्षा, महंगाई, गरीबी सरीखे मुद्दे भी जोड़ दिए जाएं, तो बेशक कुछ सामाजिक बदलाव के आसार बन सकते हैं। अब देखना होगा कि इस चुनाव का क्या परिणाम निकलता है।

बिहार पर करीब 3.16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। औसत प्रति व्यक्ति आय 3000 रुपए माहवार है। यानी 100 रुपए रोजाना...! यह तो गरीबी-रेखा से निचले और भी निचले स्तर की आय है। ऐसे राज्य में एक मंत्री पर 200 करोड़ रुपए के जमीन घोटाले के आरोप लगें और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खामोश रहें। जांच एजेंसियां निष्क्रिय रहें और एक अदद प्राथमिकी भी दर्ज न की जाए, तो आश्चर्य और क्षोभ की कोई सीमा नहीं रह जाती। 'जन सुराज पार्टी' के संस्थापक प्रशांत किशोर ने मंत्री अशोक चौधरी पर 200 करोड़ रुपए की जमीन के मामले में हेराफेरी के गंभीर आरोप लगाए हैं। पैसे और दस्तावेजों का उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट और बेटी के नाम किस तरह हस्तांतरण किया गया, उसके ब्यौरे भी प्रशांत ने दिए हैं। कमाल है, किसी आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय की नींद नहीं टूटी? मंत्री ने प्रशांत किशोर को 100 करोड़ रुपए की मानहानि का कानूनी नोटिस भिजवाया है। अदालत में 17 अक्तूबर को पेशी है। गंभीर आरोप भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल पर भी लगाए गए हैं कि उन्होंने एक मेडिकल कालेज पर कब्जा किया है। नीतीश सरकार में भाजपा कोटे के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर एक कांग्रेस नेता की हत्या के छींटे अब भी हैं।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस (26 सितम्बर पर विशेष)

जितना स्वस्थ होगा पर्यावरण, उतना बेहतर होगा स्वास्थ्य

योगेश कुमार गोयल

उत्तम स्वास्थ्य के साथ प्रकृति और पर्यावरण हमें भोजन, कपड़े इत्यादि जीवित रहने के लिए भी हर चीज प्रदान करते हैं, इसलिए न केवल स्वस्थ रहने के लिए बल्कि धरती पर जीवन का अस्तित्व बचाए रखने के लिए प्रकृति और पर्यावरण का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है लेकिन गहन चिंता का विषय यही है कि अब प्रकृति के साथ मानव जाति द्वारा किए जा रहे खिलवाड़ के कारण ही वैश्विक पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है, जिसका खामियाजा अब दुनिया के लगभग तमाम देश भुगत भी रहे हैं। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ किए जा रहे भयानक खिलवाड़ के ही कारण धरती लगातार गर्म हो रही है। चक्रवाती तूफानों का बढ़ता सिलसिला, बाढ़, सूखा, जंगलों में लगने वाली भीषण आग तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं में तेजी, ये सब पर्यावरण का स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण जलवायु में हो रहे बदलावों का ही परिणाम हैं।

हमारा पर्यावरण जितना स्वस्थ होगा, हमारा स्वास्थ्य भी उतना ही अच्छा होगा। इसका सीधा सा अर्थ है कि हम अपने स्वास्थ्य के लिए काफी हद तक पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हैं और इसलिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। दरअसल पर्यावरणीय स्वास्थ्य का मानव स्वास्थ्य से बहुत गहरा संबंध है। उत्तम स्वास्थ्य के साथ प्रकृति और पर्यावरण हमें भोजन, कपड़े इत्यादि जीवित रहने के लिए भी हर चीज प्रदान करते हैं, इसलिए न केवल स्वस्थ रहने के लिए बल्कि धरती पर जीवन का अस्तित्व बचाए रखने के लिए प्रकृति और पर्यावरण का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है लेकिन गहन चिंता का विषय यही है कि अब प्रकृति के साथ मानव जाति द्वारा किए जा रहे खिलवाड़ के कारण ही वैश्विक पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है, जिसका खामियाजा अब दुनिया के लगभग तमाम देश भुगत भी रहे हैं। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ किए जा रहे भयानक खिलवाड़ के ही कारण धरती लगातार गर्म हो रही है। चक्रवाती तूफानों का बढ़ता सिलसिला, बाढ़, सूखा, जंगलों में लगने वाली भीषण आग तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं में तेजी, ये सब पर्यावरण का स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण जलवायु में हो रहे बदलावों का ही परिणाम हैं। वैश्विक तापमान में निरंतर हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का बिगड़ता मिजाज समस्त मानव जाति के लिए गंभीर चिंता बनता जा रहा है। भारत के ही संदर्भ में देखें तो अब सर्दियां कम हो रही हैं और गर्म दिन बढ़ रहे हैं, बारिश के मौसम में भी कहीं सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है तो कहीं चारों तरफ तबाही ही तबाही नजर आती है। इस वर्ष भी हिमाचल, उत्तराखण्ड, जम्मू कश्मीर, पंजाब, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश से लेकर देश के अनेक हिस्सों में जल तबाही का भयानक नजारा देखा जाता रहा है।

पर्यावरण को हो रहे गंभीर नुकसान की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने, पर्यावरण की स्थिति के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने तथा लोगों को इसे और बदतर होने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 सितम्बर को एक विशेष थीम के साथ 'विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। 2025 के विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस का विषय है 'स्वच्छ वायु, स्वस्थ लोग', जो स्वच्छ वायु और अच्छे स्वास्थ्य के बीच सीधे संबंध पर जोर देता है। प्रदूषकों से मुक्त वायु श्वसन संबंधी बीमारियों को सीमित करने और लोगों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2024 में यह दिवस 'पर्यावरणीय स्वास्थ्यः आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन शमन तथा अनुकूलन के माध्यम से लचीले समुदायों का निर्माण' थीम के साथ मनाया गया था जबकि 2023 की थीम थी 'वैश्विक पर्यावरणीय सार्वजनिक स्वास्थ्यः हर दिन हर किसी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए खड़ा होना' थीम के साथ मनाया गया था और 2022 की थीम थी 'सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना', जिसका अर्थ था पर्यावरणीय स्वास्थ्य तंत्र को इस प्रकार मजबूत बनाया जाए ताकि लंबे समय तक पर्यावरण और मानव की लंबी उम्र तथा अच्छी सेहत के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। इस दिन पर्यावरण के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई जाती है। प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना अब पहले के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दरअसल पर्यावरणीय परिस्थितियों को बिगड़ने से रोकने के लिए कुछ भी नहीं करके हम न केवल पर्यावरण को बल्कि स्वयं को भी खतरे में डाल रहे हैं क्योंकि हमारा स्वास्थ्य हमारे पर्यावरण से जुड़ा है और पर्यावरण को हो रहे निरंतर नुकसान से मानव जीवन को भी नुकसान झेलना पड़ता है।

बढ़ते प्रदूषण और प्रकृति से खिलवाड़ के कारण ग्रीनहाउस प्रभाव, जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण इत्यादि के कारण हमारे भोजन, पानी और वायु की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ता है, जिसके कारण लोगों को सांस लेने में तकलीफ, त्वचा संबंधी रोग सहित कई तरह की गंभीर बीमारियां भी हो रही हैं। पर्यावरण का स्वास्थ्य खराब होने से हमारा स्वास्थ्य भी खराब हो रहा है, जिसका सीधा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। ऐसी ही समस्याओं के मद्देनजर लोगों में पर्यावरणीय स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए 'इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एनवायरनमेंटल हैल्थ' (आईएफईएच) द्वारा 26 सितम्बर 2011 को विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस की शुरूआत की गई थी। इसकी शुरुआत 2011 में डेनपास, बाली (इंडोनेशिया) में हुए पर्यावरण स्वास्थ्य शिखर सम्मलेन और आईएफईएच की बैठक के दौरान हुई थी और इस दिन को दुनियाभर में चिन्हित करने का मुख्य उद्देश्य लोगों की भलाई और स्वास्थ्य की तरफ उनका ध्यान आकर्षित करना था। आईएफईएच वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान के आदान-प्रदान पर केन्द्रित है और इसका बड़ा हिस्सा वैज्ञानिक एवं तकनीकी के लिए कार्य करता है। पूर्ण रूप से पर्यावरण और स्वास्थ्य कार्यों को लेकर समर्पित आईएफईएच पर्यावरण स्वास्थ्य विज्ञान और प्रशासन से संबंधित विषयों पर चर्चा करता है और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर सूचना का आदान-प्रदान करता है। पर्यावरण सुरक्षा कार्यबल के समर्थन के साथ आईएफईएच स्वास्थ्य और हरित पुनर्प्राप्ति में सहयोग करता है। यह उन राष्ट्रीय संस्थानों के लिए एक महासंघ है, जो पर्यावरण स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों पर कार्य करते हैं। 2018 में इस फेडरेशन ने 40 देशों को पूर्ण सदस्यों के तौर पर जगह दी थी। आईएफईएच के अध्यक्ष सुजान पैक्सो के अनुसार दुनिया को यह समझने की आवश्यकता है कि पर्यावरण, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के बीच एक गहन संबंध है।

बहरहाल, यह समझना बहुत जरूरी है कि आखिर पर्यावरण स्वास्थ्य है क्या? किसी क्षेत्र विशेष के रासायनिक, भौतिक और सांस्कृतिक वातावरण को उसके पर्यावरणीय स्वास्थ्य के रूप में जाना जाता है और किसी क्षेत्र का पर्यावरणीय स्वास्थ्य वहां की वायु की खराब गुणवत्ता, पर्यावरण में विविधता का नुकसान, रासायनिक असमानताएं तथा ऐसे सभी कारक, जो किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को बिगाड़ते हैं, से प्रभावित होता है। किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को मापने में पर्यावरणीय स्वास्थ्य संकेतक, प्रदूषण का स्तर, पारिस्थितिकी में विविधता, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, स्वच्छता की शर्तें, कृषि उत्पादकता इत्यादि प्रमुख भूमिका निभाते हैं। पर्यावरणीय स्वास्थ्य की देखभाल के महत्व को दर्शाता विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस वास्तव में न केवल पारिस्थितिक स्वास्थ्य की सुरक्षा की वकालत करता है बल्कि मानव स्वास्थ्य पर पर्यावरणीय स्वास्थ्य के पड़ने वाले प्रभाव और संबंध को समझने की जरूरत पर भी जोर देता है।

कुछ अलग

वसीयत के लिए वारिस का इंतजाम

वक्त बदलने के साथ-साथ बातों का अर्थ, जीने का अंदाज, प्रेमालाप का तरीका तक कुछ इस कद्र बदल गया है कि हम पहचान ही नहीं पाते कि क्या यह हमारा वही संसार है, जिसमें हम तन कर हमेशा 'सही को सही' और 'गलत को गलत' कहते रहे। तब की बात और थी हुजूर। तब हम सच के हक में आवाज उठाते थे, तो दस लोग हमारी हां में हां मिलाने के लिए खड़े हो जाते थे। हां में हां मिलाने वालों की तो आज भी कमी नहीं, लेकिन जमाने ने सच के अर्थ और यथार्थ के संदर्भ ही बदल दिए, इसलिए हां में हां मिलाने वाले अब किसी सत्कार्य के लिए खड़े होने वाले नहीं, बड़े आदमी की चाटुकारिता में अर्थ तलाशने वाले हो गए। कुछ राज्यों में चुनाव करीब हैं। अब सुदामा के सत्तुओं की पोटली का महत्व बढ़ सकता है। वोट मांगने के लिए तुम्हारी पोटली की थाह लेने तेरे द्वार तक दोबारा सत्ताधीश बनने की चाह रखने वाले आएंगे। जो इनके नीचे से कुर्सी खिसका दें, ऐसे विपक्षी भी तेरा द्वार खटखटाएंगे। भला तेरी सत्तुओं की पोटली में इतनी कुव्वत है कि वह आधी-आधी बंट कर दोनों का पेट भर सके? अजी क्या गए बीते जमाने की बातें करते हो? पेट तो देखो इन भद्रजनों के भरे-भराये हैं। वे तेरे सत्तू बांटने नहीं तुझे अपने सपने के एक टुकड़े की खैरात देने आए हैं। पिछली बार पांच साल पहले सपनों की आमद का भ्रमजाल बिछा तेरे मतपत्रों का जिंदाबाद ले गए थे। फिर तुझे या तेरी पोटली या उसमें बंधे सत्तू भूल अपनी साइकिलों को आयातित गाडियां बनाने में लगे रहे। अब चुनाव युग आने की घंटी टनटनायी तो फिर तेरी सुदामा का सुदामा रह जाने और उसकी पोटली के और भी फट जाने की याद आई।

देश दुनिया से

पत्थर, पुल और हम

मानव संबंधों पर, इनसानी आदतों पर, हम सबके व्यवहार पर शोध होते ही रहते हैं। मानव मस्तिष्क एक जटिल मशीन है और हमारे दिमाग पर, हमारे विचारों पर और हमारे व्यवहार पर होने वाले शोध हर बार किसी ऐसे नये सत्य का उद्घाटन करते हैं जिसे यदि हम समझ लें तो जीवन जीने का हमारा तरीका ही बदल जाए। दुनिया भर की रिसर्च में ये पाया गया है कि सबसे ज्यादा गिनती उन लोगों की है जो दूसरों के कामों में गलतियां निकालते रहते हैं। ऐसे लोगों की निगाह बड़ी तीखी होती है और वे छोटी से छोटी गलती को भी पकड़ लेते हैं और उसकी आलोचना शुरू कर देते हैं। किसी की गलती ढूंढना, किसी की बुराई करना, किसी की कमियां गिनाना, उनका शौक है, उनका शगल है। इससे उन्हें कुछ मिलता नहीं, बस उनके अपने दिल को एक नकारात्मक संतुष्टि मिलती है, क्योंकि वे किसी की गलती इसलिए नहीं निकालते कि वे उसे सुधारने में मदद कर सकें, बल्कि उनका उद्देश्य तो सिर्फ इतना सा होता है कि गलती के बहाने उन्हें आलोचना करने का, चटपटी गपशप का एक सिलसिला मिल जाए। गलती समझ कर मार्गदर्शन करना या सहायता का हाथ बढ़ाना एक बात है और गलती समझ कर उसे गपशप का माध्यम बना देना एक बिलकुल अलग ही नशा है जो सबके लिए हानिकारक है। ऐसे ही लोगों की एक दूसरी किस्म भी है। अफवाहें फैलाने वाले और गपशप में रस लेने वाले इन लोगों को खबरची कहा जाता है। ऐसे लोग पड़ोसियों के घर में हर आने-जाने वाले पर निगाह रखते हैं, हर किसी के मामले में दखल देते हैं, हर एक व्यक्ति से उनके व्यक्तिगत जीवन के बारे में भी असुविधाजनक सवाल पूछते हैं, खोद-खोद कर सवाल पूछते हैं और फिर प्राप्त जानकारी का ढिंढोरा पीटते हैं। ये हर किसी से प्रेम से मिलते हैं पर किसी के सगे नहीं हैं। ये किसी के मुंह पर कोई बात नहीं कहते और पीठ पीछे चुप नहीं होते। ये गप्पें मारने वाले और अफवाहें फैलाने वाले लोग हैं। तीसरे नंबर पर बहुत कम लोग हैं जो किसी के सुख-दुख में शामिल रहते हैं। वे बातूनी हों या न हों, पर सहायक अवश्य होते हैं, आगे बढ़कर साथ देते हैं, बिना कहे भी जिम्मेदारियां संभालते हैं और अकसर एहसान नहीं जताते। चौथे नंबर पर इनसे एक और कदम आगे वाले वे लोग हैं जो किसी की कमी देखते हैं, महसूस करते हैं और ये समझकर कि ये कमी उस व्यक्ति के विकास में बाधा बन सकती है, उसका मार्गदर्शन करते हैं, हौसला बढ़ाते हैं। ऐसा वे किसी स्वार्थवश करें या निस्वार्थ होकर करें पर ऐसे लोग कइयों का बेड़ा पार लगाने में सहायक हो जाते हैं। ये विरले लोग मन से ही दयालु होते हैं, समझदार होते हैं। ऐसे लोग अकसर वे हैं जो खुद भी सफल हैं और दूसरों की सफलता में भी सहायक होते हैं। पांचवें नंबर पर आने वाले लोग लाखों में एक होते हैं, जो मार्गदर्शन करते हैं, हौसला बढ़ाते हैं, पर यहीं रुकते नहीं, बल्कि आगे बढ़ कर सहायता भी करते हैं, सुख-दुख में सहारा भी बनते हैं। ऐसे लोग रास्ते का रोड़ा नहीं हैं, ये हम पर पत्थर नहीं फेंकते, बल्कि हमें औरों द्वारा फेंके गए पत्थरों से पुल बनाना सिखाकर हमारे जीवन का ढर्रा ही बदल देते हैं। ये सिर्फ मार्गदर्शन ही नहीं करते, हौसला ही नहीं बढ़ाते, बल्कि जरूरत होने पर किसी मित्र के पास हमारी सिफारिश करने से भी नहीं हिचकते और कई बार तो आर्थिक सहायता से भी नहीं चूकते। आज हमारे समाज की समस्या यह है कि बहुत से परिवार भी इन्हीं पांच किस्मों के हैं। ऐसे मां-बाप की कमी नहीं है जो अपने बच्चों की कमियां ही गिनाते रहते हैं, उन्हें हतोत्साहित करते रहते हैं। कभी अज्ञानवश और कभी अपने स्वभाव के कारण। वे अपने बच्चों का ही जीना दूभर कर देते हैं। अगर किसी घर में मां सौतेली हो और उसे अपने सौतेले बच्चों से प्यार न हो तो घर का पूरा वातावरण ही दूषित हो जाता है। हमें याद रखना चाहिए कि सफल होने से पहले हर व्यक्ति संघर्ष कर रहा होता है। संघर्ष का वह समय कितना लंबा होगा, यह हर व्यक्ति के साधनों, संपर्कों, योग्यताओं और किस्मत पर निर्भर करता है। दुनिया किसी व्यक्ति को तब जानना शुरू करती है जब वह कुछ नया कर दिखाता है। तालियां तब बजती हैं, मैडल तब मिलते हैं जब कोई विजयी हो जाता है। जीत से पहले मेहनत है, अनुशासन है, संघर्ष है, उपेक्षा है, यहां तक कि अपमान भी है। यह परिवार और मां-बाप का सामूहिक उत्तरदायित्व है कि संघर्षरत बच्चे का मार्गदर्शन करें, उत्साह बढ़ाएं और आवश्यक सुविधाएं प्रदान करें। सफलता और असफलता समाज द्वारा गढ़े गए दो वयस्क शब्द हैं जो कई बार कई प्रतिभाशाली व्यक्तियों के जीवन में जहर घोल देते हैं। हम सब के साथ यही गड़बड़ है। असफलता को लेकर एक शिशु और एक वयस्क की प्रतिक्रियाओं में जमीन-आसमान का अंतर होता है। एक शिशु को असफलता से लज्जा नहीं आती, आत्मग्लानि नहीं होती, अपराध का बोध नहीं होता। चलना सीखने वाले बच्चे बार-बार गिरते भी हैं। साइकिल चलाना सीखते समय बच्चे कई बार लुढकते और चोट खाते हैं। चलते समय या साइकिल चलाना सीखते समय बच्चे सफलता या असफलता के बारे में भी नहीं सोचते, परंतु जब वयस्कों को खुश करना महत्त्वपूर्ण बन जाता है तो सफलता और असफलता के बीच गहरी रेखा खिंच जाती है। हम बच्चों को स्कूल का काम न करने पर धमकाते हैं, नाराज हो जाने की धमकी देते हैं, असफल हो जाने का भय पैदा करते हैं। मां-बाप और अध्यापक मिलकर बच्चों में इस हद तक भय पैदा कर देते हैं कि भय से ग्रस्त बच्चा अपने मस्तिष्क की शक्तियों का विकास करने के बजाय उनका विनाश करता चलता है। भय, बुद्धि का दुश्मन है। वह हमारे दृष्टिकोण को, जीवन के प्रति उसकी सोच को प्रभावित करता है। इस सोच को दूसरा पहलू यह है कि जब तक कोई व्यक्ति सफल न हो जाए, हम उसकी लगन, मेहनत, संघर्ष आदि की कद्र नहीं करते और उसे सफल होने का वातावरण नहीं देते। खेती और बागबानी के उदाहरण से इसे समझा जा सकता है। यदि कोई पौधा किसी खास तरह के वातावरण में पनपता है तो हम उसे वैसा वातावरण देते हैं। बच्चों को फलने-फूलने और सफल होने के लिए जो सहिष्णु, सहयोगी और प्रेरणादायक वातावरण चाहिए वह वातावरण उपलब्ध करवाना परिवार, समाज और सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी है। आशय यही है कि संघर्ष की महत्ता स्वीकारें, सफलता से पहले के संघर्ष का भी आदर करें और संघर्षरत लोगों पर पत्थर न फेंके बल्कि यदि किसी ने अज्ञानवश या ईर्ष्यावश पत्थर फेंके भी हों तो उनसे पुल बनाएं या पुल बनाना सिखाएं, इसी में हमारी, हमारे समाज की और हमारे देश की भलाई है।

आप का नजरिया

ढलियारा का खूनी मोड़

ढलियारा के मोड़ पर पुनः पुराना हादसा और परिवहन व्यवस्था की चीख निकल गई। चार लोगों की मौत में श्रद्धालु गिनें, गलत वाहन पर यात्रियों की ढुलाई को मना करें या इन रास्तों की खूंखार इंजीनियरिंग में दोष चुनें। जो भी हो यह मंजर बार-बार लौट कर आता है और रास्ते के पत्थर शिकायत करते हैं। आश्चर्य है कि चंडीगढ़ और जालंधर को धर्मशाला से जोड़ता यह मार्ग दुर्घटनाओं की कब्र में मृत मान लिया गया। गलतियां चुनना आसान है और जांच के पहिए दौड़ाना भी मुश्किल नहीं, पर इस हादसे को पर्यटन से जोड़ के देखें तो एक गहरी सी टीस उठती है। पर्यटक वाहनों के लिए हमारे निर्देश, हमारे आदेश और हमारी चौकसी है क्या। माना कि श्रद्धा का सामान लिए यह ट्रक चामुंडा में लंगर डालकर, नवरात्रि पर्व के पुण्य में शरीक होने की मंजिल पर जा रहा था। क्या ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली और दोपहिया वाहनों पर यात्रियों को परिवहन नियमों की अवहेलना का अधिकार मिल जाता है। इस दुर्घटना के कई भाग और लक्षण हैं, जहां वाहन, परिवहन, ट्रैफिक पैट्रोलिंग और सडक़ की स्थिति में से किसी को भी दोषी चुना जा सकता है। हम पर्यटन विस्तार की हसरतों में सैलानियों के आगमन को खरी खबर मानते हैं, लेकिन हर साल एक मुकाम हार जाता है, तेरे आने से पहले बुरी खबर से। पर्यटकों को वाहनों के कारण, नदी-नालों में नहाने के कारण व पहाड़ों में भटक जाने के कारण, हर साल जिंदगी के जोखिम भारी पड़ते हैं, लेकिन हर साल ऐसी घटनाओं की बुरी खबर पूरे सीजन पर बुरी नजर बन जाती है। हम इस बार मान सकते हैं कि ट्रक का ड्राइवर गलत था या सडक़ पर उसका एहसास गलत था, लेकिन पिछले दिनों भारी बरसात में जिस तरह श्रद्धा का विकृत स्वरूप सामने आया, उसे क्या कहेंगे। हमारा आशय दोपहिया वाहनों को मालगाड़ी बना कर दौड़ाने का आलम मकलोडगंज से मनाली तक की सडक़ों को भयभीत करता रहा। यहां यह भी कहना जरूरी होगा कि सडक़, परिवहन और वाहन चालन को पर्यटन की सुरक्षित व्यवस्था में देखने की जरूरत है। यह भी देखा गया है कि हाल के वर्षों में पुराने वाहनों पर पहाड़ पर चढने की मानों कोई प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई हो। श्रद्धा में आत्मविभोर होना एक बात है, लेकिन धार्मिक पर्यटन के खुलासे में हमारी व्यवस्था चकनाचूर हो रही है। क्या हम नदी-नालों में डूबते सैलानियों को नहीं बचा सकते। क्या हम ढलियारा के खूनी मोड़ों को परिवहन के हिसाब से सही नहीं कर सकते। क्या हम बाहरी राज्यों के वाहनों को पर्वतीय परिवहन के अनुशासन से नहीं बांध सकते। जो भी हो कुछ हिदायतें हमें ऐसे हादसों से मिलती जरूर, लेकिन सबक नजरअंदाज हो जाते हैं। पर्यटन की मंजिलों को जोड़ते परिवहन और परिवहन के आंकड़ों में सैलानी वाहनों को समझना होगा। न हम परिवहन को अफरातफरी का मंजर बना सकते हैं और न ही सडक़ों को कब्रगाह बनने की ढील दे सकते हैं। हिमाचल में पर्यटक आवाजाही को देखते हुए कुछ सडक़ों की हालत को सुधारने की गुंजाइश है। इसी संदर्भ में जालंधर व चंडीगढ़ से धर्मशाला को जोड़ते मार्गों की स्थिति में व्यापक सुधार की गुंजाइश है। रानीताल-मुबारिकपुर तथा जालंधर-मुबारिकपुर-नादौन तक प्रस्तावित फोरलेन मार्गों से आवश्यक सुधार आ सकता है, लेकिन इसके लिए हिमाचल में पर्यटन व धार्मिक सर्किट बनाने की दिशा में एक मुकम्मल परिवहन परियोजना की जरूरत है। बेहतर यह भी होगा कि अंब-अंदौरा तक पहुंची ऊना रेल का रुख ज्वालाजी-कांगड़ा की ओर मोड़ा जाए। प्रदेश को पर्यटक परियोजनाओं की मंजिलें अगर सुदृढ़ करनी हैं, तो सर्वप्रथम आने वाले मेहमानों के लिए सुरक्षित परिवहन के सारे मानदंड भी पूरे करने होंगे। इस हादसे से ठीक पहले ढलियारा रोड की ढलान से फिसलता एक ट्रक होटल परिसर के भीतर पहुंच गया था। ऐसे में सडक़ों पर उभर रहे खतरों को देखते हुए नए सर्वेक्षणों की जरूरत, ऐसे कई मार्गों पर दिखाई देती है।

गलतियां चुनना आसान है और जांच के पहिए दौड़ाना भी मुश्किल नहीं, पर इस हादसे को पर्यटन से जोड़ के देखें तो एक गहरी सी टीस उठती है। पर्यटक वाहनों के लिए हमारे निर्देश, हमारे आदेश और हमारी चौकसी है क्या। माना कि श्रद्धा का सामान लिए यह ट्रक चामुंडा में लंगर डालकर, नवरात्रि पर्व के पुण्य में शरीक होने की मंजिल पर जा रहा था। क्या ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली और दोपहिया वाहनों पर यात्रियों को परिवहन नियमों की अवहेलना का अधिकार मिल जाता है। इस दुर्घटना के कई भाग और लक्षण हैं, जहां वाहन, परिवहन, ट्रैफिक पैट्रोलिंग और सडक़ की स्थिति में से किसी को भी दोषी चुना जा सकता है। हम पर्यटन विस्तार की हसरतों में सैलानियों के आगमन को खरी खबर मानते हैं, लेकिन हर साल एक मुकाम हार जाता है, तेरे आने से पहले बुरी खबर से। पर्यटकों को वाहनों के कारण, नदी-नालों में नहाने के कारण व पहाड़ों में भटक जाने के कारण, हर साल जिंदगी के जोखिम भारी पड़ते हैं, लेकिन हर साल ऐसी घटनाओं की बुरी खबर पूरे सीजन पर बुरी नजर बन जाती है। हम इस बार मान सकते हैं कि ट्रक का ड्राइवर गलत था या सडक़ पर उसका एहसास गलत था, लेकिन पिछले दिनों भारी बरसात में जिस तरह श्रद्धा का विकृत स्वरूप सामने आया, उसे क्या कहेंगे। हमारा आशय दोपहिया वाहनों को मालगाड़ी बना कर दौड़ाने का आलम मकलोडगंज से मनाली तक की सडक़ों को भयभीत करता रहा।

दृष्टि कोण

गुणवत्ता से परिपूर्ण हो बुजुर्ग जीवन

किसी भी समाज की सभ्यता का असली पैमाना यह है कि वह अपने बुजुर्गों के साथ कैसा व्यवहार करता है। जीवन की समझ, संघर्ष और अनुभव का खजाना बने बुजुर्ग किसी भी राष्ट्र की धरोहर होते हैं। वे केवल बीते समय की कहानियां नहीं, बल्कि वर्तमान की मजबूती और भविष्य की दिशा देने वाले दीपस्तंभ हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में आज सबसे गंभीर सवाल यही है कि क्या हम अपने वरिष्ठ नागरिकों को वह गरिमा, सुरक्षा और सक्रिय जीवन दे पा रहे हैं जिसके वे हकदार हैं। भारत में परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं, 2011 की जनगणना के अनुसार देश में 10.4 करोड़ लोग 60 वर्ष या उससे अधिक आयुवर्ग के थे। 2021 तक यह संख्या 13.8 करोड़ पर पहुंची और अनुमान है कि 2026 तक यह 17.3 करोड़ से अधिक हो जाएगी। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार 2050 तक भारत की लगभग 20 प्रतिशत जनसंख्या वृद्ध होगी, जबकि 2046 तक स्थिति ऐसी होगी कि बुजुर्गों की संख्या बच्चों से भी अधिक हो जाएगी। यह बदलाव केवल आंकड़ों की कहानी नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना और मानवीय मूल्यों की नई परीक्षा है। दिलचस्प तथ्य यह है कि भारत के लगभग 71 प्रतिशत बुजुर्ग ग्रामीण इलाकों में रहते हैं, जहां स्वास्थ्य सुविधाएं और सामाजिक सुरक्षा का ढांचा अपेक्षाकृत कमजोर है। बुजुर्ग जीवन केवल लंबा नहीं होना चाहिए, बल्कि गुणवत्ता से परिपूर्ण भी होना चाहिए। भारत में औसत जीवन प्रत्याशा दर लगातार बढ़ रही है। महिलाएं औसतन 70 वर्ष से ऊपर और पुरुष लगभग 68 वर्ष तक जी रहे हैं। मगर इन वर्षों में सबसे बड़ी चुनौती सक्रियता, स्वास्थ्य और गरिमा बनाए रखने की है। चलने-फिरने की कठिनाई, हड्डियों और जोड़ों की बीमारियां, देखने-सुनने की समस्याएं आम हो चुकी हैं। आर्थिक स्थिति भी बहुत चुनौतीपूर्ण है, अधिकांश बुजुर्ग अब भी अपने बच्चों या रिश्तेदारों पर निर्भर रहते हैं। 60 से 64 वर्ष की आयु के 65 प्रतिशत पुरुष और मात्र 18 प्रतिशत महिलाएं ही किसी आर्थिक गतिविधि में संलग्न हैं। वृद्धावस्था निर्भरता अनुपात 1961 में 10.9 प्रतिशत था, जो 2021 में 15.7 प्रतिशत हो चुका है और 2031 में इसके 20 प्रतिशत से ऊपर पहुंचने की संभावना है। इसका सीधा अर्थ है कि कार्यशील जनसंख्या पर बोझ बढ़ेगा और परिवारों पर दबाव और गहरा होगा। सुरक्षा की स्थिति भी चिंताजनक है। 2021 के आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली में प्रति लाख आबादी पर बुजुर्गों के खिलाफ अपराध दर 93.8 थी। यह स्थिति उस वर्ग के लिए बेहद दर्दनाक है जिसे जीवन की संध्या में सहारे और सुरक्षा की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। सरकार ने बुजुर्गों के कल्याण के लिए कुछ योजनाएं लागू की हैं। 'वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007' बच्चों को माता-पिता की देखभाल का कानूनी दायित्व देता है। 'राष्ट्रीय वयोश्री योजना' के तहत गरीब बुजुर्गों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं। हिमाचल में रोगी मित्र योजना की घोषणा की गई है जिसके तहत 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग वाले बुजुर्गों को घर द्वार सेवा की जाएगी। इसके अलावा हिमाचल सरकार द्वारा 9 वृद्धजन आश्रमों का संचालन भी किया जा रहा है। पेंशन योजनाएं, डे-केयर सेंटर और हेल्पलाइन सेवाएं भी उपलब्ध हैं। लेकिन सच यह है कि विशाल जरूरतों के सामने ये पहलें छोटी-सी कोशिश भर हैं। ऐसे समय में केरल ने एक ऐतिहासिक पहल की है। राज्य ने देश का पहला 'वरिष्ठ नागरिक आयोग' गठित किया है, जो बुजुर्गों के कल्याण, संरक्षण और पुनर्वास को सुनिश्चित करेगा। आयोग उपेक्षा, शोषण, अकेलापन और स्वास्थ्य समस्याओं जैसे मुद्दों को संबोधित करेगा और बुजुर्गों को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर देगा।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जेआईसीए जापान-अफ्रीका होमटाउन परियोजना को रद्द करेगा

टोक्यो (जापान), 25 सितंबर (एजेंसियां)।

जापान-अफ्रीका होमटाउन परियोजना के देशव्यापी विरोध के बीच जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) ने इसे रद्द करने का फैसला किया है। इसकी औपचारिक घोषणा होने की उम्मीद है। इस परियोजना की घोषणा

अगस्त में की गई थी। विदेश मंत्रालय से जुड़ी इस परियोजना का उद्देश्य चार जापानी शहरों और अफ्रीकी देशों के बीच आवासीय आदान-प्रदान को बढ़ावा देना था। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों का कहना है कि इस परियोजना को गलती से अफ्रीका से आप्रवासन को बढ़ावा देने की नीति मान लिया गया। इसके कारण जापान में तीखी प्रतिक्रिया हुई और इसे रद्द करने की मांग की गई। विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, परियोजना अच्छी है। हालांकि हम इसे वापस ले रहे हैं, फिर भी हम अंतरराष्ट्रीय आदान-प्रदान को और अधिक सक्रियता से बढ़ावा देते रहेंगे। इस परियोजना के तहत नाइजीरिया के साथ चिबा प्रांत में किसाराज़ू, तंजानिया के साथ यामागाटा प्रांत में नागाई, घाना के साथ निगाटा प्रांत में संजो और मोज़ाम्बिक के साथ एहिमे प्रांत में इमाबारी में काम होना था। परियोजना को लेकर हंगामा तब और बढ़ गया जब नाइजीरियाई राष्ट्रपति कार्यालय ने एक गलत बयान जारी कर दावा किया कि जापान सरकार ने किसाराज़ू को यहां रहने और काम करने के इच्छुक नाइजीरियाई लोगों का गृहनगर बताया है और जापान एक विशेष वीजा श्रेणी बनाएगा। जापान की नगरपालिकाओं में इस परियोजना के विरोध के फोन कॉल और ई-मेल की बाढ़ आ गई। प्रदर्शनकारियों ने जेआईसीए को ही खतम करने की भी मांग कर डाली। केंद्र और स्थानीय सरकारों के बार-बार इस बात से इनकार करने के बावजूद कि यह परियोजना आव्रजन से संबंधित है, विरोध जारी रहा। इस बीच कुछ कुछ शहरी निकाय भी प्रदर्शनकारियों के साथ हो लिए। तब एजेंसी और मंत्रालय ने स्थिति की समीक्षा की और निष्कर्ष निकाला कि यह पहल स्थानीय सरकारों पर अत्यधिक बोझ डालने वाली है।

मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने परियोजना को वापस लेने के निर्णय पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, अगर इसे इंटरनेट पर एक जीत के रूप में देखा गया तो यह समस्याग्रस्त होगा।

न्यूज ब्रीफ

नेतन्याहू बोले - हमास को हराने और बंधकों को छुड़ाने के लिए सैन्य एवं राजनयिक प्रयास जारी

यरूशलेम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि गाजा में बंधक बनाए गए नागरिकों की रिहाई और हमास को परास्त करने के लिए लगातार सैन्य और कूटनीतिक प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में बताया गया कि नेतन्याहू ने यह भरोसा बंधक अलोन ओहेल के परिवार को दिया है, जो अब भी गाजा में कैद हैं। अलोन के पिता कोबी ओहेल ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री अमेरिका की यात्रा से लौटते समय ऐसा समाचार लेकर आएंगे जिसका इंतजार पूरे इजराइल को है। उन्होंने कहा, यह यात्रा एक ऐसा क्षण है जब सभी मंत्रियों को प्रधानमंत्री को समर्थन और ताकत देनी चाहिए ताकि वे अलोन और अन्य सभी बंधकों की रिहाई के लिए निर्णायक कदम उठा सकें। नेतन्याहू इस समय अमेरिका दौरे पर हैं, जहां शुक्रवार को वे संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान उनकी मुलाकात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भी तय है, जिसमें बंधकों की रिहाई पर विशेष चर्चा होगी। बंधक परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले होस्टेज फैमिलीज फोरम ने भी उम्मीद जताई है कि इस दौरे से बंधक संकट के समाधान की दिशा में ठोस पहल होगी।

ऑटिज्म का कारण बन सकती है पैरासिटामोल: डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गर्भवती महिलाओं को टाइलनॉल (पैरासिटामोल) लेने से सख्ती से मना किया। राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि इस दवा का सेवन ऑटिज्म का कारण बन सकता है और बच्चों को जन्म के बाद भी यह दवा नहीं देनी चाहिए। चिकित्सा विशेषज्ञों ने इस बयान को बिना वैज्ञानिक प्रमाण वाला एवं जोखिमपूर्ण बताया। वहीं इस दवा को बनाने वाली कंपनी केनव्यू ने भी कहा कि इस दावे के पीछे कोई विश्वसनीय शोध नहीं है। सेंटर्स फॉर डिसीज कंट्रोल (सीडीसी) और अन्य स्वास्थ्य संस्थाओं ने चेतावनी दी कि ऐसे बयान माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य को सीधे खतरे में डाल सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, ऑटिज्म के मामलों में वृद्धि मुख्य रूप से जेनेटिक, पर्यावरणीय और बेहतर निदान से जुड़ी है, न कि टाइलनॉल या वैक्सीन से। ट्रंप ने बच्चों को दी जाने वाली कई वैक्सीन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने एमएमआर वैक्सीन को अलग-अलग शॉट्स में देने और हेपेटाइटिस बी शॉट को एक दशक से अधिक देरी करने जैसे बदलाव सुझाए। इसके अलावा, स्वास्थ्य सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी ने कोविड वैक्सीन को अब तक का सबसे खतरनाक कदम बताया, जबकि सीडीसी ने किशोरों और युवाओं में हृदय संबंधी जटिलताओं के लिंक को खारिज किया। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि ऐसे बयान वैक्सीन हिचकिचाहट और गलतफहमी बढ़ा सकते हैं, जिससे बच्चों को रोकने योग्य बीमारियों का खतरा बढ़ जाएगा।

30 मिनट से अधिक चबाने पर गम की सफाई क्षमता हो जाती है कम

एम्स्टर्डम। च्युइंग गम सिर्फ स्वाद बदलने या बोरियत दूर करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह मुंह में मौजूद बैक्टीरिया और मृत कोशिकाओं को हटाने में भी मदद करता है, बशर्ते इसे सही समय तक ही चबाया जाए। यह दावा किया है नीदरलैंड्स की 'यूनिवर्सिटी ऑफ ग्रॉनिंगन' के शोधकर्ताओं ने। इस शोध में पांच अलग-अलग ब्रांड्स की च्युइंग गम को 10 मिनट और 30 मिनट तक चबाकर परीक्षण किया गया। परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि 10 मिनट तक गम चबाने पर मुंह से लगभग 100 मिलियन बैक्टीरिया बाहर निकल जाते हैं। यह प्रभाव गम की शुरुआती एक्टिविटी के कारण होता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, च्युइंग गम चबाने से लार का प्रवाह बढ़ता है। यह लार बैक्टीरिया और मृत कोशिकाओं को गम में सोख लेती है। शुरुआत में गम एक स्पंज की तरह काम करता है और बैक्टीरिया को खींचता है, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, इसकी क्षमता कम हो जाती है। 30 मिनट से अधिक चबाने पर गम की सफाई क्षमता कम हो जाती है और यह अपेक्षित लाभ नहीं दे पाता। 'अमेरिकन डेंटल एसोसिएशन' के अनुसार शुगर-फ्री च्युइंग गम को लगभग 20 मिनट तक चबाना चाहिए। इससे दांतों और मसूड़ों की सफाई में मदद मिलती है और मुंह में ताजगी बनी रहती है। विशेषज्ञों का कहना है कि लोग अक्सर गम चबाते समय स्वाद या मनोरंजन के लिए इसे ज्यादा देर तक चबाते हैं। यह आदत खासकर उन लोगों के लिए हानिकारक हो सकती है जिनके जबड़े में टीएमजे यानी 'जॉ ज्वाइंट' की समस्या है। लंबे समय तक गम चबाने से जबड़ों पर दबाव बढ़ सकता है और दर्द या असुविधा पैदा हो सकती है।

पुतिन के आगे ट्रंप की एक नहीं चली, हर एक दांव हुआ फेल रूस हो गया मालामाल

मॉस्को, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

रूस ने अमेरिका का हर एक दांव फेल कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते थे की रूस को आर्थिक रुप से कमजोर कर दिया जाए तो रुस घुटने के बल आ जाएगा। लेकिन ये दांव उल्टा पड़ गया। रिपोर्ट के मुताबिक, रूस का समुद्री कच्चा तेल निर्यात 21 सितंबर तक के 28 दिनों में औसतन 36.2 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया। यह मई 2024 के बाद का सबसे बड़ा आंकड़ा है। यानी पश्चिमी देशों की सख्ती और लगातार हमलों के बावजूद रूस ने तेल बेचने का नया रिकॉर्ड बना डाला।

जेपी मॉर्गन चेस एंड कंपनी के अनुमान के अनुसार, अगस्त और सितंबर में रूस सामान्य रूप से 54 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का प्रोसेस करता था। तेल निर्यात बढ़ने से रूस की कमाई भी तेजी से बढ़ रही है। सिर्फ 21 सितंबर तक के हफ्ते में रूस ने 2.369 करोड़ बैरल कच्चा तेल 31 टैंकरों में लादा। इससे निर्यात का कुल मूल्य बढ़कर 1.33 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले हफ्ते से करीब 5 करोड़ डॉलर ज्यादा है। यह सीधे-सीधे रूस के खजाने को मजबूत कर रहा है और युद्ध के दौरान पुतिन की अर्थव्यवस्था को सहारा दे रहा है।

यूक्रेन द्वारा रूस की रिफाइनरियों और अन्य रणनीतिक ठिकानों पर ड्रोन हमले में बड़े नुकसान के दावे किए गए हैं। लेकिन, असल में उतनी हानि हुई नहीं है। रूस ने पिछले हफ्ते बाल्टिक पोर्ट प्रिमोर्स्क से रिकॉर्ड 12 टैंकर कच्चा तेल लेकर निकले। यह दिखाता है कि पंपिंग स्टेशनों पर हमलों के बावजूद रूस की सप्लाई लाइन मजबूत बनी हुई है। बंदरगाहों पर मौजूद स्टोरेज टैंकों ने भी काम आसान कर दिया। पंप स्टेशनों की मरम्मत होने तक इन टैंकों से तेल की आपूर्ति बिना रुकावट जारी रही। रूस ने अपनी रणनीति में भी बदलाव किया। रिफाइनिंग कम होने के बाद भी रूस ने कच्चे तेल को घरेलू खपत में लगाने के बजाय सीधे निर्यात टर्मिनलों पर भेज दिया।

प्राइवेट जेट्स पर काम करने वाली एयरहोस्टेस ने किए अनुभव साझा

सैन फ्रांसिस्को। प्राइवेट जेट्स पर काम करने वाली एयरहोस्टेस ने जब अपने अनुभव साझा किए, तो कई चौंकाने वाले किस्से सामने आए। एक एयरहोस्टेस ने खुलासा किया कि उन्होंने ऐसी उड़ान भी देखी है, जिसमें बीच की सीटों की जगह सोने और कीमती लकड़ी से बना ताबूत रखा गया था। यह किसी बेहद अमीर यात्री के परिजन का था, जिसे खासतौर पर अंतिम यात्रा के लिए प्राइवेट जेट से भेजा जा रहा था। वहीं, एक अन्य यात्री ने उड़ान से पहले ही सख्त निर्देश दिए कि कोई उनसे हाथ नहीं मिलाएगा और न ही आंखों में आंख डालकर बात करेगा। स्टाफ को केवल गर्दन झुकाकर संवाद करना था और उनके आसपास खड़े होने की भी मनाही थी। कुछ मौकों पर तो स्थिति और भी तनावपूर्ण हो जाती है, जब यात्री अपने हथियारबंद बॉडीगार्ड्स के साथ जेट में चढ़ते हैं। यह नजारा इतना खतरनाक लगता है कि फ्लाइट क्रू को अपनी सुरक्षा पर संदेह होने लगता है और वे पूरे समय अलर्ट रहते हैं। इसके अलावा कई यात्री इतने निजी और अजीबोगरीब अनुरोध करते हैं कि एयरहोस्टेस को हर मांग पूरी करनी ही पड़ती है। कोई अपने पालतू जानवर के लिए विशेष भोजन और व्यवस्था चाहता है, तो कोई खास तरह का तकिया या केबिन का तापमान बिल्कुल 22.5 डिग्री पर ही रखने की जिद करता है। कुछ प्राइवेट जेट्स तो यात्रियों की पार्टियों का भी हिस्सा बन जाते हैं। उड़ान के बाद शराब, संगीत और हंगामे से भरी आफ्टर पार्टियों का आयोजन होता है, जिसे संभालने की जिम्मेदारी भी एयरक्रू पर होती है। एक सीनियर एयरहोस्टेस ने बताया कि इस नौकरी में असली चुनौती हर छोटी-बड़ी जरूरत को बिना कहे समझकर पूरी करना है। हालांकि प्राइवेट जेट में एयरहोस्टेस की नौकरी पाना आसान नहीं है। इसके लिए पहले कमर्शियल एयरलाइंस में कम से कम तीन साल का अनुभव होना जरूरी है। साथ ही एफएए या डीजीसीए से अप्रूव्ड ट्रेनिंग और वीआईपी केबीन सर्विस या लक्जरी हॉस्पिटिलिटी जैसे विशेष कोर्स भी प्रोफाइल को मजबूत बनाते हैं। हॉस्पिटैलिटी बैकग्राउंड वाले लोग इस क्षेत्र में ज्यादा तेजी से आगे बढ़ पाते हैं। लेकिन जितना ग्लैमर और पैसा इस पेशे में है, उतनी ही मुश्किलें भी हैं। लगातार यात्रा, 24 घंटे ऑन-ड्यूटी रहना, यात्रियों की अनगिनत डिमांड्स और कभी-कभी असुरक्षित माहौल मानसिक थकान बढ़ा देते हैं। यही कारण है कि कई एयरहोस्टेस कुछ साल बाद इस चमकदार करियर को छोड़कर ग्राउंड जॉब्स या हॉस्पिटैलिटी के अन्य क्षेत्रों की ओर रुख कर लेती हैं।

पश्चिमी वेनेजुएला और कोलंबिया के कुछ हिस्सों में भूकंप के तेज झटके

काराकास, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

पश्चिमी वेनेजुएला और कोलंबिया के कुछ हिस्सों में भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। अभी तक किसी भी तरह के नुकसान या किसी के भी हताहत की सूचना नहीं है। वेनेजुएला भूकंप अनुसंधान संस्थान का कहना है कि 24 सितंबर को देश के पश्चिमी भाग में दो बार भूकंप आया। पहला भूकंप शाम 6:22 बजे दर्ज किया गया। इसका केंद्र ट्रूजिलो राज्य के ला सेइबा से 40 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में रहा। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.4 और गहराई 26.5 किलोमीटर थी।

वेनेजुएला के ऑनलाइन समाचार माध्यम एल नेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, इसके कुछ देरबाद शाम 6:29 बजे दूसरा भूकंप आया। इसका केंद्र ज़ूलिया के बाचाक्वेरो से 58 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था। इसकी तीव्रता 4.9 और गहराई 34.3 किलोमीटर थी। भूकंप के झटके ज़ूलिया, फाल्कन, लारा, कैपिटल डिस्ट्रिक्ट, याराक्यू, पोर्टुगुसा और ट्रूजिलो जैसे राज्यों के साथ-साथ कोलंबिया के कई अन्य हिस्सों में भी महसूस किए गए।

कुछ घंटे पहले कोलंबियाई भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और चिली के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने 6.0 से 6.3 की प्रारंभिक तीव्रता वाले भूकंप की सूचना दी थी। इनका अनुमानित केंद्र सबाना डी मेंडोज़ा (ट्रूजिलो) से 42 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में बताया गया था। कुछ प्रारंभिक रिपोर्टों में केंद्र माराकाइबो झील के पूर्वी तट पर मेने ग्रांडे और बाचाक्वेरो (ज़ूलिया) जैसे क्षेत्रों में बताया गया। उल्लेखनीय है कि भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भू-गर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती है, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किलोमीटर के दायरे में झटका तेज होता है। यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा।

बगराम एयरबेस को हड़पने की साजिश की आशंका, शहबाज से मिले ट्रंप

न्यूयॉर्क। जब से अमेरिका ने अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस को हथियाने का ऐलान किया है, तब से पाकिस्तान की भूमिका उसके लिए और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। तालिबान से निपटने के लिए अमेरिका को पाकिस्तान की जरूरत होगी, ऐसे में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड के बीच मुलाकात महत्वपूर्ण हो जाती है। आशंका है कि दोनों नेताओं के बीच बगराम एयरबेस को लेकर चर्चा जरुर हुई होगी। भले ही ट्रंप और शहबाज शरीफ की यह मुलाकात औपचारिक द्विपक्षीय वार्ता नहीं थी, लेकिन इसे अहम माना जा रहा है। दोनों देशों के रिश्तों में जिस तरह की नजदीकी दिखाई दे रही है, उसके बहुत मायने हैं। एक तरफ तो एशिया में संतुलन के लिए अमेरिका खुद पाकिस्तान को गोद में बिठाते हुए दिख रहा है, वहीं अब उसके लिए पाकिस्तान और भी ज्यादा प्रासंगिक हो गया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री मुहम्मद शहबाज शरीफ ने न्यूयॉर्क में आयोजित अरब-इस्लामिक सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस सम्मेलन में कई इस्लामी देशों के शीर्ष नेता और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि शामिल हुए।

बलुचिस्तान में बीएलएफ के हमले में पाक के दो सैन्यकर्मी मारे गए, तीन घायल

क्वेटा (बलोचिस्तान)पाकिस्तान, 25 सितंबर (एजेंसियां)।

बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने बलोचिस्तान में पाकिस्तान के दो सैन्यकर्मियों को मार गिराने का दावा किया है। बीएलएफ ने कहा कि उसके लड़ाकों के इस हमले में तीन अन्य सैन्यकर्मी घायल भी हो गए। इसके अलावा बलूचिस्तान छात्र संगठन (बीएसओ) के पुजार गुट ने अपने पूर्व अध्यक्ष जुबैर बलोच की मौत पर शोक जताते हुए उन्हें शहीद घोषित किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, बीएलएफ के प्रवक्ता घोरम बलूच ने मीडिया को भेजे बयान में कहा कि अवारन क्षेत्र के बुजदाद में पाकिस्तान सेना के पैदल गश्ती दल को रिमोट कंट्रोल बम विस्फोट से निशाना बनाया गया। हमले में दो सैन्यकर्मी मारे गए और तीन घायल हो गए। प्रवक्ता ने बताया कि हमले के आधे घंटे बाद हेलीकॉप्टर आये और सैनिकों के शवों और घायलों को ले गए।

प्रवक्ता ने बताया कि एक अन्य अभियान में 20 सितंबर को बीएलएफ ने बरखान क्षेत्र, वादी बाघाओ, परघारा में सड़क पर काम कर रही एक निर्माण कंपनी की मशीनरी पर गोलीबारी की और फिर क्रैश प्लांट सहित मशीनरी में आग लगा दी। प्रवक्ता ने बताया कि बीएलएफ ने बुजदाद में रिमोट कंट्रोल बम विस्फोट की जिम्मेदारी ली है, जिसमें दो सैन्यकर्मी मारे गए और तीन घायल हो गए। संघटन ने बरखान के बाघाओ में सड़क पर एक निर्माण कंपनी की मशीनरी पर हमले की भी जिम्मेदारी ली है। इस बीच बीएसओ पुजार ने अपने पूर्व अध्यक्ष ज़ुबैर बलोच की हत्या के बाद उन्हें शहीद और दागर की उपाधि प्रदान की है। संगठन के केंद्रीय प्रवक्ता के बयान में कहा गया है कि संगठन के पूर्व अध्यक्ष जुबैर बलोच शांतिपूर्ण संघर्ष और जनसेवा में विश्वास रखते थे। उनके नेतृत्व में संगठन ने हमेशा शिक्षा, न्याय और मानवाधिकारों के लिए काम किया। संगठन ने कहा है कि दलबंदिन में जुबैर बलोच के घर पर दुखद हमला हुआ, जिसमें वह शहीद हो गए। संगठन ने अपने पूर्व नेता की स्मृति में पांच दिन के शोक की घोषणा की और कहा कि इस दौरान सभी संगठनात्मक गतिविधियां संक्षिप्त रहेंगी तथा कार्यकर्ता विभिन्न आयोजनों के माध्यम से उनकी स्मृति को जीवित रखेंगे।

ताइवान, फिलीपींस के बाद सुपर टाइफून रागासा ने हांगकांग और दक्षिणी चीन में तबाही मचाई

बीजिंग (चीन), 25 सितंबर (एजेंसियां)।

एशिया में बीते कई वर्षों में आए सबसे शक्तिशाली तूफानों में से एक सुपर टाइफून रागासा के प्रभाव से बुधवार को हांगकांग के सैरगाहों पर लैंपपोस्ट से भी ऊंची लहरें उठीं। ताइवान और फिलीपींस में तबाही मचाने के बाद रागासा ने दक्षिणी चीनी तट पर समुद्र को अशांत कर दिया। ताइवान में 17 और उत्तरी फिलीपींस में 10 लोगों की मौत की सूचना है।

दक्षिणी चीन के आर्थिक केंद्र ग्वांगडोंग प्रांत में 20 लाख से अधिक लोगों को स्थानांतरित किया गया। चुआनदाओ शहर के एक मौसम केंद्र ने दोपहर में 241 किलोमीटर प्रति घंटे (लगभग 150 मील प्रति घंटे) की अधिकतम गति से हवा के झोंके दर्ज किए। जियांगमेन शहर में तेज हवाएं चलीं। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने कहा कि तूफान ने यांगजियांग शहर के हेलिंग द्वीप के तट पर शाम लगभग पांच बजे दस्तक दी। तेज हवाओं ने पेड़ों और इमारतों को तहस-नहस कर दिया।

मूसलाधार बारिश से दृश्यता कम हो गई।

तूफान के पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना से गुरुवार को गुनाग्शी क्षेत्र में कुछ रेल सेवाओं को स्थगित करना पड़ा। लगभग एक दर्जन शहरों में स्कूल, कारखाने और परिवहन सेवाएं स्थगित कर दी गईं। रागासा की तेज हवाओं ने हांगकांग के निवासियों को तड़के ही जगा दिया। तेज़ हवाओं ने एक पैदल यात्री पुल की छत के कुछ हिस्से उड़ा दिए।सैकड़ों पेड़ धराशायी हो गए। एक जहाज तट से टकरा गया। 90 घायल लोगों का अस्पतालों में इलाज किया गया।

हांगकांग और मकाओ में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। उड़ानें भी रद्द कर दी गई हैं। लोगों ने अस्थायी केंद्रों में शरण ली। हांगकांग की वेधशाला ने कहा कि कुछ समय तक तो 185 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे अधिक तेज गति की हवा चली। हवा की यह गति 1950 के बाद पहली बार देखी गई। यह दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में दूसरा सबसे शक्तिशाली चक्रवात है।

ताइवान में भारी बारिश के कारण मंगलवार को गुआंगफू कस्बे की सड़कें उफनती नदियों में बदल गईं। हुआलिएन काउंटी में एक झील के उफान पर आने से 17 लोगों की मौत हो गई। गुआंगफू में लगभग 8,450 लोग रहते हैं। उत्तरी फ़िलीपींस में कम से कम 10 लोगों की मौत की सूचना है, जिनमें सात मछुआरे भी शामिल हैं। ताइवान में लगभग सात लाख लोग प्रभावित हुए हैं। स्टेट काउंसिल के ताइवान मामलों के कार्यालय के प्रवक्ता चेन बिन्हुआ ने इसकी पुष्टि की है।

ग्वांगडोंग मौसम विज्ञान वेधशाला के अनुसार, इसकी तीव्रता धीरे-धीरे कम होने के साथ, इस तूफान के लगभग 20 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से पश्चिम की ओर बढ़ने की उम्मीद है। हांगकांग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने घोषणा की है कि वह गुरुवार सुबह से धीरे-धीरे पूरी क्षमता के साथ परिचालन पुनः शुरू करेगा। पूरे दिन में 1,000 से अधिक उड़ानों का संचालन होने की उम्मीद है।

यूरोपा लीग फ्राइबर्ग ने बासेल को 2–1 से हराकर जीत के साथ की अभियान की शुरुआत

बर्लिन,25 सितंबर (एजेंसियां)।

जर्मन क्लब एससी फ्राइबर्ग ने यूरोपा लीग ग्रुप चरण की शुरुआत जीत के साथ की। बुधवार रात खेले गए मुकाबले में फ्राइबर्ग ने स्विट्ज़रलैंड की टीम एफसी बासेल को 2–1 से मात दी।

मैच की शुरुआत में ही बासेल ने आक्रामक रुख अपनाया और दूसरे ही मिनट में अल्बान अजेटी के हेडर ने फ्राइबर्ग गोलकीपर नोआ अतुबोलु को शानदार बचाव करने पर मजबूर कर दिया। धीरे–धीरे फ्राइबर्ग ने लय पकड़ी और आक्रामक प्रयास शुरू किए।

पहला गोल 30वें मिनट में आया। हाई प्रेसिंग के बाद योहान मन्जाम्बी के पास से गेंद ओस्टरहागे को मिली और उन्होंने यूरोपा लीग डेब्यू पर शानदार लो शॉट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई।

हाफ टाइम से पहले बासेल ने वापसी की कोशिश की, जहां आर्लेट जूनियर ज़े का प्रयास असफल रहा और अनुभवी जेरदान शाकिरी ने मिडफ़ील्ड से टीम को संभाला।

दूसरे हाफ में फ्राइबर्ग ने बढ़त दोगुनी कर दी। विन्सेन्ज़ो ग्रिफो के बेहतरीन क्रॉस पर मैक्सिमिलियन एग्गेस्तीन ने हेडर से गोल किया। गोलकीपर मिर्को साल्वी की कोशिश नाकाम रही और स्कोर 2–0 हो गया। हालाँकि कई मौके गंवाने के बाद फ्राइबर्ग अंत तक दबाव में आ गया। 84वें मिनट में बासेल के सब्सटीट्यूट फिलिप ओटेल ने बॉक्स के बाहर से शानदार कर्लिंग शॉट लगाकर अंतर 2–1 कर दिया। अंतिम मिनटों में फ्राइबर्ग ने मजबूती से रक्षा की और तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए। यह जीत टीम के लिए लगातार दूसरी रही, इससे पहले उन्होंने लीग मुकाबले में भी जीत दर्ज की थी। अगला यूरोपीय मैच फ्राइबर्ग इटली के क्लब बोलोन्या के खिलाफ खेलेगा, जबकि बासेल का सामना वीएफबी स्टटगार्ट से होगा।

मैच के हीरो ओस्टरहागे ने कहा,

माहौल शुरू से ही शानदार था। हम 2–0 से आगे थे और भले ही मैच 2–1 पर खत्म हुआ, लेकिन यह शानदार नतीजा है। बासेल एक गुणवत्ता वाली टीम है और उसके खिलाफ आपको वाकई मेहनत करनी पड़ती है।

न्यूज ब्रीफ

वरिष्ठ बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने लाल गेंद क्रिकेट से लिया छह महीने का ब्रेक

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के वरिष्ठ बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने लाल गेंद (रेड–बॉल) क्रिकेट से छह महीने का ब्रेक लेने का फैसला लिया है। अय्यर ने इंग्लैंड में पीठ की सर्जरी करवाने के बाद अच्छी रिकवरी की थी, लेकिन हाल ही में लंबी फॉर्मेट में खेलने के दौरान पीठ में फिर से जकड़न और ऐंठन महसूस कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत ए की अगुवाई करेंगे बीसीसीआई के अनुसार अय्यर ने बोर्ड को सूचित किया कि वह इस अवधि का इस्तेमाल अपनी फिटनेस, शरीर की मजबूती और सहनशक्ति को और बेहतर बनाने में करना चाहते हैं। इसी कारण उन्हें ईरानी कप (1 अक्टूबर से नागपुर में) के लिए रेस्ट ऑफ इंडिया टीम में नहीं चुना गया। हालांकि, अय्यर 30 सितम्बर से कानपुर में शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज़ में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ इंडिया ए टीम के कप्तान बने रहेंगे। गौरतलब है कि अय्यर का हालिया फॉर्म रेड–बॉल क्रिकेट में निराशाजनक रहा है। वह ऑस्ट्रेलिया ए और फिर दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में सेंट्रल ज़ोन के खिलाफ लगातार कम स्कोर पर आउट हुए थे। चयनकर्ताओं ने गुरुवार को इंडिया ए और रेस्ट ऑफ इंडिया दोनों टीमों की घोषणा की। इंडिया ए (पहला वनडे) श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), रियान पराग, आयुष बडोनी, सूर्यांश शेडगे, विप्रज निगम, निशांत सिंधु, गुरजपनीत सिंह, युधवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), प्रियंश आर्या, सिमरजीत सिंह। इंडिया ए (दूसरा और तीसरा वनडे) श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), रियान पराग, आयुष बडोनी, सूर्यांश शेडगे, विप्रज निगम, निशांत सिंधु, गुरजपनीत सिंह, युधवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह। रेस्ट ऑफ इंडिया (इरानी कप) राजत पाटीदार (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), रुतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान), यश धुल, शेख राशिद, ईशान किशन (विकेटकीपर), तनुश कोटियन, मानव सुथार, गुर्नूर बराड़, खलील अहमद, आकाश दीप, अंशुल कांबोज, सारांश जैन।

मेजर लीग सॉकर मेसी के दो गोलों की बदौलत इंटर मियामी ने न्यूयॉर्क सिटी को 4-0 से हराया

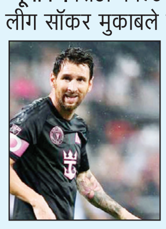

न्यूयॉर्क। सिटी फील्ड स्टेडियम में खेले गए मेजर लीग सॉकर मुकाबले में इंटर मियामी ने न्यूयॉर्क सिटी एफसी को 4–0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस मैच में अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी का जलवा देखने को मिला। उन्होंने दो गोल दागे और एक असिस्ट किया। मैच की शुरुआत से ही मेसी ने लय पकड़ ली और मैच के 43वें मिनट में बाल्तासर रोड्रिगेज़ को शानदार थ्रू बॉल देकर गोल का मौका बनाया और रोड्रिगेज़ ने बिना कोई गलती किए इसे गोल में बदलकर टीम को 1–0 से आगे कर दिया। दूसरे हाफ में 74वें मिनट में सर्जियो बुस्केट्स के पास पर मेसी ने गोलकीपर के ऊपर से बेहतरीन चिप शॉट मारकर अपना पहला गोल दागा और टीम की बढ़त 2–0 कर दी। इस गोल के 12 मिनट बाद मेसी ने फिर कमाल दिखाया। डिफेंस को चकमा देते हुए वह बॉक्स में घुसे और सटीक शॉट मारकर गेंद को निचले बाएं कोने में डाल दिया और अपनी टीम की बढ़त 3–0 कर दी। मैच के 83वें मिनट में लुईस सुआरेज ने पेनल्टी को गोल में बदलकर अपनी टीम को 4–0 से आसान जीत दिला दी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित, नायर बाहर

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी 2 अक्टूबर से शुरु हो रहे दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारत के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने गुरुवार को 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में नारायण जगदीशन नए चेहरे हैं, जबकि करुण नायर को बाहर कर दिया गया है। ऋषभ पंत को चोट के कारण टीम में शामिल नहीं किया गया है। शुभमन गिल को एक बार फिर टीम की कप्तानी सौंपी गई है। ऋषभ पंत की अनुपस्थिति में रवींद्र जडेजा टीम के उप–कप्तान होंगे। पंत इंग्लैंड श्रृंखला में पैर की अंगुली में हुए फ्रैक्चर से उबरने के कारण टीम से बाहर हैं। ध्रुव जुरेल और एन. जगदीशन टीम में दो विकेटकीपर–बल्लेबाज हैं।दुनिया के नंबर 1 गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को टीम में शामिल किया गया है, जबकि लाल गेंद वाले क्रिकेट से छह महीने के ब्रेक पर गए श्रेयस अय्यर टीम का हिस्सा नहीं हैं। श्रृंखला 2–6 अक्टूबर तक अहमदाबाद में शुरू होगी, जबकि दूसरा टेस्ट 10–14 अक्टूबर तक नई दिल्ली में खेला जाएगा। भारतीय टीम इस प्रकार है– शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नितीश रेड्डी, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव और नारायण जगदीशन।

एशिया कप 2025 : पहली बार भारत–पाकिस्तान फाइनल

पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 11 रनों से हराकर बनाई जगह

दुबई, 25 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 के इतिहास में पहली बार भारत–पाकिस्तान फाइनल मुकाबला देखने को मिलेगा। यह रोमांचक भिड़ंत 28 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेली जाएगी। पाकिस्तानी टीम ने गुरुवार को सेमीफाइनल के समान महत्वपूर्ण मुकाबले में बांग्लादेश पर 11 रनों से जीत दर्ज करके फाइनल में प्रवेश किया।

दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में 136 रनों का टारगेट चेज कर रही बांग्लादेश की टीम 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर 124 रनों तक ही पहुंच सकी। शमीम हुसैन ने सबसे ज्यादा 30 रनों की पारी खेली, लेकिन टीम के शेष बल्लेबाज खास प्रदर्शन नहीं कर सके। पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह अफरीदी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके, जबकि सैम अयूब को 2 विकेट मिले।

इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान ने 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 135 रन बनाए। मोहम्मद हारिस ने 31, शाहीन शाह अफरीदी ने 19 और मोहम्मद नवाज ने 25 रनों की उपयोगी पारियां खेलकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

हालांकि, पाकिस्तान ने 49 रनों पर ही 5 विकेट गंवा दिए थे। बांग्लादेश की ओर से तस्कीन अहमद ने 3 विकेट लिए, जबकि मेहदी हसन और रिशाद हुसैन को 2–2 विकेट मिले।

पाकिस्तान की यह जीत न केवल उनके अभियान को मजबूत करती है, बल्कि भारत के साथ तीसरी भिड़ंत का अवसर भी प्रदान करती है।

एशिया कप 2025 में भारत ने अब तक अपराजित रहते हुए फाइनल में जगह बना ली है, जिसमें अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल जैसे युवा सितारों का प्रदर्शन सराहनीय रहा।

पाकिस्तान ने टूर्नामेंट में श्रीलंका को हराकर अपनी वापसी की थी, लेकिन भारत के खिलाफ दो मैचों में हार का सामना किया। फिर भी, यह फाइनल दोनों टीमों के बीच की जानी–मानी प्रतिद्वंद्विता को नया रंग देगा।

एशिया कप के इतिहास में पहली बार होने वाला यह फाइनल क्रिकेट प्रेमियों के लिए विशेष होगा।

दुबई का मैदान, जहां पहले भी कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले हैं, अब इस ऐतिहासिक भिड़ंत का साक्षी बनेगा। पाकिस्तान की गेंदबाजी, खासकर शाहीन अफरीदी की फॉर्म, भारत के बल्लेबाजी क्रम के लिए चुनौती पेश करेगी।

न्यूयार्क में राइडर कप गोल्फ

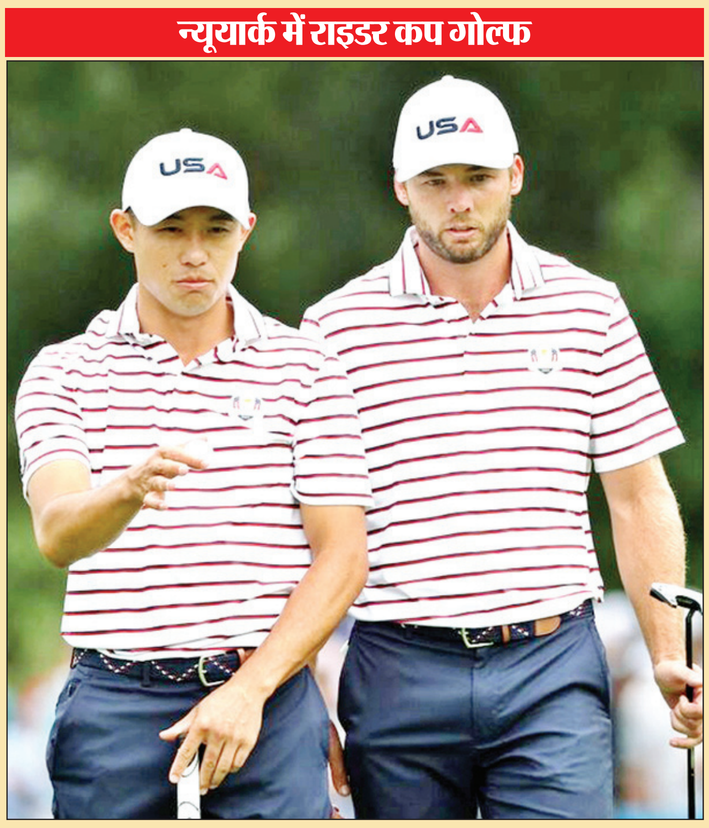

न्यूयार्क में राइडर कप गोल्फ में अमेरिकी टीम के कोलिन व सैम अभ्यास के लिए जाते हुए।

अब जल्द ही राहुल चाहर सरे की ओर से काउंटी क्रिकेट खेलते हुए नजर आयेंगे

लंदन,25 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय स्पिनर राहुल चाहर अब सरे की ओर से इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलने हुए नजर आयेंगे। राहुल को सरे ने हैम्पशर के ख़िलाफ होने वाले सत्र के अंतिम मैच के लिए शामिल किया है। सरे का प्रयास चौथी बार काउंटी चैंपियनशिप ख़िताब अपने नाम करना है। चाहर को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के नियमों के अनुसार, सितंबर की शुरुआत में सरे के लिए खेलने के लिए पंजीकृत किया गया था।

नॉटिंघमशर के खिलाफ मैच में सरे को 20 रनों से हार मिली जिसका मतलब था कि ख़िताबी दौड़ का नियंत्रण नॉटिंघमशर के हाथ में चला गया।

चाहर नियमित रूप से राजस्थान के लिए रणजी ट्रॉफ़ी में खेलते रहे हैं और इस सत्र के आईपीएल में भी सनराइज़र्स हैदराबाद के लिए एक उतरे थे। कुल मिलाकर, उन्होंने 24 प्रथम श्रेणी मैचों में 26.12 की औसत से 87 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 148 रन देकर 9 विकेट रहा है। उन्होंने 2019 और 2021 के बीच भारत के लिए एक वनडे और छह टी20 इंटरनेशनल मैच भी खेले हैं। उन्होंने 2019 और 2020 में मुंबई इंडियंस की खिताबी जीत में जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। चाहर ने कहा, मैं इस हफ़्ते के मैच के लिए सरे से जुड़ने को लेकर उत्साहित हूं। मैं यहां प्रभाव डालने और सीजन के आखिरी मैच में टीम की सहायता करने आ रहा हूं।

उन्हें सरे के दोनों मौजूदा स्पिन गेंदबाजों , विल जैक्स और कैम स्टील के चोटिल होने के बाद टीम में शामिल किया गया है। क्लब के हाई–परफ़ॉर्मेंस सलाहकार, एलेक स्टीवर्ट ने कहा, राहुल को टीम में शामिल करने से हमें एक और स्पिन गेंदबाजी विकल्प मिल गया है। उन्होंने कहा, हमें हमेशा से पता था कि सत्र के आखिरी दौर में हमारे खिलाड़ी नहीं खेल पाएंगे और हमने संभावित मैदानों और जिस प्रतिद्वंद्वी टीम से हम खेल रहे हैं, उसे देखते हुए उसी के अनुसार योजना बनाने का प्रयास किया। स्टीवर्ट ने कहा, हमने पहले साई किशोर को सत्र के आख़िरी चरणों में वापसी के लिए चुना था पर वह सर्जरी के कारण उपलब्ध नहीं हैं।

पीसीबी ने सूर्यकुमार की आईसीसी से शिकायत की

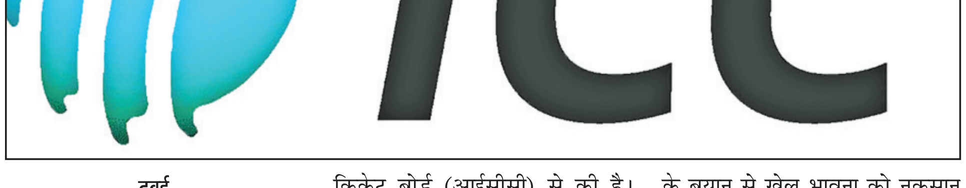

दुबई

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एशिया कप 2025 के सुपर फोर मुकाबले में जीत के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के दिये गये बयान पर आपत्ति जताते हुए इसकी शिकायत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बोर्ड (आईसीसी) से की है। आईसीसी मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने इसी को लेकर भारतीय टीम प्रबंधन को लिखा है कि पीसीबी ने सूर्यकुमार के मैच के बाद दिये बयान पर सवाल उठाये हैं। पीसीबी का कहना है कि भारतीय कप्तान के बयान से खेल भावना को नुकसान पहुंचा है। रिचर्डसन ने भी जांच के बाद माना गया कि उनके बयान से खेल की छवि को नुकसान पहुंच सकता हैं। इसलिए सूर्यकुमार के खिलाफ आरोप बनता है। साथ ही कहा कि भारतीय कप्तान इस आरोप को सही नहीं मानते हैं तो इस पर सुनवाई होगी। उस सुनवाई में मेरे अलावा सूर्यकुमार और पीसीबी प्रतिनिधि शामिल होंगे।

आईसीसी आचार संहित के हिसाब से यह मामला ज्यादातर लेवल एक अपराध माना जाएगा। इसमें प्रतिबंध नहीं लगता बल्कि मैच फीस का कुछ फीसदी जुर्माना लगाया जाता है। प्रतिबंध तभी लगता है जब किसी को अपशब्द कहे जाये या किसी प्रकार की धमकी दी जाये। इस मामले में सूर्यकुमार पर ज्यादा से ज्यादा प्रतिबंध लगाया जा सकता है। सूर्यकुमार ने मैच के बाद कहा था कि यह जीत हम पुलवामा आतंकवादी हमले के पीड़ितों और हमारे शहीद जवानों को समर्पित करते हैं। साथ ही कहा था कि हमें पाक खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाने कहा

अभिषेक ने एशिया कप में रोहित और जयसूर्या का रिकार्ड तोड़ा

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ सुपर फोर मुकाबले में पांच छक्के लगाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की है। अभिषेक ने इस मैच में रोहित शर्मा का भारत की ओर से एशिया कप में सबसे अधिक 12 छक्के लगाने का रिकार्ड तोड़ दिया। वहीं दुनिया भर की बात करे तो सबसे अधिक 14 छक्के का रिकार्ड श्रीलंका के पूर्व कप्तान सनत जयसूर्या का था और वह भी अभिषेक ने तोड़ दिया। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में अभिषेक ने पहला छक्का लगाते ही रोहित के 12 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब तक अभिषेक ने 17 छक्के लगा दिये हैं। अभिषेक ने बांग्लादेश के खिलाफ 37 गेंदों में 5 छक्कों और 6 चौकों की सहायता से 75 रन बनाये। अभिषेक ने इसी के साथ ही एशिया कप के एक संस्करण में किसी बल्लेबाज द्वारा लगाए गए सर्वाधिक छक्कों के जयसूर्या के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। जयसूर्या ने एशिया कप के एक ही सत्र में 14 छक्के लगाये थे।

एक एशिया कप में किसी बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक छक्के

- 17 – अभिषेक शर्मा (भारत) – टी20, 2025
- 14 – सनथ जयसूर्या (श्रीलंका) – एकदिवसय, 2008
- 13 – रोहित शर्मा (भारत) – एकदिवसीय, 2018
- 12 – शाहिद अफरीदी (पाकिस्तान) – एकदिवसीय, 2010
- 12 – रहमानुल्लाह गुरबाज (अफगानिस्तान) – टी 20, 2022 ।

ट्रूऑल्ट बायोएनर्जी का 839 करोड़ का आईपीओ लॉन्च, 29 सितंबर तक कर सकते हैं आवेदन

नई दिल्ली,25 सितंबर (एजेंसियां)। एथेनॉल जैसे बायोफ्यूल का उत्पादन करने वाली कंपनी ट्रूऑल्ट बायोएनर्जी का 839.28 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 29 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ के तहत 750 करोड़ रुपये के 1.51 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके साथ ही 89.88 करोड़ रुपये के 18 लाख शेयरों को ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये भी बेचा जा रहा है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 30 सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा। कंपनी के शेयर 3 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।

आईपीओ में बोली लगाने के लिए 472 रुपये से लेकर 496 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। ट्रूऑल्ट बायोएनर्जी के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 30 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,880 रुपये का निवेश करना होगा। आईपीओ खुलने से एक दिन पहले बुधवार को ट्रूऑल्ट बायोएनर्जी ने एंकर इनवेस्टर्स से 252 करोड़ रुपये जुटाए। इन एंकर इनवेस्टर्स में टाटा म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, बंधन म्यूचुअल फंड, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी, सोसाइटी जनरल और सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट मॉरीशिस के नाम शामिल हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक की वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी की आय 2023-24 की आय 1,280.19 करोड़ रुपये की तुलना में 54 प्रतिशत बढ़ कर 1,968.53 करोड़ रुपये हो गई। इसी तरह कंपनी का शुद्ध मुनाफा वित्त वर्ष 2024-25 में 361 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 146.64 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 31.81 करोड़ रुपये था। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 में ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रिशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 309.14 करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 188.09 करोड़ रुपये था। कंपनी पर कुल कर्ज की बात करें तो इसमें कमी आई है। वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में कंपनी पर 1,684.68 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो 2024-25 में घट कर 1,549.68 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

न्यूज ब्रीफ

आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक 29 से, रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती संभव

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगली समीक्षा बैठक 29 सितंबर से होगी। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में होने वाली यह बैठक एक अक्टूबर तक चलेगी। बैठक में लिए फैसलों की जानकारी एक अक्टूबर को दी जाएगी। समीक्षा बैठक के दौरान रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती किये जाने की संभावना है। आर्थिक मामलों के जानकारों ने गुरुवार को बताया कि आरबीआई 29 सितंबर से एक अक्टूबर तक चलने वाली तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में प्रमुख ब्याज दर (रेपो रेट) में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपने एक अध्ययन में कहा है कि केंद्रीय बैंक के लिए रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती का निर्णय उचित और तर्कपूर्ण होगा, क्योंकि आगामी वित्त वर्ष 2026-27 में भी खुदरा महंगाई दर के नरम बने रहने की उम्मीद है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित महंगाई में गिरावट के बीच रिजर्व बैंक फरवरी से अब तक रेपो रेट में एक फीसदी की कटौती कर चुका है। लगातार तीन बार रेपो रेट में कटौती करने के बाद रिजर्व बैंक ने अगस्त में इसे यथावत रखा था। फिलहाल रेपो रेट 5.50 फीसदी पर है। रिजर्व बैंक अगर रेपो रेट में कटौती करता है, तो यह आम जनता के लिए दिवाली गिफ्ट से कम नहीं होगा, क्योंकि 22 सितंबर से जीएसटी की नई दरें लागू होने के साथ जनता को बड़ा तोहफा मिल चुका है। यदि आरबीआई रेपो रेट में कटौती करता है, तो आम जनता के लिए दिवाली से पहले दूसरा बड़ा गिफ्ट होगा।

एआई बूम से चमके लैरी एलिसन, बने दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति

मुंबई। ओरेकल के सह-संस्थापक लैरी एलिसन अब दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं।

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, उनकी कुल संपत्ति 368 अरब डॉलर पहुंच गई है। इस साल एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) में आई तेजी के कारण ओरेकल के शेयरों में जबरदस्त उछाल देखा गया, जिससे एलिसन की संपत्ति में 176 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। अभी वे केवल टेस्ला के सीईओ एलन मस्क (458 अरब डॉलर) से पीछे हैं। एलिसन की संपत्ति भारत के शीर्ष 8 उद्योगपतियों मुकेश अंबानी, गौतम अडानी, सावित्री जिंदल, शिव नाडर, शापूर मिस्त्री, सुनील मित्तल, लक्ष्मी मित्तल और अजीम प्रेमजी की कुल संपत्ति के बराबर है। हालांकि, कम लोग जानते हैं कि एलिसन ने 2010 में गिविंग प्लेज पर हस्ताक्षर करते हुए अपनी 95 फीसदी संपत्ति दान करने का वादा किया था। वे परंपरागत एनजीओ या चैरिटी के बजाय अपनी शर्तों पर और अपने संस्थान के जरिए परोपकार करना पसंद करते हैं। उनका प्रमुख परोपकारी मंच है इलिसन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी (ईआईटी) जो स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और एआई रिसर्च जैसे क्षेत्रों में कार्य करता है। ईआईटी का नया कैंपस 2027 तक ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में खुलेगा, जिसकी लागत 1.3 अरब डॉलर है। 95 फीसदी संपत्ति दान करने का वादा हालांकि, हाल ही में संस्थान को नेतृत्व संकट का सामना करना पड़ा। 2024 में नियुक्त रिसर्च प्रमुख जॉन बेल ने 2025 में इस्तीफा दे दिया। इसके बाद मिशिगन यूनिवर्सिटी के पूर्व अध्यक्ष सांता ओनो को परियोजना में जोड़ा गया।

देश के सात शहरों में कार्यालय स्थल की पट्टा मांग में एक फीसदी गिरावट

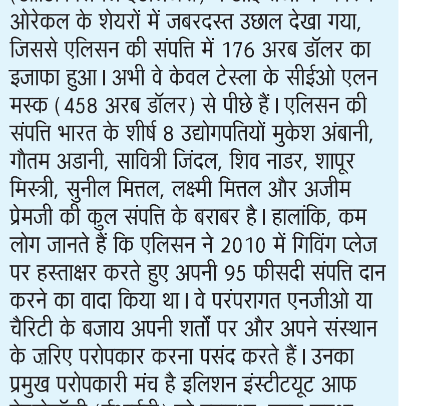

नई दिल्ली। देश के वाणिज्यिक रियल एस्टेट क्षेत्र में जुलाई-सितंबर 2025 तिमाही के दौरान हल्की सुस्ती देखने को मिली है। एक रियल एस्टेट सलाहकार की रिपोर्ट के अनुसार इस तिमाही में देश के सात प्रमुख शहरों में ऑफिस पट्टे की सकल मांग 1 प्रतिशत घटकर 172 लाख वर्ग फुट रह गई। पिछले वर्ष की समान अवधि में यह मांग 174 लाख वर्ग फुट थी। रिपोर्ट के मुताबिक, इस गिरावट की मुख्य वजह बेंगलुरु, हैदराबाद और दिल्ली-एनसीआर जैसे प्रमुख बाजारों में मांग में आई भारी कमी है। जुलाई-सितंबर तिमाही में सात प्रमुख शहरों में कुल मांग 172 लाख वर्ग फुट रही दिल्ली-एनसीआर में यह 33 फीसदी गिरकर 16 लाख वर्गफुट पर आ गई।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अंबानी समूह...

राजनीतिक रुख को नहीं दर्शाती है। यह खरीदारी हमेशा अंतरराष्ट्रीय नियमों का पूरी तरह से पालन करती रही है। रूसी ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े होने के कारण यूरोपीय संघ और ब्रिटेन द्वारा प्रतिबंधित किए गए कम से कम 17 बड़े तेल टैंकर पश्चिमी गुजरात राज्य के सिक्का में रिलायंस के स्वामित्व वाले बंदरगाह पर रुके। इस पर यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने बहुत चिल्लपों मचाने की कोशिश की। इस पर रिलायंस ने करारा जवाब देते हुए कहा कि ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के प्रतिबंध बाहरी क्षेत्र में लागू नहीं होते हैं। रिलायंस ने यह भी कहा कि यह प्रतिबंध स्पष्ट रूप से गैर-ब्रिटिश और गैर-यूरोपीय संघ संस्थाओं पर लागू नहीं होते हैं। इसी वजह से रिलायंस समूह तेल की आपूर्ति के लिए ऐसे जहाजों को सेवा में ले रहा है।आंकड़ों से पता चलता है कि 2021 में रूस-यूक्रेन संघर्ष से पहले रिलायंस ने केवल 85 मिलियन डॉलर मूल्य का रूसी तेल खरीदा था। अगले वर्ष, जब रूस ने यूक्रेनी प्रांतों पर कब्जा कर लिया और प्रमुख शहरों पर बमबारी की, तो यह आंकड़ा बढ़कर 5.5 बिलियन डॉलर हो गया। रिलायंस की खरीदारी 2023 में 11.7 बिलियन डॉलर के शिखर पर पहुंची, जो 2024 में घटकर 9.8 बिलियन डॉलर रह गई। इस वर्ष यानि 2025 में 1 जनवरी से 12 अगस्त तक, रिलायंस कंपनी की रूस से तेल की खरीद 6.2 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई।पिछले महीने ट्रंप ने कहा था कि भारतीय तेल खरीद रूसी युद्ध मशीन को ईंधन देती है और उन्होंने देश की टैरिफ दर को दोगुना करके 50 प्रतिशत कर दिया। वही ट्रंप अपना विरोधाभासी चरित्र प्रदर्शित करते हुए अलास्का में पुतिन का स्वागत कर रहे थे। रूस से तेल खरीद पर भारत सरकार का साफ-साफ कहना है कि उसकी खरीद अवैध नहीं है। दिलचस्प यह है कि अमेरिकी अधिकारियों ने ही पहले वैश्विक ऊर्जा कीमतों को स्थिर करने के लिए भारत को रूस से कच्चा तेल ख़रीदने के लिए प्रोत्साहित किया था। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि ट्रंप के टैरिफ अनुचित, अन्यायपूर्ण और अतार्किक हैं और भारत द्वारा रूसी तेल खरीदना बाजार के कारकों पर आधारित है।जहाज ट्रैकिंग कंपनी केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, भारत रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है और आने वाले वर्षों में भी ऐसा ही रहने की संभावना है। रिलायंस कंपनी ने रूस की प्रतिबंधित सरकारी तेल कंपनी रोसनेफ्ट के साथ 10 साल का समझौता किया है। रोसनेफ्ट रिलायंस को प्रतिदिन 5,00,000 बैरल कच्चा तेल प्रदान करती है, जिसका वार्षिक मूल्य 13 अरब डॉलर है। रिलायंस कंपनी के 125.3 अरब डॉलर के राजस्व में लगभग 58 प्रतिशत का योगदान तेल परिशोधन से आता है। सिक्का बंदरगाह से कुछ ही दूरी पर स्थित जामनगर रिफाइनरी परिसर में रिलायंस कच्चे तेल को डीजल और पेट्रोल में बदलता है, जिससे भारत को ईंधन मिलता है और यूरोप तथा दुनिया के अन्य हिस्सों को निर्यात किया जाता है। सस्ता रूसी कच्चा तेल इसके संचालन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनता जा रहा है।2022 के अंत में, यूक्रेन में पुतिन के युद्ध के जवाब में, ग्रुप ऑफ सेवन और यूरोपीय संघ ने रूसी कच्चे तेल पर 60 डॉलर प्रति बैरल की मूल्य सीमा लागू कर दी, जिससे कच्चे तेल का प्रवाह तो जारी रहा, लेकिन मास्को का मुनाफा सीमित हो गया। पश्चिमी सहयोगियों ने भारत को कम कीमतों का लाभ उठाने और वैश्विक तेल बाजार में उथल-पुथल को रोकने में मदद करने के लिए प्रोत्साहित किया। तत्कालीन अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट एल. येलेन ने नवंबर 2022 में कहा था कि उन्हें खुशी है कि भारत को यह सौदा मिला। लेकिन अमेरिका ने अपना सुर बदल दिया, जिसमें वह माहिर है।केप्लर के अनुसार, इस साल अगस्त तक रिलायंस के कच्चे तेल के आयात का लगभग आधा हिस्सा रूस से आया है। और इस मार्जिन ने मुनाफे को तेजी से बढ़ाया है। फाइनेंशियल टाइम्स ने हाल ही में बताया कि 2022 से रिलायंस ने रूसी कच्चे तेल पर छूट के कारण 6 अरब डॉलर की अतिरिक्त कमाई की है। रिलायंस ने अपने बयान में कहा कि 2022 के बाद भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की बढ़ी हुई खरीद से वैश्विक तेल बाजारों को स्थिर करने और आपूर्ति संबंधी झटकों को रोकने में मदद मिली है। मुनाफाखोरी के आरोप निराधार हैं।रूस से जुड़े होने के कारण प्रतिबंधित किए गए 17 टैंकरों ने नवंबर से सिक्का बंदरगाह की 29 बार आवागमन किया है। ये टैंकर कोमोरोस, गिनी-बिसाऊ और सिएरा लियोन जैसे देशों के झंडों के नीचे आवागमन कर रहे थे। पुराने तेल टैंकर रूसी तेल पर पश्चिमी प्रतिबंधों को दरकिनार करने के लिए इन झंडों का इस्तेमाल करते हैं। प्रत्येक टैंकर पर एक विशिष्ट जहाज पंजीकरण कोड (आईएमओ) रहता है, जिससे यह पता चलता है कि ये टैंकर प्रतिबंध (सैंक्शन) की परिधि में नहीं आते।रिलायंस ने कहा भी है कि रिलायंस को तेल की आपूर्ति में ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे जहाज की पहचान से बचा जा सके। हम किसी भी विपरीत अनुमान को अस्वीकार करते हैं। हिल्गेनस्टॉक ने कहा कि एक भारतीय कंपनी होने के नाते, रिलायंस संबंधित जहाजों पर लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से कानूनी रूप से बाध्य नहीं है। रिलायंस के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी करने वाला अमेरिकी प्रशासन और उसके मुखिया डोनाल्ड ट्रंप मुकेश अंबानी के साथ नजदीकी संबंध बनाने में लगे हैं। ट्रंप ने अपने शपथ ग्रहण समारोह में मुकेश अंबानी को आमंत्रित किया था। फिर मुकेश अंबानी ने अपने बेटे के विवाह में ट्रंप परिवार को आमंत्रित किया। ट्रंप की बेटी इवांका और उनके पति जेरेड भव्य शादी में मेहमान के रूप में हाजिर थे। रिलायंस की रियल एस्टेट इकाई ने मुंबई में ट्रंप के नाम का लाइसेंस लेने के लिए 1 करोड़ डॉलर का भुगतान किया है। इस परियोजना का विवरण अभी रहस्य में है।रिलायंस ने कहा है कि उसकी सबसे बड़ी प्रतिबद्धता भारत सरकार की उस नीति के अनुरूप काम करना है जो विभिन्न स्रोतों से किफायती और विश्वसनीय ऊर्जा आपूर्ति के माध्यम से भारत की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देती है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर के अनुसार, यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से रूस ने लगभग 410 अरब डॉलर मूल्य का कच्चा तेल निर्यात किया है। चीन मास्को का सबसे बड़ा ग्राहक बना हुआ है, लेकिन भारत 2023 से समुद्री रूसी कच्चे तेल का प्रमुख खरीदार रहा है। रिलायंस का 33 अरब डॉलर का तेल-व्यापार एक कंपनी के लिए काफी बड़ा है। विशेषज्ञों का कहना है कि रूसी तेल पर भारत की निर्भरता कम करने की ट्रंप की रणनीति नाकाम साबित हो रही है। सभी क्षेत्रों पर टैरिफ लगाना अमेरिका का कुंद हथियार साबित हुआ है। इसने अमेरिका को नुकसान ही पहुंचाया है।

लद्दाख को...

कांग्रेस पार्षद स्मानला दोरजे नोरबू की प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो फुटेज सुर्खियों में है जिसमें वह प्रशासन को खुली चुनौती दे रहा है और कह रहा है कि सुरक्षाबलों की तैनाती भी भाजपा कार्यालय तक पहुंचने से नहीं रोक पाएगी। कांग्रेस नेता ने जैसी धमकी दी वैसा ही किया। कांग्रेस के उपद्रवियों ने लद्दाख का भाजपा कार्यालय और हिल काउंसिल का दफ्तर फूंक दिया और सीआरपीएफ का वाहन भी जला डाला। उसी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस पार्षद ने अपने समर्थकों से 24 सितंबर को लेह में जमा होने का आह्वान किया था। भाजपा नेता अमित मालवीय ने लद्दाख हिंसा के लिए सीधे तौर पर कांग्रेसियों को जिम्मेदार ठहराया है। भाजपा ने कहा है कि काठमांडू हिंसा की तर्ज पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी जेन-जी का हवाला देकर लोगों को भड़काने और उकसाने का काम कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि लद्दाख को राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर हुई बुधवार 24 सितंबर को लेह में हुए प्रदर्शन को उपद्रवियों ने हिंसा में बदल डाला जिसमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और करीब सौ लोग घायल हैं। इस हिंसा में 40 पुलिसकर्मी और सीआरपीएफ के जवान भी घायल हुए हैं। हिंसा के बाद भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। जिले में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एक साथ जमा होने पर रोक लगा दी गई है। जिला मजिस्ट्रेट के एक आदेश में कहा गया है कि लेह में बिना पूर्व लिखित अनुमति के कोई भी जुलूस, रैली या मार्च नहीं निकाला जाएगा।लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग पर अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक ने हिंसा के मद्देनजर 15 दिनों से चल रही भूख हड़ताल खत्म करने की घोषणा की है। वांगचुक हिंसा पर दुख जताते हैं, लेकिन वे भी इसे युवाओं का गुस्सा और जेनजी की क्रांति की शब्दावली का रट्टा लगाते हैं। सोनम वांगचुक पर हिंसा के लिए लोगों को भड़काने के आरोप लगे हैं। भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा, लद्दाख के लोग सियासी चालबाजियों और सोनम वांगचुक की महत्वाकांक्षाओं की कीमत चुका रहे हैं। उन्होंने सवाल किया है कि जब 6 अक्टूबर को केंद्र ने करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) और एबीएल को बातचीत के लिए बुला रख था तो हिंसा क्यों भड़काई गई? भाजपा सांसद एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि लद्दाख के विरोध प्रदर्शन के पीछे जेन-जी का हाथ होने का दिखावा किया जा रहा है। हिंसा भड़काने के पीछे कांग्रेस है। उन्होंने कहा कि अपर लेह से कांग्रेस काउंसलर स्टैनजिंग त्सेपांग मुख्य साजिशकर्ता हैं। कई तस्वीरें सामने आई हैं जिसमें कांग्रेस काउंसलर और उनके समर्थक हिंसा भड़काते दिख रहे हैं।लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने जैसी मांगों के समर्थन में सोनम वांगचुक की अगुवाई में सितंबर की शुरुआत से आंदोलन चल रहा था। लेकिन हिंसा के बाद भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 की धारा 163 लागू करनी पड़ी है। इसके तहत चार से अधिक लोगों के इकट्ठा होने, रैलियां निकालने और लाउडस्पीकरों के अनाधिकृत इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। संबित पात्रा ने कहा, लद्दाख में यह दिखाने की कोशिश की गई कि यह प्रदर्शन जेन-जी ने किया है। लेकिन जांच में पता चला कि कांग्रेस के अपर लेह वार्ड के पार्षद स्टैनजिंग त्सेपांग इस प्रदर्शन को भड़काने में मुख्य साजिशकर्ता हैं। भाजपा ने इसके साथ ही स्टैनजिंग की कई वीडियो और तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर की हैं जिसमें वह हाथ में हथियार लिए हुए नजर आ रहे हैं। भाजपा की आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने स्टैनजिंग की फोटो-वीडियो शेयर करते हुए लिखा, लद्दाख में दंगा कर रहा यह शख्स त्सेपांग है। मालवीय ने लिखा, त्सेपांग भीड़ को उकसाता हुआ साफ दिख रहा है। उसे भाजपा कार्यालय और हिल काउंसिल पर हुई हिंसा में भाग लेते हुए भी देखा जा सकता है। क्या राहुल गांधी इसी तरह की अशांति की कल्पना कर रहे थे?

लद्दाख में हुई घटनाओं को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की है, जिसमें बड़ी बातें कही हैं। सरकार ने कहा है कि वह एपेक्स बॉडी लेह (एबीएल) और करगिल डेमोक्रेटिक एलाएंस (केडीए) के साथ मिलकर लगातार बात कर रही है। उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) और उसकी उप-समितियों के जरिए औपचारिक बैठकें हुईं। सरकार ने कहा है कि इसके सकारात्मक नतीजे सामने आए हैं। अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण 45 प्रतिशत से चढ़कर 84 प्रतिशत करने, परिषदों में महिलाओं को एक-तिहाई सीटें, भोटी और पुर्गी भाषाओं को आधिकारिक मान्यता, ऊपर से 1800 नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया भी शुरू करने पर अभूतपूर्व प्रगति हुई है।सरकार ने अगले कदम भी तय कर लिए हैं। 25 और 26 सितंबर को लद्दाख के नेताओं से बैठकें होंगी, और 6 अक्टूबर को एचपीसी की बड़ी मीटिंग होगी। वांगचुक की सारी मांगें छठी अनुसूची से लेकर राज्य का दर्जा इन्हीं चर्चाओं का हिस्सा हैं। सरकार ने कहा कि हिंसा से समाधान का रास्ता नहीं निकलता, सब मिलकर शांतिपूर्ण तरीके से रास्ता निकाल सकते हैं। वांगचुक के भाषणों में अरब स्प्रिंग और नेपाल के जेन-जी आंदोलनों का जिक्र था, जो लोगों को गुमराह करने जैसा है। सरकार ने साफ-साफ कहा है कि लद्दाख के लोगों की आकांक्षाओं से वह पीछे नहीं हटेगी। पर्याप्त सुरक्षा और संवैधानिक कदम उठाए जाएंगे। साथ ही केंद्र ने लोगों से भड़काऊ वीडियो या सोशल मीडिया पर अफवाहें न फैलाने की अपील की है।

चिप से लेकर...

यहां से कुछ किलोमीटर दूर ही एक बड़ी सेमीकंडक्टर फैसिलिटी पर काम शुरू होने वाला है। भारत को आत्मनिर्भर बनाना ही होगा। हर वो उत्पाद जो हम भारत में बना सकते हैं, वह हमें भारत में बनाना है। हमारी सेनाएं स्वदेशी चाहती हैं और दूसरों पर निर्भरता को कम करना चाहती हैं। इसलिए हम भारत में ही एक वाइब्रेंट डिफेंस सिस्टम विकसित कर रहे हैं, पुर्जे-पुर्जे पर मेड इन इंडिया की छाप हो, हम ऐसा एक इकोसिस्टम बना रहे हैं, और यूपी इसमें भी बड़ी भूमिका निभा रहा है। आज, भारत रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म की प्रतिबद्धता के साथ अपने उद्योग, व्यापारियों और नागरिकों के साथ खड़ा है। तीन दिन पहले जीएसटी में अगली पीढ़ी के सुधार लागू हुए। जीएसटी में ये बदलाव संरचनात्मक सुधार हैं जो भारत की विकास गाथा को नई उड़ान देंगे। ये जीएसटी पंजीकरण को सरल बनाएंगे, कर विवादों को कम करेंगे और एमएसएमई को तेजी से रिफंड सुनिश्चित करेंगे।पीएम मोदी ने कहा, मैं आप सभी का आह्वान करता हूं, यूपी में निवेश कीजिए, यूपी में मैनुफैक्चर कीजिए। यहां लाखों एमएसएमई का मजबूत नेटवर्क है, उनका सामर्थ्य इस्तेमाल कीजिए और एक कंप्लीट प्रोडक्ट यहीं तैयार कीजिए। इसके लिए हर मदद के साथ यूपी सरकार और भारत सरकार आपके साथ है। पीएम मोदी ने कहा, 2014 से पहले इतने सारे टैक्स थे कि बिजनेस की कॉस्ट और परिवार का बजट कभी संतुलित नहीं हो पाते थे। इसे संतुलित करना मुश्किल था। 2014 में 1,000 रुपए की शर्ट पर 117 रुपए टैक्स लगता था। 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद टैक्स घटकर 50 रुपए हो गया। अब नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म के बाद 1,000 रुपए की शर्ट पर सिर्फ 35 रुपए टैक्स देना होगा।पीएम मोदी ने कहा, आज भारत 2047 तक विकसित होने की लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। दुनिया में हो रहे विघटन और अनिश्चितता के बावजूद, भारत की वृद्धि आकर्षक है। विघटन हमें गुमराह नहीं करता; उस स्थिति में भी, हम नई दिशाएं खोजते हैं। इसलिए, इन विघटनों के बीच, आज भारत आने वाले दशकों की नींव को मजबूत कर रहा है। हमारा संकल्प, हमारा मंत्र है आत्मनिर्भर भारत।इस मौके पर सीएम योगी ने कहा, आज अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल की जयंती भी है। 70 वर्ष पूर्व उन्होंने समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को एक नई दृष्टि दी थी और अंत्योदय को राष्ट्र उदय में बदलने का संकल्प दिलाया था। उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी एक विशेष अवसर है, यह केवल एक व्यापार प्रदर्शनी नहीं है, बल्कि वर्तमान आर्थिक चुनौतियों का सामना करने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत के स्वदेशी मॉडल और प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड के विजन का एक स्वरूप भी है।

सीडीएस जनरल ...

सेवा नियमों के हिसाब से यही अधिकतम आयु सीमा है। सरकार ने यह फैसला ऐसे समय लिया है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सेना के कंबाइंड थिएटर की स्थापना पर विशेष जोर दे रहे हैं। सैन्य नेतृत्व को एकजुट करने और ज्वाइंट कमांड स्ट्रक्चर पर सरकार काम कर रही है। सीडीएस के सेवा विस्तार से देश के शीर्ष सैन्य नेतृत्व में निरंतरता बनी रहेगी।

मौजूदा समय में सैन्य बलों के आधुनिकीकरण और चीन और पाकिस्तान से मिलती चुनौतियों के मद्देनजर उनके कार्यकाल में वृद्धि सेनाओं के लिए बेहद अहम मानी जा सकती है। जनरल चौहान 1981 में भारतीय सेना में शामिल हुए थे। जनरल चौहान को उनकी सैन्य सेवा के लिए परम विशिष्ट सेवा मेडल, उत्तम युद्ध सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल, सेना मेडल और विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया गया है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानि सीडीएस का काम थल सेना, वायुसेना और नौसेना के काम में बेहतर तालमेल बिठाना। देश की सैन्य ताकत को और अधिक मजबूत करना है। हालांकि, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ तीनों सेनाओं के प्रमुखों को आदेश नहीं दे सकते और न ही वह किसी अन्य सैन्य कमान के लिए अपनी शक्तियों का प्रयोग कर सकते हैं। सीडीएस रक्षा मंत्री के प्रमुख सैन्य सलाहकार के रूप में काम करते हैं। जबकि तीनों सेनाओं के प्रमुख भी अपने-अपने सैन्य बल से जुड़े मामलों पर रक्षा मंत्री को सलाह पूर्ववत देते हैं।

एक चुनाव से देश...

मॉडल राज्य और केंद्र दोनों सरकारों के लिए एक लंबा और स्पष्ट नीतिगत क्षितिज प्रदान करता है, जिससे अनिश्चितता कम होती है और स्थिरता पैदा होती है। जो निजी पूंजी निर्माण को प्रोत्साहित करती है।उन्होंने बताया कि चुनावों से पहले सरकारी खर्च में वृद्धि से राजकोषीय घाटा बढ़ता है क्योंकि सरकार अल्पकालिक विकास को बढ़ावा देने के लिए राजकोषीय खर्च बढ़ाती है। जब चुनाव एक साथ होते हैं तो केंद्र सरकार की सब्सिडी राज्य के खर्च का स्थान ले सकती है। अगर चुनाव मौजूदा ढांचे में होते हैं तो राज्य की सब्सिडी को केंद्र सरकार की सब्सिडी का पूरक होना होगा, जिससे सब्सिडी पर कुल खर्च बढ़ जाएगा। सुरजीत भल्ला ने बताया कि दो दशकों से भी अधिक समय में सभी लोकसभा चुनाव अपनी पूरी अवधि तक चले हैं। हर पांच साल में लोकसभा चुनाव होना कोई समस्या नहीं है। मगर बार-बार होने वाले राज्य चुनाव चिंता का विषय हैं। आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का लागू होना भी राज्य चुनावों के लिए ज़्यादा मायने रखता है, लेकिन केंद्र के लिए उतना नहीं, क्योंकि लोकसभा चुनावों की आवृत्ति और संरचना निश्चित होती है। उन्होंने माना कि चुनावों की वास्तविक लागत में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। हालांकि, चुनावों की अमूर्त और अप्रत्यक्ष लागत चिंता का विषय है।समिति के सामने अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला ने चुनाव का एक ऐसा मॉडल प्रस्तावित किया है जिसमें सभी राज्य विधानसभाओं के चुनाव लोकसभा चुनावों के लगभग ढाई साल बाद एक साथ कराए जाएं। ताकि चुनावों की आवृत्ति कम हो, लेकिन फिर भी जवाबदेही सुनिश्चित हो और जनादेश की जांच हो। वहीं मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने कहा कि राष्ट्रीय और राज्य चुनाव अलग-अलग समय पर होने चाहिए क्योंकि दोनों चुनावों के मुद्दे अलग-अलग होते हैं। जबकि अरविंद पनगढ़िया ने कहा कि पांच साल की चुनावी अवधि में कुल 13 दौर के चुनाव होते हैं और देश में औसतन हर 4.5 महीने में कहीं न कहीं एक चुनाव होता है। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माताओं ने 1957 के आम चुनाव एक साथ कराने के लिए राज्य विधानसभाओं को समय से पहले भंग करने का विकल्प चुना था। अगर उनको यह अनुमान होता कि देश एक दिन खुद को चुनावों के एक सतत चक्र में पाएगा तो उन्होंने 129वें संविधान संशोधन विधेयक में उल्लिखित चुनाव प्रणाली के समान ही एक चुनाव प्रणाली का विकल्प चुना होता।

अब चलती ट्रेन...

प्रतिक्रिया के समय में प्रक्षेपण करने की सुविधा मिलती है। उन्होंने मध्यम दूरी की अग्नि-प्राइम मिसाइल के सफल परीक्षण पर डीआरडीओ, सामरिक बल कमान (एसएफसी) और सशस्त्र बलों को बधाई दी। अग्नि प्राइम कई उन्नत एवं नई सुविधाओं से युक्त मिसाइल है। इसमें नई प्रणोदन प्रणाली और समग्र रॉकेट मोटर केसिंग के साथ-साथ उन्नत नेविगेशन और मार्गदर्शन प्रणाली शामिल की गई है। यह एक कैनिस्टर-लॉन्च प्रणाली पर आधारित मिसाइल है।एक कैनिस्टर-लॉन्च प्रणाली किसी मिसाइल को लॉन्च करने के समय को कम करती है। इसके साथ ही इसकी वजह से मिसाइल का परिचालन भी सुगम होता है। जरूरत पड़ने पर इसे रेल या सड़क मार्ग से आसनी से एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाया जा सकता है। यह त्रि-सेवा सामरिक बल कमांड (एसएफसी) द्वारा आयोजित अग्नि-प्राइम का प्रथम प्री-इंडक्शन नाइट लॉन्च था, जो देश के परमाणु शस्त्रागार को संभालता है। अग्नि-प्राइम धीरे-धीरे एसएफसी के शस्त्रागार में अग्नि-1 (700 किमी) मिसाइलों की जगह लेगा, जिसमें पृथ्वी-2 (350 किमी), अग्नि-2 (2,000 किमी), अग्नि-3 (3,000 किमी) और अग्नि-4 (4,000 किमी) बैलिस्टिक मिसाइलें हैं।नई मिसाइल भारत को चीन और पाकिस्तान दोनों के किसी खतरे के खिलाफ मजबूती प्रदान करेगी। जहां अग्नि-5 पूरे चीन को अपने हमले के दायरे में लाती है, वहीं अग्नि प्राइम को पाकिस्तान को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। अप्रैल में, भारत ने अपने महत्वाकांक्षी बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा कार्यक्रम के हिस्से के रूप में ओड़ीशा के तट पर एक जहाज से एंडो-वायुमंडलीय इंटरसेप्टर मिसाइल का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया था। भारत पिछले दो दशकों में विभिन्न बैलिस्टिक मिसाइलों पर काम कर रहा है। इसके अलावा भारत सटीक-ताकतवर रक्षा उत्पाद और संबंधित प्लेटफॉर्म को विकसित करने में भी लगा हुआ है। भारत का फोकस अपनी सामरिक क्षमता को बढ़ाने पर है। इसी के तहत भारत ने अग्नि शृंखला की मिसाइलों के विभिन्न रूपों को विकसित किया है।पिछले दिसंबर में भारत ने परमाणु-सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सफलतापूर्वक परीक्षण किया था, जो 5,000 किलोमीटर तक के लक्ष्य को भेद सकती है। अग्नि-1 से अग्नि-4 मिसाइलों की रेंज 700 किलोमीटर से 3,500 किलोमीटर तक है और उन्हें पहले ही तैनात किया जा चुका है।

बेअंत सिंह के ...

दया याचिका पर फैसला लेने का मामला संवेदनशील है, जिसके बाद अदालत ने इस पर फैसला लेने के लिए उसे चार और हफ्ते का वक्त दिया था। प्रतिबंधित बब्बर खालसा के राजोआना को बेअंत सिंह की हत्या से संबंधित मामले में मृत्युदंड की सजा सुनाई गई है।पिछले साल 18 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सचिव को निर्देश दिया था कि वे राष्ट्रपति के समक्ष दया याचिका प्रस्तुत करें और मामले पर दो सप्ताह के भीतर निर्णय देने का अनुरोध करें। हालांकि सॉलिसिटर जनरल के अनुरोध पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश पर रोक लगा दी थी। मुकुल रोहतगी ने तर्क दिया कि उसी हमले में अन्य लोग भी शामिल थे और देवेंद्र भुल्लर उनमें से एक था। भुल्लर के मामले में उसे मृत्युदंड की सजा सुनाई गई थी और उसकी याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी थी।

सुधारात्मक याचिका में भुल्लर के फांसी की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया गया था और भुल्लर को रिहा कर दिया गया था। रोहतगी ने कहा, पता नहीं मेरे मुवक्किल के मामले में क्या होगा। अगर सजा में बदलाव होता है तो उसे 30 साल बाद बाहर आना ही होगा। पीठ ने कहा, अदालत को पंजाब के नियमों की जानकारी नहीं है। रोहतगी ने कहा उसी घटना में शामिल लोग पहले ही जेल से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि इस अदालत ने बार-बार कहा है कि 2 या 3 साल से अधिक समय तक मौत की सजा पर रहना अनुच्छेद 21 का उल्लंघन के लिए पर्याप्त है। पीठ ने रोहतगी से भुल्लर के फैसले को रिकॉर्ड पर रखने के लिए कहा। पीठ को बताया गया कि राजोआना मामले में फैसले के संबंध में एक पुनर्विचार याचिका गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से दायर की गई है।

पीठ ने कहा कि वह भुल्लर मामले में फैसला देखना चाहती है। रोहतगी ने कहा कि अगर उनके मुवक्किल को जेल से रिहा कर दिया जाता है तो इससे राज्य की सुरक्षा को क्या लेना-देना है? उन्होंने कहा, यह भारत-पाकिस्तान का मामला नहीं है। वह भी एक इंसान और भारतीय नागरिक हैं। नटराज ने कहा कि एक मौजूदा मुख्यमंत्री की हत्या कर दी गई थी और उसके परिणामस्वरूप राज्य में दंगे भड़क उठे। बहरहाल, पीठ ने मामले की सुनवाई 15 अक्टूबर के लिए फिर से सूचीबद्ध कर दी।

शिक्षण संस्थानों...

इसमें हाइब्रिड लर्निंग मॉडल, शेयर/निजी डिवाइस और कनेक्टेड कैंपस ने हमले का दायरा बढ़ा दिया है। इसके अलावा कई संस्थानों के पास साइबर सुरक्षा के लिए छोटे बजट और कम आईटी स्टाफ है, जिससे वे आसान लक्ष्य बन जाते हैं।

चेक प्वाइंट सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज, इंडिया और साउथ एशिया के प्रबंध निदेशक सुन्दर बालासुब्रमण्यम ने कहा, भारत का शिक्षा और अनुसंधान क्षेत्र साइबर खतरों का केंद्र बना हुआ है। इंफोस्टीलर्स और रिमोट एक्सेस ट्रोजन (आरएटीएस) हाइब्रिड लर्निंग मॉडल और कनेक्टेड इकोसिस्टम की कमजोरियों का फायदा उठा रहे हैं। संस्थानों को प्रिवेंशन-फर्स्ट नीति अपनानी होगी जिसमें क्लाउड-नेटिव सिक्योरिटी, एंडपॉइंट प्रोटेक्शन और थ्रेट इंटेलिजेंस शामिल हो। बौद्धिक संपदा की सुरक्षा और शैक्षणिक निरंतरता के लिए साइबर लचीलापन बेहद आवश्यक है। गौरतलब है कि चेक प्वाइंट सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज एआई-संचालित साइबर सुरक्षा समाधान प्रदान करने वाली अग्रणी वैश्विक कंपनी है, जो डिजिटल ट्रस्ट की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

बिहार चुनाव...

अब तक प्रचलन यह था कि गिनती के दिन सुबह 8 बजे डाक मतपत्रों की गिनती शुरू होती थी और सुबह 8:30 बजे ईवीएम की गिनती। पहले के नियमों के मुताबिक, ईवीएम की गिनती डाक मतपत्रों की गिनती पूरी होने से पहले भी खत्म हो सकती थी। हालांकि, अब आयोग ने तय किया है कि ईवीएम की गिनती का दूसरा अंतिम चरण तभी शुरू होगा जब डाक मतपत्रों की गिनती पूरी हो जाएगी।नई व्यवस्था का पहला प्रयोग बिहार विधानसभा चुनावों में होगा, जो नवंबर में होने जा रहे हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि इससे गिनती प्रक्रिया अधिक एकरूप और पारदर्शी बनेगी।

इससे मतदाताओं और उम्मीदवारों के बीच किसी भी तरह के भ्रम की स्थिति नहीं रहेगी। चुनाव आयोग ने यह भी निर्देश दिया है कि जिन निर्वाचन क्षेत्रों में डाक मतपत्रों की संख्या अधिक होगी, वहां पर्याप्त संख्या में टेबल और गिनतीकर्मी लगाए जाएं। इसका उद्देश्य गिनती में देरी को रोकना और प्रक्रिया को समयबद्ध बनाना है।आयोग ने बताया कि हाल ही में दिव्यांग मतदाताओं और 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए घर से मतदान की सुविधा शुरू की गई है। इसके चलते डाक मतपत्रों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में गिनती की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना बेहद जरूरी हो गया है। चुनाव आयोग का मानना है कि इस नए कदम से चुनावी प्रक्रिया पर जनता का भरोसा और मजबूत होगा। डाक मतपत्रों की गिनती पूरी होने तक अंतिम ईवीएम गिनती को रोके रखने का निर्णय सभी उम्मीदवारों और दलों को यह आश्वासन देगा कि मतगणना में किसी तरह की जल्दबाजी या असमानता नहीं होगी।

आदित्य मंगल योग से मिथुन सहित पांच राशियों को मिलेगा लाभ

अक्टूबर के महीने में बहुत ही मंगलकारी आदित्य मंगल योग बनेगा। दरअसल, इस महीने सूर्य और मंगल की युति एक साथ तुला राशि में होने जा रही है। जिससे आदित्य मंगल योग का निर्माण होगा। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, सूर्य और मंगल दोनों की अग्नि तत्व ग्रह है साथ ही दोनों ग्रह बहुत ही ऊर्जावान भी हैं। ऐसे में मंगल आदित्य योग से अक्टूबर के महीने में वृषभ, मिथुन सहित 5 राशियों को विशेष लाभ मिलने वाला है। इन राशियों को अब अपने करियर में नई सफलता और आर्थिक लाभ मिलेगा। अक्टूबर का महीने इन सभी के लिए नई उपलब्धियों से भरा रहने वाला है।

वृषभ : सौभाग्यशाली रहेगा महीना

वृषभ राशि के लोगों के लिए अक्टूबर का महीना शुभ और सौभाग्यशाली साबित होगा। महीने की शुरुआत में आपको लंबी या छोटी दूरी की यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। यह महीना आपके करियर और व्यवसाय में प्रगति लेकर आएगा। इस महीने से लंबे समय से चली आ रही बाधाएं जल्द ही दूर होंगी। व्यापारियों को इस महीने मनचाहा लाभ मिलने की संभावनाएं हैं। वहीं, नौकरीपेशा लोगों के लिए इस महीने आय के अलग स्रोत बन सकते हैं। आपको अपने लक्ष्य को हासिल करने में सीनियर और जूनियर दोनों का पूरा सहयोग मिलेगा। जो लोग भूमि या भवन से संबंधित काम करते हैं उनके लिए महीने बहुत ही शुभ साबित होगा। आपको अपने पिता और रिश्तेदारों से पूरा सहयोग मिलेगा। जो लोग करियर बनाने का प्रयास कर रहे हैं उनके इस दिशा में किए गए प्रयास सफल रहेंगे।

मिथुन : सफलता और लाभ मिलेगा

मिथुन राशि के लोगों के लिए अक्टूबर का महीना आपको मानसिक सुकून देगा। इस महीने आपको किसी प्रभावशाली व्यक्ति के माध्यम से पैतृक संपत्ति प्राप्त हो सकती हैं। ऐसे में संपत्ति से जुड़ी आपकी सारी टेंशन भी खत्म हो जाएंगी। इस महीने आपको भूमि, भवन और वाहन का सुख मिलेगा। बात करें घर परिवार की तो परिवार वालों में प्रेम और बढ़ेगा। महीने का दूसरा सप्ताह आपके लिए सफलता और लाभ से भरा रहेगा। बस इस बात का ख्याल रखें कि आप कोई भी निर्णय जल्दबाजी में न करें। इस महीने आपका पूरा फोकस अपने परिवार पर रहेगा और आप उनके साथ पिकनिक पर जा सकते हैं। इस महीने अपनी लव लाइफ को लेकर कोई भी बड़ा फैसला लेने से थोड़ा परहेज करें।

कर्क :जीवन में नई सफलता मिलेगी

अक्टूबर का महीना कर्क राशि के लोगों के लिए बहुत ही बढ़िया रहने वाला है। इस महीने आप अपनी बातें दूसरों के सामने बहुत अच्छी तरह से रख पाएंगे। ऐसा करने से आपको अपने करियर में मनचाही सफलता मिलेगी। इस महीने आप अपनी बुद्धि के बल पर अपनी सभी बाधाओं से मुक्ति पा लेंगे। अभी तक जो परेशानियां करियर में सफलता पाने में आ रही थी अब वह सभी बाधाएं दूर होंगी। करियर के लिहाज से यह महीने आपके जीवन में नई सफलता दिलाएगा। हालांकि, आपके खर्चे थोड़ा ज्यादा रहेंगे तो थोड़ा अपनी जेब को देखकर ही खर्च करें।

सिंह : मनचाहे परिणाम मिलेंगे

सिंह राशि के लोगों के लिए अक्टूबर का महीना बेहद शुभ रहने वाला है। इस महीने आपको मनचाहे परिणाम मिलने वाले हैं। इस महीने आपको अपने प्रयास और मेहनत का पूरा फल मिलेगा। इस महीने आप कोई बड़ी उपलब्धियां पा सकते हैं। परिवार में खुशियां बनी रहेगी। इस महीने आप अपने काम के चक्कर में जो भी मेहनत करेंगे उसके सकारात्मक परिणाम ही आपको मिलेंगे। आपके विरोधी भी इस महीने परास्त होंगे और आपसे समझौते की बात कर सकते हैं। परिवार के सभी सदस्य आपके साथ खड़े नजर आएंगे और आपका पूरा सहयोग करेंगे। आप अपने पार्टनर के साथ सुखद पल बिताएंगे।

तुला : सुखमय रहेगा दांपत्य जीवन

तुला राशि के लोगों के लिए अक्टूबर का महीना बहुत ही शुभ और सफलता दिलाने वाला रहेगा। इस महीने आपको अपने भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। उनकी मदद से आपके सभी रुके हुए काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। आप अपने साहस और कड़ी मेहनत से बड़े से बड़े लक्ष्य हासिल करने में सफल रहेंगे। समस्याओं से उभरने के लिए आपके दोस्त आपका पूरा साथ देंगे। पार्टनरशिप में व्यापार करने वालों को पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतने की जरूरत बनी रहेगी। इस महीने आपके अपने रिश्तेदारों के साथ संबंध पहले से मधुर होंगे। माता पिता का भी पूरी आशीर्वाद आपको मिलेगा। देखा जाएं तो दांपत्य जीवन आपके लिए बहुत ही सुखमय रहेगा।

27 अक्टूबर को छठ पूजा मनाई जाएगी

छठ पूजा का त्योहार बेहद खास होता है, जिसे महापर्व भी कहते हैं। बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश में इसका बहुत विशेष महत्व होता है। दीवाली के अगले दिन से ही छठ की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। यह त्योहार पूरे 4 दिनों का होता है जिसकी शुरुआत नहाय खाय से होती है। छठ महापर्व का व्रत बहुत कठिन होता है। इसे करने से व्रती को अत्यंत शुभ फल की प्राप्ति होती है।

नहाय खाय 25 को

इस साल छठ महापर्व में नहाय खाय की शुरुआत 25 अक्टूबर, शनिवार के दिन से होगी। इस दिन का बहुत खास महत्व होता है। नहाय खाय के दिन महिलाएं नदी में स्नान करती हैं और सात्विक भोजन करती हैं। इससे तीन दिन तक चलने वाले व्रत और पूजा के लिए मानसिक व शारीरिक रूप से मजबूती मिलती है। साथ ही, महिलाएं 36 घंटे तक चलने वाले कठिन व्रत के लिए तैयार हो जाती हैं।

खरना 26 को

नहाय-खाय के अगले दिन खरना होता है, जो इस बार 26 अक्टूबर, रविवार के दिन पड़ेगा। इस दिन शाम के समय रोटी, गुड़ की खीर और फल का भोग लगाया जाता है। भोग लगाने के बाद व्रत रखने वाली महिलाएं प्रसाद को खुद ग्रहण करती हैं और फिर, सभी को देती हैं। इसी के बाद से निर्जला व्रत का आरंभ हो जाता है जो उगते हुए सूर्य को देने के बाद समाप्त होता है।

सूर्य षष्ठी की 27 को

दीवाली के बाद षष्ठी तिथि के दिन छठ पूजा की शुरुआत हो जाती है। खरना के बाद यानी तीसरे दिन छठ के महापर्व की शुरुआत होती है, जिसमें डूबते हुए सूर्य को घाट पर जाकर अर्घ्य दिया जाता है और छठ मईया की पूजा की जाती है। इस साल 27 अक्टूबर, सोमवार के दिन छठ पूजा मनाई जाती है। व्रती महिलाएं शाम के समय घाट पर जाकर नदी में खड़े होकर डूबते हुए सूरज को अर्घ्य देती हैं, छठी मईया के गीत गाती हैं और विधि-विधान से पूजा करती हैं।

सूर्योदय अर्घ्य 28 को

डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रती महिलाएं पूरे परिवार के साथ अगले दिन सुबह उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने जाती हैं। यह तिथि इस बार 28 अक्टूबर आमतौर पर महिलाएं नंगे पांव घाट तक जाती हैं और वहां सूर्य को अर्घ्य देते हुए जीवन में सुख-समृद्धि और अपने संतान की लंबी आयु की कामना करती हैं। इसी दिन महिलाओं का 36 घंटे तक चलने वाला व्रत समाप्त हो जाता है। छठ पूजा में विशेष रूप से सूर्य देवता और छठ मईया की पूजा की जाती है।

दुर्गा सप्तशती पाठ करने से जीवन में सभी दुखों से मिलता है छुटकारा

नवरात्रि नौ दिनों में मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की पूजा की जाती है और भक्तों द्वारा व्रत किया जाता है। जिसमें दुर्गा सप्तशती का पाठ करने का बेहद खास महत्व होता है। ऐसा करने से जातक को जीवन के हर प्रकार के दुखों से छुटकारा मिल सकता है और सुखों में वृद्धि होती है। लेकिन दुर्गा सप्तशती का पाठ करते समय कुछ विशेष नियमों का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। इसके 13 अध्याय को प्रत्येक दिन एक-एक करने नहीं पढ़ना चाहिए। अगर व्रत कथा पाठ करते समय ऐसी ही कुछ गलतियां हो जाए तो इसका पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है।

दुर्गा सप्तशती का पाठ करने के नियम

- दुर्गा सप्तशती का पाठ करने से पहले स्नानादि करके साधक को लाल या पीले रंग के वस्त्र धारण करने चाहिए। इन रंगों को नवरात्रि में पूजा के दौरान पहनना बहुत शुभ माना जाता है। इसके बाद, गंगाजल छिड़कर देवी का ध्यान करें।
- देवी का ध्यान करने के साथ-साथ व्रत कथा का पाठ कभी भी सीधा शुरू नहीं करना चाहिए। इससे पहले पवित्र मंत्र का जाप करना आवश्यक माना गया है। ऐसे में दुर्गा सप्तशती के पाठ से पहले 'ओम अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा । यः स्मरेत्पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः' मंत्र का जाप जरूर करें।
- मान्यता है कि किसी भी अध्याय की शुरुआत करने से पहले कवच, कीलक और अर्गला का पाठ जरूर करना चाहिए। सीधा दुर्गा सप्तशती का पाठ करने से इसका पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है। इनका पाठ करने के बाद ही साधक को 13 अध्यायों का पाठ करना चाहिए।
- दुर्गा सप्तशती के पाठ में 13 अध्याय एक ही बार में पढ़ने का विधान होता है। अगर आप नियमित इसी प्रकार दुर्गा सप्तशती पाठ करते हैं तो इससे अत्यंत शुभ फल की प्राप्ति होती है। लेकिन अगर आपके लिए ऐसा कर पाना संभव न हो तो इसका 3 भाग में पाठ कर सकते हैं। प्रथम चरित्र में पहला अध्याय का पाठ, दूसरे चरित्र में 2 से लेकर चौथा अध्याय और तीसरे चरित्र में पंचम से लेकर 13वें अध्याय का पाठ करना चाहिए।
- अगर साधक तीन चरित्रों में दुर्गा सप्तशती का पाठ न कर पाए, तो देवी के सामने पहले इस बात का संकल्प लेना चाहिए कि आप नवरात्रि के 9 दिनों में दुर्गा सप्तशती के 13 अध्यायों का पाठ करेंगे। इस प्रकार नवरात्रि में दुर्गा सप्तशती का पाठ करने से साधक के सुखों में वृद्धि होती है और व्रत कथा के पाठ का पूर्ण फल प्राप्त होता है।
- दुर्गा सप्तशती के 13 अध्यायों का पाठ करने के बाद अंत में क्षमा प्रार्थना जरूर करें और रात्रि सूक्तम का पाठ करना भी आवश्यक होता है। नवरात्रि के नौ दिनों में 13 अध्यायों का विधिपूर्वक पाठ करने से आपको जीवन के हर प्रकार के दुखों से छुटकारा मिल सकता है और मनवांछित फल प्राप्त होता है।

अंक 9 है ब्रह्म का प्रतीक और नवरात्रि का आधार स्तंभ

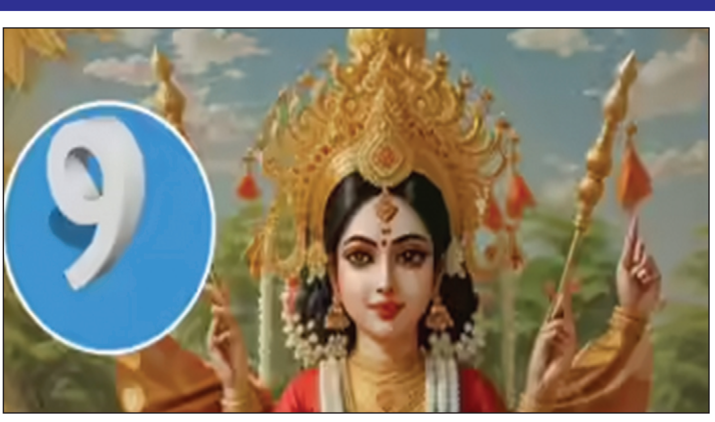

अंक 9 पूर्णता का प्रतीक है, इसलिए देवी मंत्रों सहित सभी अन्य मंत्रों का जाप प्राचीन काल से कम से कम 108 बार करने की परंपरा रही है। 108 का योगफल 9 आता है, इस अंक के प्रभाव से साधक की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

नवरात्र के नौ दिनों में नवदुर्गा की पूजा होती है, शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चन्द्रघंटा, कूष्माण्डा, स्कन्दमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री। इन देवियों की आराधना शक्ति, भक्ति, ज्ञान और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करती है। इसी प्रकार भारतीय ज्योतिष भी नौ ग्रहों पर आधारित है, सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु और केतु। इन ग्रहों की गति ही मानव जीवन की दशा और दिशा तय करती है।

संख्या 9 का महत्व धार्मिक, दार्शनिक और गणितीय दृष्टि से अद्वितीय है। भारतीय दर्शन के अनुसार ब्रह्माण्डीय समयचक्र तीन चरणों, सृष्टि, पालन और संहार में बँटा है और प्रत्येक चरण फिर तीन भागों में विभाजित है। इस प्रकार कुल नौ भाग सम्पूर्ण सृष्टि का प्रतिनिधित्व करते हैं, यही कारण है कि आदि शंकराचार्य ने 9 को 'ब्रह्म' कहा है।

मानव जीवन में भी यह अंक बार-बार दिखाई देता है। शरीर के नौ द्वार, आंखें, कान, नथुने, मुख, गुदा और जननांग, जीवन की गतिविधियों के केंद्र हैं। शिशु भी नौ माह के गर्भधारण के बाद जन्म लेता है। ऋग्वेद के 1017 सूक्तों का योग 9 है, 108 उपनिषदों और 18 पुराणों की संख्या का योग भी 9 आता है। महाभारत और गीता के 18 अध्याय भी इसी रहस्य से जुड़े हैं। गणित में 9 को 'अविनाशी अंक' कहा जाता है। किसी भी संख्या को 9 से गुणा करने पर अंततः उसके अंकों का योगफल 9 ही होता है। इसीलिए इसे शाष्वत और अपरिवर्तनीय माना गया है। अंक 8 परिवर्तनशील 'माया' का प्रतीक है, जबकि 9 ब्रह्म का प्रतीक। ऋषि-मुनियों ने इस रहस्य को पहचानकर 108 दानों वाली माला से जप की परंपरा स्थापित की है। 27 नक्षत्र और उनके 4-4 चरण मिलकर भी 108 की संख्या बनाते हैं। ज्योतिष में बारह राशियों और नौ ग्रहों का गुणनफल भी 108 होता है। यह संयोग इस अंक की दिव्यता को और अधिक प्रकट करता है। नवरात्रि का पर्व हमें याद दिलाता है कि सृष्टि की हर गति और हर ऊर्जा कहीं न कहीं इस अद्भुत अंक 9 से जुड़ी है। यही कारण है कि भक्त नौ रातों तक शक्ति की साधना करके स्वयं को ब्रह्माण्डीय ऊर्जा से जोड़ने का प्रयास करते हैं।

नवरात्रि में जरुर आजमाएं पान के पत्ते के ये सरल उपाय, मां दुर्गा की कृपा से दूर होंगी परेशानियां

नवरात्रि के दिनों में मां दुर्गा का आगमन हो चुका है। ऐसा कहा जाता है कि मां दुर्गा की भक्ति जो व्यक्ति नवरात्रि के दिनों में पूरे विधि विधान से करता है उनकी सारी मनोकामनाएं मां जल्दी पूरी कर देती हैं। नवरात्रि के दिनों में मां दुर्गा से जुड़े किए गए उपाय जल्दी फल देते हैं।आज हम आपको पान के पत्ते से जुड़े उपाय बताने जा रहे हैं। इन उपायों को करने से मां दुर्गा की विशेष कृपा आपको मिलेगी। साथ ही जिस व्यक्ति को आर्थिक परेशानियां और विवाद आदि से जुड़ी परेशानियां हैं तो उन्हें यह उपाय जरूर करने चाहिए। जानें नवरात्रि में पान के पत्ते के उपाय।

अगर आपकी कोई बरसों पुराने ख्वाहिश है तो पान के पत्ते पर दो लौंग रखकर दोनों हाथों में रखकर जल में प्रवाहित कर दें। इस उपाय को करने से आपकी पुरानी ख्वाहिश पूरी होगी।

एक पान के पत्ते पर लाल गुलाब की कुछ पंखुड़ियां रखकर मां दुर्गा को अर्पित कर दें। यह उपाय आपके जीवन में आ रही आर्थिक परेशानियों से आपको छुटकारा दिलाएगा।

अगर नौकरी और कारोबार में तरक्की नहीं हो रही है। आपको अपनी मेहनत का फल नहीं मिल रहा है तो पान के पत्ते के दोनों तरफ सरसों का तेल लगाएं और इसे मां दुर्गा को अर्पित कर दें। इस पत्ते को अपने सिर के पास रखकर सो जाएं। अगले दिन स्नान के बाद किसी दुर्गा मंदिर में जाकर इस पान के पत्ते को अर्पित कर दें।

व्यापार में अगर मंदी चल रही है तो पान का बीड़ा लेकर मां दुर्गा के मंदिर के जाकर अर्पित करें। इस उपाय को करने से आपको व्यापार में सफलता मिलेगी।

संतान सुख की कामना करने वालों को नवरात्रि के पांचवे दिन स्कंदमाता को 9 पान के पत्ते अर्पित करें। महिलाएं ये पान के पत्ते सुहाग के सामग्री के साथ ही अर्पित करें।

घर से नकारात्मकता को दूर करने के लिए घर की शांति प्रभावित हो रही है तो नवरात्रि में 9 दिनों तक पाने के पत्ते पर केसर रखकर दुर्गा स्तोत्र का पाठ करें। साथ ही दुर्गा नामावली का पाठ भी करें। घर में रोजाना दुर्गा चालीसा का पाठ करें। साथ ही शनिवार के दिन मां दुर्गा को पान के पत्ता दो लौंग और एक इलायची रखकर अर्पित करें।

पूजा के दौरान मिल रहे हैं ये संकेत, तो समझिए जल्द पूरी होगी मनोकामना

हर व्यक्ति अपनी श्रद्धा के अनुसार, ईश्वर की आराधना करता है। कई बार हमें कुछ ऐसे संकेत भी मिलते हैं, जिन्हें हम आम समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन इन संकेतों का मिलता बहुत ही खास होता है। ऐसे में अगर आपको भी यह संकेत मिल रहे हैं, तो इन्हें नजरअंदाज बिल्कुल न करें, क्योंकि यह आपकी पूजा सफल होने की ओर इशारा करते हैं।

बनी हुई है देवताओं की कृपा

जब आपको पूजा-पाठ करने के बाद मन में शांति और संतोष का अनुभव हो, तो इसका यह मतलब माना जाता है कि आपकी पूजा सफल हो रही है। इसके साथ ही पूजा में कोई बाधा न आना और किसी मनोकामना का अचानक से पूरा हो जाना भी कुछ ऐसे संकेत हैं, जिसका अर्थ है कि आपकी भक्ति स्वीकार हुई है और भगवान की कृपा आपके ऊपर बनी हुई है।

ये भी है एक शुभ संकेत

अगर पूजा के दौरान आपके द्वारा जलाए गए दीपक की लौ शांत और स्थिर रहती है, और पूजा समाप्त होने के कुछ देर बाद अपने आप ही बुझ जाती है, तो इसे भी एक शुभ संकेत के रूप में देखा जाता है। इसके साथ ही घर में दिव्य सुगंध आना भी देवी-देवताओं की कृपा का एक संकेत माना जाता है।

पूरी हो सकती है मनोकामना

अगर किसी व्यक्ति को पूजा-पाठ के दौरान अगर आंखों से अपने आप ही आंसू आने लगें, तो समझ जाना चाहिए कि आपकी पूजा सफल हुई है। साथ ही इसका एक अर्थ यह भी माना जाता है कि आपकी कोई मनोकामना जल्द पूरी होने वाली है।

ये भी हैं कुछ अच्छे संकेत

यदि पूजा करते समय देवी-देवता की मूर्ति या तस्वीर से कोई फूल या माला अचानक से आपके ऊपर आकर गिरे, तो इसे एक शुभ संकेत के रूप में देखा जाता है। इसका अर्थ है कि भगवान आपकी पूजा से प्रसन्न हैं। इसके साथ ही अगर पूजा के बाद आपके घर कोई मेहमान आता है, तो यह भी पूजा के पूर्ण फल प्राप्ति का ही एक संकेत माना जाता है।

मौनी रॉय ने मिलान फैशन वीक में बिखेरा ग्लैमर

भारत की अपनी चहेती डार्लिंग दीवा, मौनी रॉय, अब एक अंतरराष्ट्रीय फैशन आइकन के रूप में तेज़ी से उभर रही हैं। इस बार उन्होंने मिलान फैशन वीक में अपने स्टाइल से खूब सुर्खियां बटोरीं। पेरिस से लेकर लंदन और अब मिलान तक – मौनी लगातार दुनिया के सबसे बड़े फैशन इवेंट्स में अपनी मौजूदगी दर्ज करवा रही हैं। हर लुक के साथ वो न केवल सबका ध्यान खींच रही हैं, बल्कि भारतीय फैशन को वेस्टर्न हाई–फैशन के मानचित्र पर मजबूती से रख रही हैं। मौनी के पास ऐसा स्टाइल सेंस है जो एलीगेंस, एक्सपेरिमेंट और ऐज को खूबसूरती से संतुलित करता है। वह हर लुक में न केवल लाइमलाइट चुरा लेती हैं, बल्कि एक–एक कर के अपनी आइकॉनिक लुक के ज़रिए भारत और पश्चिमी फैशन के बीच की दूरी भी कम कर रही हैं।

मौनी रॉय ने मिलान फैशन वीक की अपनी शुरुआत, प्रसिद्ध भारतीय डिज़ाइनर ध्रुव कपूर के फॉल–विंटर 2025–26 कलेक्शन के साथ की। जिसमें परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम देखने को मिला। इस लुक में उन्होंने पहनी ढीली–ढाली, रेड–एंड–व्हाइट चेक प्रिंट की वॉल्युमिनस ब्लाउज़, जिसमें फुल स्लीव्स, कंधों पर हल्का पफ और कलाइयों पर फिटेड कफ्स थे – जिससे लुक आरामदायक फिर भी स्ट्रक्चर्ड दिख रहा था।

इसके साथ उन्होंने पहनी एक पैटर्न वाली रैप–स्टाइल की स्कर्ट, जिसकी हेमलाइन असममित थी, जो चलते समय ग्रेसफुल मूवमेंट देती थी। मौनी ने इस लुक को कंप्लीट किया पॉइंटी नी–लेंथ लेदर बूट्स के साथ, और बाल खुले रखे – जिसमें वह हमेशा की तरह बेहद खूबसूरत लग रही थीं।

मिलान जैसे वैश्विक मंच पर मौनी रॉय का भारतीय डिज़ाइनरों के साथ सहयोग न केवल उनके व्यक्तिगत स्टाइल के विकास को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि वह भारतीय टैलेंट को अंतरराष्ट्रीय मंच पर जगह देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ऐसा करके, मौनी रॉय न केवल फैशन वीक में भाग ले रही हैं, बल्कि वह एक बयान भी दे रही हैं, यह साबित करते हुए कि भारतीय फैशन का वैश्विक मंच पर एक स्थान है। और हर बार जब वह मिलान की सड़कों पर कदम रखती हैं, वह यह साबित करती हैं कि क्यों उन्हें फैशन की सबसे प्यारी डार्लिंग दीवा कहा जाता है।

जान्हवी कपूर इंटरनेट पर छाई संस्कारी स्टाइल में

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने नवरात्रि के पावन अवसर पर अपनी आने वाली फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' की टीम के साथ पारंपरिक अंदाज में त्योहार का जश्न मनाया, जिसकी झलकियां उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई कुछ खूबसूरत तस्वीरों में वह और उनके को–स्टार्स वरुण धवन, सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ और मनीष पॉल ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है।

तस्वीरों में देखा जा सकता है कि जान्हवी कभी अकेले पोज दे रही हैं, कभी सान्या के साथ नजर आ रही हैं। एक फोटो में वह वरुण की ओर देखकर मुस्कुरा रही हैं। दूसरी तस्वीर में वह चॉकलेट खाती दिख रही हैं।

जान्हवी ने इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, हैप्पी नवरात्रि संस्कारी स्टाइल।

इस फिल्म का हाल ही में एक और रोमांटिक गाना 'तू है मेरी' रिलीज किया गया है। इस गाने को संगीतकार जोड़ी सचेत–परंपरा ने गाया और संगीतबद्ध भी किया है, जबकि इसके खूबसूरत बोल कौसर मुनीर ने लिखे हैं। गाना रिलीज के बाद से सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा है।

गाने के बारे में बात करते हुए जान्हवी कपूर ने कहा, '''तू है मेरी' उन नाजुक और प्यारे पलों को दर्शाता है, जो बिना कुछ कहे भी दिल को छू जाते हैं। इस गाने को लोग बार–बार सुनना चाहेंगे, खासतौर पर तब जब वे किसी से प्यार करते हैं।''

वरुण धवन ने भी इस गाने की तारीफ करते हुए बताया कि इसकी शूटिंग एक सपने जैसी लगी। यह गाना उन्हें पहली बार प्यार में पड़ने की मासूमियत और रोमांच की याद दिलाता है।

फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' एक रोमांटिक ड्रामा है, जिसका निर्देशन शशांक खेतान ने किया है। इस फिल्म में वरुण धवन और जान्हवी कपूर के अलावा सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ, अक्षय ओबेरॉय और मनीष पॉल जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

यह फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अभिनेत्री काजोल ने सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार से पूछा मस्का लगा रहे हो?

अभिनेत्री काजोल ने सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार से एक सवाल पूछा है। काजोल ने अक्षय कुमार की इंस्टा स्टोरी का एक स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए उनसे पूछा, मस्का लगा रहे हो? दरअसल, गुरुवार को अक्षय कुमार ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी पत्नी ट्विंकल खन्ना और काजोल को उनके नए टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' का एक वीडियो साझा किया था।

प्रीमियर एपिसोड का वीडियो शेयर करते हुए अक्षय कुमार ने दोनों को बधाई दी। इस क्लिप में काजोल सलमान खान और आमिर खान से पूछ रही हैं कि वह दोनों अच्छे दोस्त कैसे बने?

वीडियो शेयर करते हुए अक्षय ने लिखा, मजेदार, दिल को छू लेने वाला और ढेर सारी कहानियों से भरा जो आपने पहले कभी नहीं सुनी होंगी, ऐसा ही होता है जब ट्विंकल खन्ना और काजोल साथ होते हैं। पहला एपिसोड आ गया है, जाकर देखें, यह वाकई टू मच है!

उनकी इसी पोस्ट का एक स्क्रीनशॉट काजोल ने अपनी इंस्टा स्टोरी में लगाते हुए लिखा, मस्का लगा रहे हो?

वैसे अक्षय कुमार शुरू से ही इस टॉक शो का प्रमोशन अपने सोशल मीडिया अकाउंट से करते रहते हैं। काजोल का इशारा इसी तरफ था।

अक्षय कुमार ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें काजोल और ट्विंकल ने अपने शो में आमिर खान और सलमान खान की दोस्ती पर सवाल किया था। इसका जवाब देते हुए सलमान खान कहते हैं, हमारी दोस्ती पहले से ही गहरी थी, इसकी शुरुआत 'अंदाज अपना–अपना' के सेट से हुई थी। तब यह 7 बजे ही सेट पर आ जाता था और मैं 9 बजे।

आमिर खान ने बताया कि, दरअसल, मुझे लगता है कि यह तब हुआ जब मेरा रीना से तलाक हुआ था। आपको याद है? आप डिनर पर आए थे और तब सलमान और मैं पहली बार एक–दूसरे से ठीक से जुड़े। क्योंकि उससे पहले मुझे लगता था कि भाई टाइम पर नहीं आता, हमको बहुत प्रॉब्लम होती थी, 'अंदाज अपना अपना' फिल्म के सेट पर।

कटहल नहीं मिला तो क्या हुआ, राष्ट्रीय पुरस्कार तो मिल गया

राष्ट्रीय पुरस्कार जीत पर सान्या ने अनोखे अंदाज में मनाया जश्न

कटहल के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के बाद, स्टार कलाकार सान्या मल्होत्रा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह अपनी पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ कलाकारों में क्यों शामिल हैं। उनका सोशल मीडिया कैप्शन – कटहल नहीं मिला तो क्या हुआ, राष्ट्रीय पुरस्कार तो मिल गया – इस जश्न के मूड को बख़ूबी बयां करता है, जो उनके प्रशंसकों और फिल्म जगत के बीच लंबे समय से इंतज़ार था। यह जीत सान्या के करियर का एक निर्णायक मोड़ है, जो यह दर्शाती है कि वे हर किरदार में गहराई और सच्चाई के साथ जान फूंक देती हैं। उनके प्रशंसकों और साथियों के लिए यह जीत केवल एक पेशेवर उपलब्धि नहीं, बल्कि एक भावनात्मक पल भी रहा – यह याद दिलाता है कि सर्वोच्च स्तर पर मिलने वाला सम्मान दिल को भी छूता है।

लेकिन यह सफलता कोई अकेली उपलब्धि नहीं है। सान्या का 2025 का सफर असाधारण संतुलन का प्रतीक है – 'सैम बहादुर' और शाहरुख़ ख़ान की 'जवान' में उनके प्रदर्शन को भी राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाज़ा गया। चाहे भावनात्मक गहराई वाले किरदार हों या बड़े पैमाने पर बनी व्यावसायिक फ़िल्में – सान्या ने दिखा दिया कि वे हर क्षेत्र में निपुण हैं।

सान्या की यात्रा को खास बनाता है उनका वह गुण जिससे वे समान रूप से इंडी और मुख्यधारा की फिल्मों में दर्शकों का ध्यान आकर्षित करती हैं। जहां 'कटहल' ने उन्हें आलोचनात्मक सराहना और राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाया, वहीं उनकी आने वाली फिल्में 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' और एक ऐक्शन–कॉमेडी फ़िल्म (जिसकी शूटिंग इस साल शुरू होगी) उनके मेनस्ट्रीम स्टारडम को और मजबूत करती हैं।दर्शक अब सिर्फ़ उन्हें देख नहीं रहे – वे चाहते हैं कि सान्या बड़ी फ़िल्मों की मुख्य अभिनेत्री बनें और पूरी चमक के साथ स्क्रीन पर छा जाएं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ
आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। फूल देकर अपने प्यार का इज़हार करें। आपका कम्युनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा। दिन के पहले भाग में ख़ुद को थोड़ा अलसाहट भरा महसूस कर सकते हैं, लेकिन अगर आप घर से बाहर निकलने की हिम्मत जुटाएं तो काफ़ी काम किया जा सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो
आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराएं कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएं। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएं। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह
आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित जगह पर रखिए, जो आने वाले वक़्त में आप फिर पा सकें। आपके माता-पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। आज का दिन रोमांस से भरपूर होने की पूरी संभावना है। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्व-पूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी। मुमकिन है कि आपके माता-पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा। अपने घर से बाहर निकलते समय अपने ज़रूरी सामान को एक बार ज़रूर देख लें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो
आज ख़ास दिन है,आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। जो चीज़ें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज आप अपना अधिकतर समय जाया कर सकते हैं। जो बात सच्ची होती हैं उन्हें कहने में आपके शब्द भी कम जाया होते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे
आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैदा होगी। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आपके मानसिक तनाव को कम करने में दवा की तरह असरदार साबित होगी। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव बढ़ सकता है। इससे बचाव न करने की स्थिति में इसके दूरगामी परिणाम अच्छे नहीं होंगे। अपने भविष्य की योजना बनाने के लिए बिलकुल उपयुक्त दिन है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो
आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। आपको आज ही अपने प्रिय को दिल की बात बताने की ज़रूरत है, क्योंकि कल बहुत देर हो जाएगी। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं ग़लत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा। आप अपने वैवाहिक जीवन की सारी ख़राब यादें भूल जाएंगे और आज का भरपूर लुत्फ़ लेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते
आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। उन्हें पैसे लौटाकर आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपको सलाह दी जाती है कि उधार लेने से बचें। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज आप अपने प्रिय से अपने जज़्बात का इज़हार करने में मुश्किल महसूस करेंगे। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी। काम को करने से पहले ही उसके बारे में अच्छा बुरा न सोचें, बल्कि खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू
दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएं। किसी ऐसे के साथ परस्पर संवाद की कमी जिसका आपको बहुत ख़याल है, आपको तनाव दे सकती है। आज ख़ाली वक़्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे
दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाइयाँ हल हो जाएंगी। शाम को दोस्तों के साथ घूमें-फिरें, क्योंकि यह आपके लिए इस वक़्त बहुत ज़रूरी है। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियों में जाएगा। सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है। ऐसा करने के लिए यही वक़्त भी है। आगे चलकर यह निर्णय काफ़ी लाभदायक साबित होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि
आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपको समझना चाहिए कि यह केवल समय की बर्बादी है और इससे कुछ हासिल नहीं होता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। रोमांस के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन नहीं है,समय का पहिया बहुत तेज़ी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। मुमकिन है कि आपका जीवनसाथी आज आपके लिए पर्याप्त समय न निकाल पाए। आज का दिन किसी भी धार्मिक स्थल के लिए समर्पित करना अपनी मानसिक शांति बनाए रखने का सर्वश्रेष्ठ तरीका होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द
आपके तनाव और परेशानी की एक बड़ी वजह बचपन की मासूमियत को जाने की चाह है, इसलिए ख़ुशहाल रहिए। जिन लोगों ने किसी अनजान शख़्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फ़ायदा होने की पूरी संभावना है। घर के माहौल की वजह से आप उदास हो सकते हैं। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा। आपके पिता आज आपके लिए कोई तोहफ़ा ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची
एक आध्यात्मिक व्यक्ति आशीर्वाद की वर्षा करेगा और मन की शांति लेकर आएगा। हालाँकि धन आपकी मुट्ठियों से आसानी से सरक जाएगा, लेकिन आपके अच्छे सितारे तंगी नहीं आने देंगे। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। आपका कम्युनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। जीवन में सरलता तभी रहती है जब आपका व्यवहार सरल रहता है। आपको भी अपने व्यवहार में सरलता लाने की ज़रूरत है।

आज का पंचांग

दिनांक : 26 सितंबर 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी प्रातः 09:34 तक
नक्षत्र : विशाखा रात्रि 10:09 तक
योग : विष्कुंभ रात्रि 10:50 तक
करण : विष्टि प्रातः 09:34 तक
चन्द्रराशि : तुला सायं 03:24 तक
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 06:08 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:13 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:05 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:00 (विजयवाड़ा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : ललिता पंचमी ,
स्कन्द माता पूजन, भद्रा प्रातः 09:34 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बांसवाड़ा में

पीएम मोदी ने हजारों करोड़ की योजनाओं का किया शिलान्यास

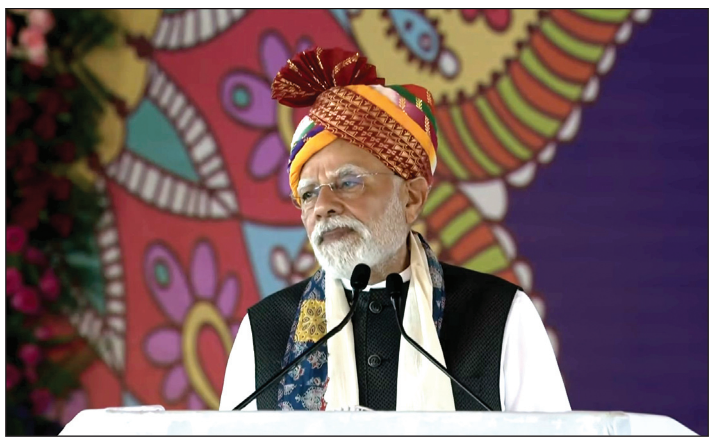

बांसवाड़ा, 25 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी ने राजस्थान के बांसवाड़ा में कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इसके साथ पीएम मोदी ने यहां 15,000 से अधिक नियुक्ति पत्र भी बांटे और तीन ट्रेनों को हरी झंडी भी दिखाई। इस दौरान पीएम मोदी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा।

पीएम मोदी ने कहा कि राजस्थान की धरती से आज बिजली क्षेत्र में भारत के सामर्थ्य का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। आज राजस्थान, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में 90 हजार करोड़ रुपये से अधिक के प्रोजेक्ट शुरू हुए हैं। यह दिखाता है कि आज देश बिजली की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है, और इस रफ्तार में देश का हर हिस्सा शामिल है। हर राज्य को प्राथमिकता दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने बिजली के महत्व पर ध्यान ही नहीं दिया। जब 2014 में आपने मुझे सेवा का अवसर दिया और जब मैंने दायित्व संभाला, तब भारत के 2.5 करोड़ घर ऐसे थे जहां बिजली का कनेक्शन नहीं था। आजादी के 70 साल बाद भी देश के 18,000 गांवों में बिजली के खंभे तक नहीं लगे थे। देश के बड़े-बड़े शहरों में घंटों तक बिजली कटौती होती थी और गांवों में तो 4-5 घंटे बिजली आ जाए, यह बड़ी बात मानी जाती थी।

उन्होंने कहा कि 2014 में हमारी सरकार ने इन हालातों को बदलने का संकल्प लिया और हमने देश के हर गांव तक बिजली पहुंचाई। हमने 2.5 करोड़ घरों को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिया, और जहां-जहां तार पहुंचे, वहां बिजली भी पहुंची। इससे लोगों की जिंदगी आसान हुई और नए-नए उद्योग भी स्थापित हुए। 21वीं सदी में जिस देश को तेजी से विकास करना है, उसे अपने यहां बिजली उत्पादन बढ़ाना ही होगा। इसमें सबसे सफल वही देश होंगे, जो स्वच्छ ऊर्जा में आगे रहेंगे। इसलिए हमारी सरकार स्वच्छ ऊर्जा के अभियान को जनआंदोलन बनाकर आगे बढ़ा रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने राजस्थान को लूटकर जो जख्म दिए, उसे भरने का काम हमारी सरकार कर रही है। कांग्रेस सरकार में राजस्थान पेपर लीक का केंद्र बन गया था, जल जीवन मिशन को भी कांग्रेस ने भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया था, महिलाओं पर अत्याचार चरम पर था और बलात्कारियों को संरक्षण दिया जा रहा था। कांग्रेस सरकार में बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ जैसी जगहों पर अपराध और अवैध शराब का कारोबार खूब पनपा। जब आपने भाजपा को मौका दिया, तब हमने कानून व्यवस्था को मजबूत किया और विकास परियोजनाओं में तेजी लाई। आज भाजपा सरकार राजस्थान को तेज विकास की राह पर आगे बढ़ा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि आज से 11 साल पहले, कांग्रेस के समय हालात कितने खराब थे, क्योंकि कांग्रेस सरकार देशवासियों का शोषण करने में लगी हुई थी। कांग्रेस सरकार देश के लोगों को ही लूट रही थी। कांग्रेस के समय में टैक्स और महंगाई दोनों आसमान पर थे। जब आपने मोदी को आशीर्वाद दिया, तब हमने कांग्रेस की लूट को बंद किया।

प्रधानमंत्री ने बताया देश क्यों मना रहा है जीएसटी बचत उत्सव

बांसवाड़ा , 25 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राजस्थान के बांसवाड़ा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस कार्यकाल का जिक्र करते हुए बताया कि आखिर क्यों देश अब 'जीएसटी बचत उत्सव' मना रहा है और पहले की तुलना में अब आम जनता को जीएसटी रिफॉर्म से कितनी बचत हो रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज से 11 साल पहले, कांग्रेस के समय हालात कितने खराब थे, क्योंकि कांग्रेस सरकार देशवासियों का शोषण करने में लगी हुई थी। कांग्रेस सरकार देश के लोगों को ही लूट रही थी। कांग्रेस के समय में टैक्स और महंगाई दोनों आसमान पर थे। जब आपने मोदी को आशीर्वाद दिया, तब हमारी सरकार ने कांग्रेस की लूट को बंद किया। इसीलिए आज कांग्रेस मुझसे नाराज है। 2017 में हमने जीएसटी लागू करके देश को टैक्स और टोल के जंजाल से मुक्ति दिलाई।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा ने पीएम मोदी से की मुलाकात

बांसवाड़ा, 25 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांसवाड़ा में हजारों करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया, लेकिन इससे ज्यादा सुर्खियों में रही उनकी पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के साथ मंच पर हुई मुलाकात। लंबे समय बाद यह पहला मौका था जब दोनों नेताओं ने आंखों में आंखें डालकर संवाद किया।

मंच पर दोनों नेताओं का लंबा संवाद और सहयोगपूर्ण व्यवहार यह दर्शाता है कि पार्टी में राजे का कद अभी भी मजबूत है। जनता और मीडिया के सामने यह दृश्य भाजपा की सियासी ताकत और नेताओं के बीच सामंजस्य का संदेश भी देता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि बांसवाड़ा की यह मुलाकात आगामी चुनावों और पार्टी निर्णयों के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण मानी जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान मोदी ने राज्य और जिले के विकास की कई बड़ी योजनाओं का उद्घाटन किया, लेकिन सियासी नजरिए से मंच पर यह दृश्य सबसे अधिक चर्चा में रहा।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह मुलाकात केवल औपचारिक कार्यक्रम का हिस्सा नहीं है, बल्कि भाजपा के अंदरूनी समीकरण और वसुंधरा राजे की भूमिका को लेकर संभावित संकेत देती है। पिछले समय में राजे को राजस्थान के तीसरी बार मुख्यमंत्री बनाने, राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने और उपराष्ट्रपति चुनाव में प्रत्याशी बनाए जाने जैसी चर्चाओं में देखा गया। हालांकि, इनमें से कई अफवाहें साबित हुईं।

भजनलाल शर्मा ने त्रिपुर सुंदरी मंदिर में पूजा-अर्चना की

बांसवाड़ा, 25 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को बांसवाड़ा के तलवाड़ा स्थित शक्ति पीठ त्रिपुर सुंदरी मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने मंदिर में विधि-विधान से पूजा अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। जनता में प्रधानमंत्री के प्रति विशेष आकर्षण और विश्वास - मुख्यमंत्री

इससे पहले मुख्यमंत्री ने नापला हेलीपैड पर मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के प्रति जनता में विशेष आकर्षण, लगाव और विश्वास है, इसलिए इतनी विशाल सभा का आयोजन आज नापला में हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जब भी राजस्थान आते हैं प्रदेश को सौगातें देते हैं। आज उन्होंने प्रदेश के लिए लगभग 1 लाख 8 हजार करोड़ रुपये के कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। साथ ही, 15 हजार से ज्यादा युवाओं को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अब तक 91 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नियुक्ति दे चुकी है।

अंत्योदय के संकल्प को साकार कर रही राजस्थान सरकार : डॉ.चतुर्वेदी

चूरू, 25 सितंबर (एजेंसियां)। राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष डॉ अरूण चतुर्वेदी गुरुवार को चूरू आए और चूरू पंचायत समिति की जसरासर ग्राम पंचायत में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने शिविर में राजस्व, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज सहित विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए काउंटरों का अवलोकन करते हुए आमजन को दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली। इस दौरान राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष डॉ अरूण चतुर्वेदी, चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला प्रमुख वंदना आर्य, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, जिला उप प्रमुख महेन्द्र न्यौल, प्रधान दीपचंद राहड़, राजगढ़ प्रधान विनोद देवी, ओम सारस्वत, बसंत शर्मा, दौलत तंवर, विक्रम कोटवाद आदि अतिथि मंचस्थ रहे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा के संकल्प के साथ काम किया है। हमारी सरकार अंत्योदय की भावना पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आमजन की समस्याओं को समझते हैं, इसलिए उन्होंने इन शिविरों के माध्यम से आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण का काम किया है।

वाणिज्य मंत्री ने जापान पर्यटन एक्सपो आइची में किया राजस्थान मंडप का उद्घाटन

जयपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान पर्यटन आयुक्त रुक्मणी रियार और टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास की पर्यावरण एवं वाणिज्य मंत्री देबजानी चक्रवर्ती ने जापान के टोक्यो शहर में आयोजित 'जापान पर्यटन एक्सपो आइची' में गुरूवार को एक्सपो में राजस्थान मंडप का उद्घाटन किया।

पर्यटन आयुक्त ने इससे पहले जापान पर्यटन बोर्ड और अन्य देशों के मंत्रियों और शीर्ष अधिकारियों के साथ एक्सपो का उद्घाटन किया। उन्होंने अतिरिक्त निदेशक आनंद त्रिपाठी, एफएचटीआर के सदस्य तरुण बंसल व हेमंत मित्तल तथा सह-प्रदर्शक दीपक धायल और अन्य लोगों के साथ जापान पर्यटन बोर्ड के जेटीबी सदस्यों (अध्यक्ष और शीर्ष ट्रैवल एजेंट) और जापान राष्ट्रीय पर्यटन संगठन (जेएनटीओ) के अध्यक्ष और अधिकारियों के साथ व्यक्तिगत चर्चा में भाग लिया और राजस्थान के आकर्षक पर्यटन स्थलों और उत्पादों के संबंध में जानकारी दी और फ़िल्म के माध्यम से एक प्रस्तुति दी।

धान के किसानों को बोनस दे सरकार: भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़, 25 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) लगातार किसानों के साथ धोखा कर रही है। सरकार ने 22 सितंबर से धान की खरीद शुरू करने की घोषणा की थी, लेकिन कई दिनों से किसान मंडियों में खरीद एजेंसियों का इंतजार कर रहे हैं। इसके बावजूद, खरीद शुरू नहीं हो रही है। इस स्थिति के कारण किसान निजी एजेंसियों के हाथों लुटने को मजबूर हैं।

हुड्डा ने बताया कि एकाध जगह सरकार द्वारा धान की खरीद में प्रति क्विंटल 150 से 200 रुपये तक का कट लगाया जा रहा है, जबकि किसान पहले ही बाढ़ की मार झेल रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों में सरकार को बोनस देकर किसानों की मदद करनी चाहिए थी, लेकिन इसके उलट सरकार कट लगा कर किसानों के साथ अन्याय कर रही है। उन्होंने याद दिलाया कि बीजेपी ने चुनाव से पहले धान का मूल्य ₹3100 प्रति क्विंटल देने का वादा किया था।

महिला सशक्तिकरण की नई पहल - दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना एप लॉन्च

रेवाड़ी, 25 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में महिलाओं के उत्थान और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना एप का भव्य शुभारंभ किया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का उद्घाटन पंचकूला से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया, वहीं रेवाड़ी में राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने जिला स्तरीय कार्यक्रम का नेतृत्व किया।

सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि महिलाओं के उत्थान और सशक्तिकरण को लेकर केंद्र व प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। मातृशक्ति को आर्थिक आधार प्रदान करने के लिए लाडो लक्ष्मी योजना एक मील का पत्थर साबित होगी। इसके तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 2100 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

उन्होंने आगे कहा कि आज हरियाणा की बेटियां शिक्षा, स्वास्थ्य और हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। सरकार उनके सम्मान और प्रगति के लिए हर संभव कदम उठा रही है।विधायक यादव ने कहा कि रेवाड़ी जिले की 68,686 महिलाएं पहले ही इस योजना में पंजीकरण करा चुकी हैं और भविष्य में यह संख्या और बढ़ेगी।

कोई भी नीति वास्तविक आंकड़ों के आधार पर होती है सफल : सैनी

चण्डीगढ़, 25 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सही आंकड़े सही निर्णय का आधार होते हैं और तथ्यों के बिना विकास अधूरा है। हर क्षेत्र में सटीक आंकड़ों की भूमिका निर्णायक होती है तथा कोई भी नीति तभी सफल होगी, जब वह वास्तविक आंकड़ों पर आधारित होगी।

स्थानीय स्तर पर शासन को सशक्त बनाना नए भारत की आकांक्षाओं की पूर्ति का मार्ग भी

उन्होंने कहा कि 'स्थानीय स्तर पर शासन को सशक्त बनाना' है। यह न केवल समय की मांग है, बल्कि नए भारत की आकांक्षाओं की पूर्ति का मार्ग भी है। जब शासन को स्थानीय स्तर पर सशक्त किया जाता है, तब योजनाएं केवल फाइलों में नहीं रहतीं, बल्कि जन-जन तक पहुंचती हैं तो यही लोकतंत्र की ताकत है। इस दौरान मुख्यमंत्री और केंद्रीय राज्यमंत्री ने चिल्ड्रन इन इंडिया 2025 और एनवायरनमेंट एकाउंटिंग ऑन फॉरेस्ट 2025 का विमोचन किया।

प्रधानमंत्री ने पिछले एक दशक में डाटा ड्राइवन गवर्नेंस को दी प्राथमिकता

नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले एक दशक में डाटा ड्राइवन गवर्नेंस को प्राथमिकता दी है। उन्होंने आधार कार्ड से पहचान को सुनिश्चित किया और जनधन खातों से गरीबों तक योजनाएं सीधे पहुंचाने का कार्य किया है। डिजिटल इंडिया के माध्यम से डेटा संग्रहण और पारदर्शिता को नई ऊंचाई दी। केंद्रीय और राज्य सांख्यिकी संगठनों की भूमिका नीति-निर्माण से लेकर नीति कार्यान्वयन तक हर चरण पर महत्वपूर्ण होती है।

आंकड़ों का तकनीक के साथ समन्वय ही देता है वास्तविक और प्रभावी परिणाम

उन्होंने कहा कि आज का युग तकनीक का युग है। आंकड़ों का तकनीक के साथ समन्वय ही वास्तविक और प्रभावी परिणाम देता है। आंकड़ों व तकनीक के मेल से हमने हरियाणा में अनेक सफल प्रयोग किए हैं। आज देश के अनेक राज्य भी उनका अनुसरण कर रहे हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण 'मेरा परिवार मेरी पहचान' कार्यक्रम है। इसके माध्यम से सरकार ने हर परिवार का डाटाबेस तैयार किया है। इस डाटा के आधार पर योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के सीधा पात्र परिवारों तक पहुंच रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, हर क्षेत्र में यह डाटा एक क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने का लक्ष्य रखा है। इसको पूरा करने में स्थानीय शासन और सटीक आंकड़े सबसे अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हर पंचायत के पास डेटा डैशबोर्ड हो, हर जिले में सांख्यिकीय नवाचार प्रयोगशाला स्थापित हो और हर राज्य सटीक डेटा संग्रहण और उपयोग में एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करे।

हरियाणा के आर्थिक विकास की तस्वीर भी आंकड़ों की सटीकता से होती है स्पष्ट

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा के आर्थिक विकास की तस्वीर भी आंकड़ों की सटीकता से स्पष्ट होती है। वर्ष 2014-15 में राज्य की जी.डी.पी. 4 लाख 37 हजार करोड़ रुपये थी। यह वर्ष 2024-25 में बढ़कर 12 लाख 13 हजार करोड़ रुपये हो गई है। इसी अवधि में प्रति व्यक्ति आय 1 लाख 47 हजार रुपये से बढ़कर 3 लाख 53 हजार रुपये हो गई है।

उन्होंने कहा कि डाटा के महत्व को पहचानते हुए हरियाणा में अनेक डाटा सेंटर आरम्भ करने की पहल की है। नारायणगढ़ में 11 अगस्त, 2025 से 'ऑनलाइन पेपरलेस डीड रजिस्ट्रेशन' का एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि हमें स्थानीय स्तर पर शासन को सशक्त करना है तो सटीक आंकड़े, गांव, वार्ड और मोहल्ले स्तर पर हर जानकारी का अपडेटिड रिकॉर्ड, जन-भागीदारी, तकनीक का उपयोग जैसे कि एआई, मशीन लर्निंग और डिजिटल टूलस के ज़रिये योजनाओं की निगरानी करनी होगी।

युवाओं के लिए नया अवसर, बिहार सरकार ने शुरू किया कौशल विकास प्रशिक्षण

पटना (एजेंसियां)।

बिहार सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर और रोजगारोन्मुख बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में उद्योग विभाग, बिहार सरकार और भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय के संस्थान टीआरटीसी, पटना की ओर से निःशुल्क रोजगारोन्मुखी कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम टूल रूम एंड ट्रेनिंग सेंटर, पटना में आयोजित होगा और 6 अक्टूबर से शुरू होगा। यह प्रशिक्षण पूरी तरह से निःशुल्क और आवासीय होगा। प्रशिक्षण की अवधि तीन महीने की होगी, जिसमें चयनित अभ्यर्थियों को प्रतिदिन 8 घंटे की कक्षाएं दी जाएंगी। प्रशिक्षण की गुणवत्ता

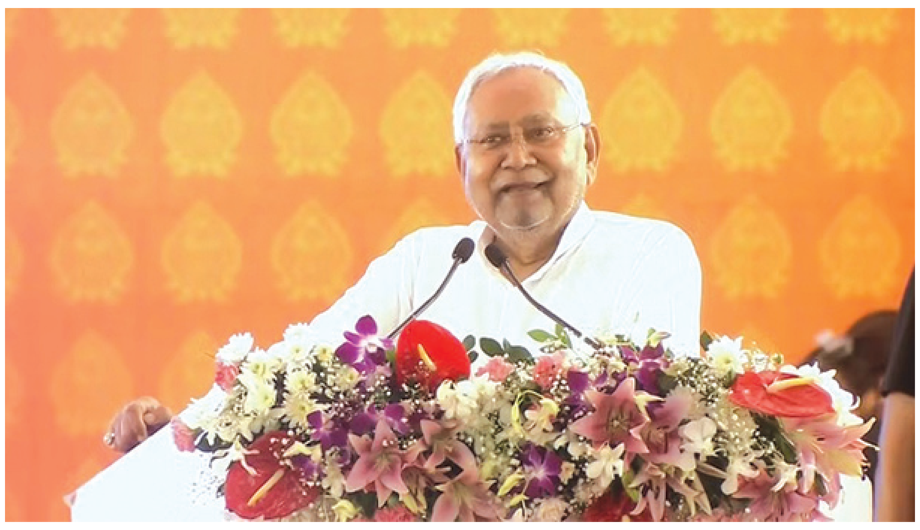

सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक तकनीक और प्रायोगिक शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। चयनित उम्मीदवारों से 1000 रुपये कैश ऑन मनी के रूप में शुल्क लिया जाएगा, जिसे प्रशिक्षण पूरा होने के बाद वापस कर दिया जाएगा। साथ ही, प्रशिक्षण के दौरान रहने और खाने की पूरी व्यवस्था संस्थान की ओर से की जाएगी, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्र भी बिना किसी बाधा के प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें। प्रवेश के लिए शैक्षणिक योग्यता निर्धारित की गई है। कोर्स संख्या 1 से 3 के लिए उम्मीदवारों का बारहवीं, आईटीआई या डिप्लोमा पास होना अनिवार्य है। वहीं, कोर्स संख्या 4 (एसी और फ्रिज रिपेयरिंग) के लिए बारहवीं या आईटीआई (इलेक्ट्रीशियन ट्रेड) पास होना जरूरी है। उम्मीदवारों की आयु सीमा न्यूनतम 18 वर्ष और अधिकतम 40 वर्ष निर्धारित की गई है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बिहार के युवाओं को तकनीकी शिक्षा देकर रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उम्मीदवार निजी उद्योगों, सरकारी योजनाओं, स्टार्टअप्स और स्वरोजगार के क्षेत्र में कदम बढ़ा सकेंगे। बिहार सरकार ने युवाओं से अपील की है कि वे इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और कौशल विकास के जरिए अपने करियर को नई ऊंचाई दें।

राहुल गांधी के हाइड्रोजन बम बयान पर चिराग पासवान ने किया पलटवार

पटना (एजेंसियां)।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बुधवार को पलटवार किया है। चिराग ने कहा, 'जब वे धमाका करेंगे, तभी हमें पता चलेगा कि यह 'हाइड्रोजन बम' क्या है। लेकिन फिलहाल, जब भी वे आते हैं और बोलते हैं, तो सिर्फ उसी चीज़ पर जोर देते हैं जिससे डखठ प्रक्रिया की शुरुआत हुई।

उन्होंने आगे कहा, 'वे बार-बार आकर मतदाता सूची में गड़बड़ियों की बात करते हैं। यही वजह है कि डखठ लाया गया है। एक तरफ आप शिकायत करते हैं और दूसरी तरफ उस शिकायत के समाधान से समस्या जताते हैं। यह ठीक नहीं है।

अगर इस सिस्टम से आपको दिक्कत है तो उसके लिए कानून मौजूद हैं। लेकिन सिर्फ आरोप

लगाना गलत है।'

गौरतलब है कि इससे पहले मंगलवार को लोकसभा में राहुल गांधी ने बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि उन्होंने जिस हाइड्रोजन बम की बात कही थी, वह अभी आया नहीं है, बल्कि आने वाला है। जिस दिन आएगा, उस दिन सभी को सच्चाई का पता चल जाएगा। राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा संविधान को खत्म करना चाहती है। उन्होंने दावा किया, 'मैं भागीदारी के हिसाब से हिस्सेदारी के लिए गारंटी देता हूं। यह मेरी गारंटी है। क्योंकि, हम संविधान मानते हैं।'

शादी के डेढ़ साल बाद नवविवाहिता की संदिग्ध मौत

वैशाली (एजेंसियां)।

वैशाली जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत मनुआ गांव में संदिग्ध परिस्थिति में एक नवविवाहिता की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मृतका के परिजन मौके पर पहुंचे। महिला के पिता ने अपने दामाद और अन्य परिजनों पर पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप लगाया है। मृतका की पहचान मनुआ निवासी रणजीत सिंह की 22 वर्षीय पत्नी चांदनी कुमारी के रूप में हुई है। मृतका के पिता विजय कुमार सिंह, जो सदर थाना के अदलपुर नौरंगाबाद निवासी हैं, ने अपने दामाद रणजीत सिंह, उसके चाचा और बहन-बहनोई पर हत्या का आरोप लगाया। उनका कहना है कि दामाद नशे का आदी था और अक्सर उनकी बेटी के साथ मारपीट करता था।

विजय कुमार सिंह ने बताया कि डेढ़ साल पहले उन्होंने अपनी बेटी चांदनी कुमारी की शादी रणजीत सिंह से की थी। शादी के बाद से ही वह नशे में धुत होकर बेटी को प्रताड़ित करता था। मृतका की छह महीने की एक बेटी भी है। परिजनों ने यह भी बताया कि पूर्व में भी ससुराल पक्ष

के लोग मिलकर चांदनी के साथ मारपीट करते थे। उस समय परिजनों ने बीच-बचाव कर समझौता कराया था।

महिला के पिता ने बताया कि बुधवार की सुबह करीब 11 बजे मोबाइल पर सूचना मिली कि उनकी बेटी की तबीयत बहुत खराब है। जब वे पहुंचे तो चांदनी की मौत हो चुकी थी। घटना के बाद ससुराल वाले घर बंद कर फरार हो गए।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। इस संबंध में सदर थाना अध्यक्ष यशोदानंद पांडे ने बताया कि नवविवाहिता की मौत इलाज के दौरान होने की सूचना मिली है। अब तक परिजनों की ओर से थाने में आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पटना में बिहार कला पुरस्कार 2025 से सम्मानित हुए 52 कलाकार

6 कलाकारों को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

पटना (एजेंसियां)।

बिहार कला पुरस्कार 2025 से प्रदेश के 52 कलाकारों को सम्मानित किया गया। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार ने यह सम्मान दिया है। 6 कलाकारों को राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया है। प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को संजोने और कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए बुधवार को पटना में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा और विभागीय मंत्री मोतीलाल प्रसाद ने वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के लिए चयनित 52 उत्कृष्ट कलाकारों को सम्मानित किया। कलाकारों को कुल 27,72,000/- की सम्मान राशि के साथ प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह एवं पारंपरिक अंगवस्त्र भेंट किए गए। इस मौके पर कलाकारों की उपलब्धियों को दर्शाती एक स्मारिका का भी विमोचन हुआ।

उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने घोषणा की कि अब

प्रत्येक वर्ष बिहार के कलाकारों को सम्मानित किया जाएगा। बिहार सौभाग्यशाली है कि यहां अंगिका, मैथिली, मगही, बज्जिका और भोजपुरी जैसी पांच सजीव भाषाओं में सृजन हो रहा है, जिसे हम 'भाषाई पंचामृत' कह सकते हैं। यह केवल कला नहीं, हमारी सांस्कृतिक विरासत है। सिन्हा ने बिहार की फिल्म नीति को देश में सर्वश्रेष्ठ बताते हुए कहा कि यह कला और संस्कृति को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगी। विभागीय मंत्री मोतीलाल प्रसाद ने कहा कि तीन वर्षों से लंबित इस आयोजन को अब नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा। प्रसाद ने अपने वक्तव्य में सभागार में उपस्थित तमाम कला प्रेमियों और पुरस्कृत कलाकारों और उनके परिवारों का आभार व्यक्त किया। राज्य सरकार कलाकारों के प्रोत्साहन के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया में कुछ व्यावहारिक कठिनाइयां अवश्य थीं, लेकिन अंततः उन कलाकारों को सम्मानित किया गया है जिन्होंने बिहार की सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखा है। समारोह में 18 नवोदित कलाकारों को 25,000 रुपये, 22 स्थापित कलाकारों को 50,000 रुपये, 6 कलाकारों को राष्ट्रीय पुरस्कार और 6 कलाकारों को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार के तहत 1 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। सभी सम्मानित कलाकारों को अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। कार्यक्रम में मशहूर लोकगायिका कल्पना पटवारी ने भिखारी ठाकुर का 'बेटी बेचवा' गीत प्रस्तुत कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

वैशाली में महिला का अपहरण, गांव वालों ने किया रेस्क्यू

पुलिस मामले की जांच में जुटी

वैशाली (एजेंसियां)।

वैशाली में गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र के शेरपुर गांव में गांववालों ने एक महिला को बंद घर से मुक्त कराया। जानकारी के अनुसार महिला का अपहरण पटना से किया गया था और उसे वैशाली जिले के हाजीपुर में एक घर में बंद रखा गया था, जहां उसके साथ मारपीट और अन्य गलत काम किए जा रहे थे।

पीड़िता पटना में दाई का काम करती थी। बताया गया कि गायघाट के पास उसका अपहरण दो लोगों ने किया। अपहरणकर्ताओं ने महिला को कुछ नशीली दवा खिलाकर उसे बंद घर में रखा और लगातार मारपीट की। महिला ने चतुराई दिखाकर घर से निकलकर आसपास मौजूद लोगों को स्थिति की जानकारी दी। इसके बाद गांववाले मौके पर इकट्ठा हुए और महिला को सुरक्षित बाहर निकाला। उन्होंने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस और डायल 112 टीम को दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी। जिस घर में महिला को रखा गया था, उसके मालिक/मालकिन से भी पूछताछ की जा रही है। गंगा ब्रिज थाना की पुलिस पीड़िता को अपने साथ लेकर मामले की विस्तार से पूछताछ कर रही है।

पीड़ित महिला ने बताया कि वह पटना में होम दाई का काम करती है और गायघाट के समीप एक निजी अस्पताल में इलाज कराने गई थी। इसी दौरान दो व्यक्तियों ने उसका अपहरण किया और उसके साथ पिछले एक महीने से मारपीट और अन्य गलत काम किए जा रहे थे। महिला ने यह भी बताया कि उसके साथ एक बच्चा भी है। गंगा ब्रिज थाना के अधिकारियों ने बताया कि पूरे मामले की जांच-पड़ताल जारी है और आरोपी पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सचिन पायलट का चुनाव आयोग पर प्रहार

वोट चोरी सिर्फ मताधिकार छिनने का मुद्दा नहीं, कई सुविधाएं भी छिनेंगी

पटना (एजेंसियां)।

राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमत्री और कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने केंद्र की एनडीए सरकार और चुनाव आयोग की विभिन्न मुद्दों को लेकर कड़ी आलोचना की। उन्होंने 'वोट चोरी' के मुद्दे को लेकर कहा कि यह सिर्फ मताधिकार छीनने का मुद्दा नहीं है बल्कि यह उन गरीब, दलित, आदिवासी सहित अन्य लोगों से वे तमाम लाभ छीनने का भी मुद्दा है जो उन्हें सरकार देती है। वोट कटने के साथ-साथ इन लोगों को खाद्य वितरण के पीडीएस (जन वितरण प्रणाली) सहित अन्य योजनाओं के लाभ से भी वंचित कर दिया जाएगा।

सचिन पायलट बुधवार को कांग्रेस की वर्किंग कमेटी की बैठक में शामिल होने के लिए पटना आए थे। उन्होंने कहा कि, ''कांग्रेस जो मुद्दे उठा रही है, वे जनता के मुद्दे हैं। वोटों में गड़बड़ी, बेरोजगारी, कोई बड़ा उद्योग बिहार में नहीं लगा... क्या हम जवाब नहीं मांगेंगे, जरूर मांगेंगे। यह सब जनता के मुद्दे हैं। चुनाव हम इन सारे मुद्दों पर लड़ेंगे।''

उन्होंने कहा कि, ''वोट यदि कट रहा है तो इसका अगला असर कहां पर पड़ेगा? गरीब, पिछड़ा,दलित, आदिवासी जो भी व्यक्ति है, उसको जो पीडीएस में खाद्य सामग्री का आवंटन होता है, स्कॉलरशिप में..वहां से भी नाम कटेगा न। अगर आप नाम काट रहे हैं, तो उसको चौतरफा घेरा जाएगा। वोट का अधिकार एक इशू हो गया। आने वाले समय में किसी को पीडीएस से राशन खरीदना है, आवास आवंटन कराना है, बिजली कनेक्शन लेना है, स्कॉलरशिप लेनी है.. जो भी सुविधा लेनी है.. सीधा प्रहार उसके भविष्य पर होगा। यह सारे मुद्दे बिहार के लोगों के हैं, जो उठाए गए हैं।''

पायलट ने कहा कि, ''सरकार की जिद, अहंकार और अड़ियल रवैये से जनता की नुकसान हो रहा है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में पूरे देश के पार्टी के नेता आए। सब नेताओं ने संकल्प लिया कि

चाहे बिहार या किसी भी राज्य का चुनाव हो, हर छोटा बड़ा नेता समर्पित भाव से हिस्सा लेगा। हमारे गठबंधन का हम सब लोग मिलकर प्रचार करेंगे। बिहार में बदलाव होना निश्चित है। लेकिन प्रशासन,निर्वाचन आयोग की जो निष्पक्षता है, उस पर भी मतदाताओं को, हमको पैनी नजर रखनी होगी।

उन्होंने चुनाव आयोग को निशाना बनाते हुए कहा कि, वोट गायब कर दीजिए, वोट जोड़ दीजिए... जिस पारदर्शी तरीके से निर्वाचन आयोग्य को अपना काम करना चाहिए, दुर्भाग्य है कि संवैधानिक संस्था होने के बावजूद वैसे काम नहीं कर रहा। उसे पार्टी, दल, विचारधारा, राजनीतिक एसोसिएशन से ऊपर उठकर काम करना चाहिए, क्योंकि वही इस लोकतंत्र में चुनाव का रक्षक है। उसके संरक्षण में ही चुनाव होते हैं।''

कांग्रेस नेता ने कहा कि, आज आप देखिए हम प्रमाण दे रहे हैं, डेटा दे रहे हैं और यह पब्लिकली दे रहे हैं। राहुल गांधी जी ने कोई बात बंद कमरे में नहीं कही। जो डेटा है, वोटर लिस्ट है, वोट कटे हैं, जुड़े हैं, एक मकान में ढाई-ढाई सौ लोग रह रहे हैं, यह दिखाया गया है। जो जिंदा हैं, उनको मृत दिखाया गया। निर्वाचन आयोग ने अब तक इस तथ्य का खंडन नहीं किया, कोई जांच नहीं बिठाई। राहुल गांधी से वे हलफनामा मांग रहे हैं। आप किसी थाने में जाएं एफआईआर लिखवाने के लिए और थानेदार आपसे कहे कि आप पहले मुझे लिखकर दो तब मैं कार्रवाई करूंगा, यह कहां का नियम-कानून है?

सचिन पायलट ने कहा कि, मजे की बात यह है कि हम सवाल पूछते हैं निर्वाचन आयोग से और जो जवाब जो आता है वह भाजपा के प्रवक्ता देते हैं। यह बड़ी अजीब बात है। निर्वाचन आयोग को जनता की, विपक्ष की आवाज सुननी पड़ेगी। निष्पक्ष,पारदर्शी तरीके से चुनाव कराना पड़ेंगे। वोटर लिस्ट हम लोगों को देनी पड़ेगी ताकि हम जांच कर सकें।''

उन्होंने कहा कि, निर्वाचन आयोग ने खुद ही फैसला ले लिया कि पोलिंग बूथ पर जो सीसीटीवी कैमरे लगते हैं, उसकी रिकॉर्डिंग को हम 45 दिन में नष्ट कर देंगे। क्यों कर देंगे? अगर मुझे कोर्ट में चुनाव को चुनौती देनी है तो अदालत एविडेंस मांगेगी, लेकिन आप तो एविडेंस नष्ट कर रहे हैं। निर्वाचन आयोग सीसीटीवी फुटेज नष्ट करना चाहता है, वोटर लिस्ट देना नहीं चाहता, जांच करा नहीं रहा। यह हमारे लोकतंत्र के भविष्य के लिए अच्छा संकेत नहीं है। हम चुनौती स्वीकार कर रहे हैं और कांग्रेस पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ने वाली है।

अमित शाह के करीबी केशव प्रसाद मौर्य को बड़ी जिम्मेदारी

बिहार चुनाव के लिए सह प्रभारी बनाया गया

लखनऊ (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इस विधानसभा चुनाव में भी एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच मुकाबला होने जा रहा है। इस चुनाव में दोनों गठबंधन के बीच कांटे का मुकाबला होने की संभावना है। दोनों ही गठबंधन के नेता अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। इसी बीच, बीजेपी ने बिहार चुनाव को लेकर अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। बीजेपी ने यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी है। केशव मौर्य को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए प्रदेश चुनाव सह प्रभारी बनाया गया है।

दरअसल, बिहार चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे राजनीतिक पार्टियां अपनी-अपनी जीत का दावा ठोक रही हैं। बीजेपी ने भी बिहार में सरकर बनाने का दावा किया है। हालांकि, बीजेपी बिहार में नीतीश कुमार की पार्टी

के साथ चुनावी मैदान में है। इसी बीच, बीजेपी ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी टीम का ऐलान किया है। बीजेपी ने बिहार चुनाव के लिए चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी की नियुक्ति कर दी है। बीजेपी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को प्रदेश चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है, जबकि केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटील को प्रदेश चुनाव का सह प्रभारी नियुक्त किया है। इसके साथ ही यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को प्रदेश चुनाव सह प्रभारी बनाया गया है।

बताते चलें कि यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लंबे समय तक संगठन में काम किया है। केशव मौर्य ने 2017 विधानसभा चुनाव के दौरान यूपी बीजेपी अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभाली थी। उस चुनाव में बीजेपी ने ना केवल सत्ताधारी समाजवादी पार्टी को सत्ता से बाहर किया था, बल्कि रिकॉर्ड सीटों के साथ सूबे में सरकार भी बनाई थी।

केशव प्रसाद मौर्य गृहमंत्री अमित शाह के बेहद करीबी माने जाते हैं। एक समय पर केशव प्रसाद मौर्य और अमित शाह ने साथ में काम भी किया है। केशव प्रसाद मौर्य का नाम समय-समय पर यूपी बीजेपी अध्यक्ष और बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए भी चलता रहा है। फिलहाल केशव प्रसाद मौर्य दो बार से लगातार उपमुख्यमंत्री बने हुए हैं। उनकी गिनती पार्टी में कद्दावर नेताओं के रूप में होती है। हाल ही में केशव प्रसाद मौर्य दिल्ली दौरे पर भी गए थे। वहां उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से भी मुलाकात की थी।

वहीं, बिहार चुनाव में केशव प्रसाद मौर्य को एक बड़ी जिम्मेदारी मिल गई है। बता दें कि यूपी में साल 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। अगर बिहार में बीजेपी अच्छा कमाल करती है तो इसका सीधा लाभ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को भी मिल सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com